III an USAGette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

tio 11] No. 11] नई बिल्ली, शनिबार, मार्च 17, 1979/फाल्पुन 26, 1900

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 17, 1979/PHALGUNA 26, 1900

इस भाग म⁸ भिल्ल पृष्ठ संख्या की जाती ह^र जिससे कि यह अलग संकलन के रूप म⁸ रखा जा सर्ज। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II- खण्ड 3-उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) मारत सरकार के मंत्रालयों और (संध राज्य केंद्र प्रशासनों की छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सीजिधिक ग्रावेश और ग्रिधसुचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन ग्रायोग

आवेश

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1979

का० आ० 897.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1977 में हुए केरल विधान मभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 135-विचेन्द्रम पश्चिम निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीव-वार श्री के० श्रीकान्टन, टी० सी० 32/2477, कुलावीलाकाथु थीडू, चक्काई डाक०, तिवेन्द्रम, जिला जिवेन्द्रम, केरल लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिमयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रवेकिन समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययो का नेवा वाजिल करने में असफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदशार द्वारा दिये गये प्रभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन प्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पान इस ग्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायौचित्य नहीं है;

श्वतः श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एनद्वारा उक्त श्री कें अधिकान्टन को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य च्ने जाने और होने के लिए इस आदेश की सारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहन बोषित करना है ।

[सं • केरल-वि • म • / 135/77]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 9th February, 1979

S.O. 897.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. Sreekantan, T.C. 32/2477, Kulavilakathu Veedu, Chackai P.O., Trivandrum, District Trivandrum (Kerala State), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in March, 1977 from 135-Trivandrum West Assembly constituency, has failed to lodge the account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. Sreekantan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/135/77]

नई विस्स्री, 13 फरवरी, 1979

का॰ ग्रा॰ 898.→-यतः, निर्वावन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए ग्रान्ध्र प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 236-बीधन निर्यानन-अन्त ये नुताप लड़ने नाये उम्मीद-बार श्री श्रद्धा रेड्डी, नितायी-मकान नं ० 4-17, बाक्त येडपरली, नालुक बीधन, जिला-निजामाबाद (श्रान्ध्र प्रदेश), लोक प्रतिनिश्चित्व प्रश्चिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमी द्वारा ग्रोक्ति श्राप्ते निर्धावन व्ययों का लेखा वाखिल करने में श्रपक्त रहे हैं;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, प्रपत्नी इस श्रासफलता के लिए कोई कारण श्रथता स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रासफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचिन्य नहीं है;

भ्रतः ग्रब, उक्त भ्रधिनियम की भ्रारा 10-क के भ्रनुसरण में, निवांचन श्रायोग एतद्श्रारा उक्त श्री भ्रम्बा रेड्डी को संस्यू के किसी भी सदन के भ्रा किसी राज्य की विभ्रान-सभा भ्रथवा विभ्रान परिषद् के सदस्य चुने जाने भ्रीर होने के लिए इस भ्रादेश की तारीख़ में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित पौषित करता है।

[सं० भा०प्र०-वि०स०/236/78(10)]

New Delhi, the 13th February, 1979

S.O. 898.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Abba Reddy, resident of H. No. 4-17, P.O. Yedpally, Taluk Bodhan, District Nizamabad (Andhra Pradesh), a contesting candidate for general election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in February, 1978, from 236-Bodhan constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Abba Reddy to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/236/78(10)]

का० आ० 899. -- यतः, निर्वाचन प्रायोग भा समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए प्रान्ध्रां प्रदेश विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 265-महबूबाबाय निर्वाचन-सेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री चिरागोनी नारायण, कोमतापल्ली वाया केममुद्रम, महबूबाबाद तालृक, जिला बारंगल (श्रान्ध्र प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व ग्रधिनियम, 1951 तथा सब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षित ग्रंपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

धौर, यत:, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना विये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण भयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर, निर्वाचन भागांग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नहीं है;

श्रतः श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वावन श्रायोग एतप्द्वारा उक्त श्री चिरागोनी नारायण को संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान-मभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्राहत चौषित करता है।

[सं० ग्रा॰ प्र०-वि०स॰/265/78(11)]

S.O. 899.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chairagoni Narayana. Komatipalli via Kesamudram, Mahabubabad Taluk, Warangal District, (Andhra Pradesh), a contesting candidate for general election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in February, 1978 from 265-Mahabubabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason o_{Γ} explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chitagoni Narayana, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/265/78(11)]

नई दिस्ली, 14 फरवरी, 1979

का॰आ॰ 900. — यतः, निथीजन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उड़ीसा विधान सभा के लिए साधारण निर्यावन के लिए 4-रैरंगपुर (भ०ज०जा०) निर्वाचन केत से चुनाव लड़ने वाले उस्मीदवार श्री लाल मीहन सोरें, ग्राम-गंदाधरपुर, जिला सयूरमंग्र, राफ० हारबद्दा, (उड़ीसा), लोक प्रतिनिधित्व ध्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यथों का कोई भी लेखा दाखिल करने में झसफल रहे हैं;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीववार ने, उसे मम्यक सूचना विये जाने पर भी, श्रमनी इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही विया है, श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचिरय नहीं है;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतवृद्वारा उक्त श्री लाल मोहन सोर्रे को मसद् के किमी भी सबम के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेण की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[र्सं० 76/उड़ीसा-वि॰स०/4/77]

New Delhi, the 14th February, 1979

8.0. 900.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lalmohan Soren, Village Gadadharpur, P.O. Harbadra, District-Mayurbhanj (Orissa) a contesting candidate for general election to the Orissa Legislative Assembly held in June, 1977 from 4-Rairangpur (ST) contituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lalmohan Soren to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either Houses of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/OR-LA/4/77]

का॰ था॰ 901.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1979 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 172-भोकर निर्वाचन-केंद्र से जुनाव लड़ने वाले उम्मीदिशार श्री विगम्बरराव बापूराव धनीरकार, निवासी धनुरा नालुक, बिल्पोई, जिनानादेड, महाराष्ट्र लोक प्रतिनिधित्व भिधिनियम, 1951 नथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लिखा दाखिन करने में असफल रहें है;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूबना विधे जाने पर भी, भपनी इस भसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही विद्या है, श्रीर, निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उनके पास इस असफलका के लिए कोई पर्योग्त कारण या न्यायौविस्य नहीं है;

श्रतः प्रय, उक्त श्रीधितयम की धारा 10-क के प्रनुस्पण में निर्वाचन प्रायोग एतव्द्वारा श्री दिगम्बर रात बायूराव धनोरकर व सिन्द् के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान-सभा प्रथवा वि परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस झादेश की तारीख- असीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्स्ति वांधित करता है।

[सं० महा०-वि०स०/172/78(97)]

s.o. 901.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Digamberrao Bapurao Dhanorkar, R/o Dharnura taluk, Billoi, Nanded District (Maharashtra), a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 172-Bhokar constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice. has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Digamberrao Bapurao Dhanorkar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No, MT-LA/172/78(97)]

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1979

का० प्रा० 902.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि करवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 217-घोलापुर नगर उत्तर निर्वाचन की में जुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जी० बी० प्रोहाल, उल्हामनगर डिफैन्स कालोनी, कुर्ला कैम्प, उल्हासनगर नं० 4, केन्द्रीय विद्यालय के पीछे, जिला-पाना, महाराष्ट्र लोक प्रतिनिधित्व प्राधिनियम, 1951 लया तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रशिक्त प्राप्त निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करते में प्रमुकत रहे हैं;

ग्रोर, यतः, उक्त उम्मीदनार ने, उमे सम्यक्त मूचना दिये जाने पर भी, ग्रपनी इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथना स्पष्टीकरण नहीं दिया है, ग्रोर निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उनके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीजित्य नहीं है;

धतः प्रव, उक्त ध्रधिनियम की धारा 10-क के घतुगरण में निर्वाजन ध्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री जी० की० घोहाल को संसद् के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान-सभा ध्रयवा विधान परिगद् के मदस्य चुने जाने ध्रीर होने के लिए इस ध्रादेण की तारीख में तोन वर्ष की कालाविध के लिए निर्महत चांचित करता है।

[सं० महा०-वि०स०/217/78(99)]

New Delhi, the 15th February, 1979

S.O. 902.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri G. B. Ohal, Ulhasanagar Defence Colony, Kurla Camp, Ulhasanagar No. 4, Behind Central School, Thana District, (Maharashtra), a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 217-Solapur City North constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri G. B. Ohal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/217/78(99)]

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1979

का० आ० 903.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 184-परतुर निर्वाचन केला में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री चवाण ब्रह्मानन्य सखाराम, (बिनिन पेयर), मुकाम बजार सरकाटे, हाक० बेलोर, तालुक-परतुर महाराष्ट्र लोक प्रतिनिधिय्य श्रीधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमी हारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीववार ने, उसे सम्यक्ष सूचना विये जाने पर भी, अपनी इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है, और निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

मतः ग्रन, उक्त भिधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भायांग एतदुद्वारा उक्त श्री चत्राण बद्धानन्द मखाराम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और हांने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की नासावधि के लिए निर्राहित घोषित करता है।

[सं० महा-भि०स०/184/78(100)]

New Delhi, the 16th February, 1979

S.O. 903.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chavan Brahmanand Sakharam, (Dalit Penthar), at Wazar Sarkte, Post Belore, Partur Taluk, (Maharashtra) a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 184-Partur constituency, has failed to lodge the account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification \mathbf{fo}_{Γ} the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the sald Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chavan Brahmanard Sakharam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/184/78]

का० आ० 904.—यतः, निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि फ रबरी, 1978 में हुए म्रान्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 136-सरववेदु (अ० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीव-वार श्री बी० नरसिसहुल्, टी० पी० कोटा, बीरकुण्यम डाक०, नालुक-प्रत्यवेदु, जिला-चित्तूर, आन्ध्र प्रदेश लीक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों हारा भ्रपेक्षित रीति से भ्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा याखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

ग्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, भपनी इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रम्थवा स्पष्टीकरण नहीं विया है, ग्रीर नित्रचिन श्रायीग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायीजित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उत्तरं श्रीधनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्वारा उक्त श्री बी० नरसिमहुलु को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा श्रयं विधान परिषद् के सदस्त्र चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की ता।रीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहित श्रीपित करता है।

[सं॰ मा॰प्र॰-वि॰स॰/136/78(12)]

S.O. 904.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri V. Narasimhulu, T. P. Kota, Beerakuppam Post, Satyavedu Taluk, Chittoor District (Andhra Pradesh), a contesting candidate for general election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in February, 1978 from 136-Satyavedu (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri V. Narasimhulu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/136/78(12)]

नई विल्ली, 17 फरवरी, 1979

का० मा० 905. — पतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 138-कलमेक्यर निर्वाचन-केन्न से चुनाव लक्ने वाले उम्मीदवार श्री निकास प्रंकर नाथ्जी, मुकाम व काक० थिपला किखेडे, सहसील साधनेर, जिला-नागपुर, महाराष्ट्र लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रवेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में प्रमुकत रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीववार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, प्रवनी इस प्रसफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

मतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री निकोसे शंकर नाथूजी को संसद् के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान-सभा अधवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरक्तित घोषित करता है।

[सं॰ महा॰-वि॰स॰/138/78(104)]

New Delhi, the 17th February, 1979

S.O. 905.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nikose Shankar Nathuji, At & P.O. Pipla Kinkhede, Tahsil-Savner, District-Nagpur, Maharashtra, a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 138-Kalmeshwar constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nikose Shankar Nathuji to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/138/78(104)]

का० थ्रा॰ 906.— वनः, तिर्वाचन ग्रायांग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 133-नागपुर उत्तर (प्र० जा०) निर्वाचन-अंत से चुनाय लड़ने वाले उप्पादनार था भागे मानकि पंचम, निर्वासी नवा नक्या, लशकरी बाग, खा० श्रम्बेडकर रोड, नागपुर-17, महाराष्ट्र भोक प्रभिनिधित्व श्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रोक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

और, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये प्रश्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन धायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य मही है;

प्रतः प्रवं, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-म के धन्मरण में निर्वाचन प्रायोग एतद्द्वारा उक्त थी भागे गानिक पंचम का संसद के किसी भी सदन के या किमी राज्य की विधान-सभा धथवा विधान परिषद् के सदस्य चूने जाने और होने के लिए इस प्रादेण की लारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्माहत घोषित करता है।

[यं॰ महा॰-वि॰स॰/133/78(108)]

S.O. 906.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhange Manik Pancham, 1/0 Nava Nakasha, Lashkaribag, Dr. Ambedkar Road, Nagpur-17, Maharashtra, a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 133-Nagpur North (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhange Manik Pancham to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/133/78(105)]

कां जां 907.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 179 बसमठ निर्वाचनकोत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीयवार श्रीमती यैजवाडे यमुनावाई विश्वनाथ, नालुक व डाक वसमठ, जिला परभनी, महाराष्ट्र लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे है;

श्रीर श्रतः, उक्त उम्मीदबार ने, उसे सभ्यक् सूचना दिये जाने पर भी, श्रपनी इस प्रक्षक नवा के लिये कोई कारण ग्रथवा स्पष्टी करण नहीं दिया है, और निर्वाधन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिये कोई प्रयुक्ति कारण या न्यायीचिस्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिषियम की धारा 10-क के श्रमुसरण में निविधिम प्रायोग एतक्कारा उक्त श्रीमती बैजवाचे यमुनावाई विश्वनाथ को संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिह्त वीधित करता है।

[सं • महा • - वि • स • / 179 / 78 (101)]

8.0. 907.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Waijwade Yamunabai Vishwnath, Taluk & Post Basmath, Parbhani District, Maharashtra a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 179-Basmath constituency has failed to lodge an account of her election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Smt. Waijwade Yamunabai Vishwanath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/179/78(101)]

का॰ आ॰ 908. — यतः, निर्वाचन घायोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र धिधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 202-रेनापुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-श्री वाधहाने सन्तराम गणपन भीमवाड़ी, परली वैजनाथ, प्रस्वाजोगाई तालुक, जिला भिर, महाराष्ट्र लोक प्रनिनिधित्व श्रिधनियम, 1951 तथा तब्बीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में असफल रहे है;

ग्रीर यतः, उम्मीदवार ने उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, ग्रुपनी इस ग्रासफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रासफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोखित नहीं है;

प्रतः ग्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री वावहाने सन्तराम गणपन भीमवाड़ी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा ग्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से नीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहिन घोषित करता है।

सिं० महा०-वि०स०/202/78(102)]

S.O. 908.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Wavhale Santram Ganpat Bhimwadi, Parli Vaijnath Ambajogai taluk, Bhir District, (Maharashtra) a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 202-Renapur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Wavhale Santram Ganpat Bhimwadi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order,

[No. MT-LA/202/78(102)]

का० औ० 909.— - प्रतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 198-पिर निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदेशार श्री धेपे महावेव प्रप्पा रुद्रप्पा, मुकाम व डाक० थिर, रिवधार पेठ, भिर, महाराष्ट्र लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 मथा नव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर यतः, जनत उम्मीववार ने, जसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः भव उकत श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्वारा उकत श्री धेपे महादेव भप्पा कद्रप्पा को संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहन घोषित करता।

[मं • महा०-वि•स०/198/78(103)]

S.O. 909.—Whereas the Election Commission is satisfled that Shri Dhepe Mahadeo Appa Rudrappa, At & Post Bhir, Raviwarpeth, Bhir District, (Maharashtra) a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 198-Beed constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dhepe Mahadeo Appa Rudrappa to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1979

कारुप्रातः 910.—स्वतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 37-केरवाडी निर्वाचन-क्षेत्र से चूनाव लड़ने थाले उम्मीदवार थी। साठे विट्ठलराव रामचन्द्र, राभायाई थम्बेडकर नगर, झटवा मीट की दुकान के पीछे, घाटकोपार, बम्बई-75 लीक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 नथा द्रद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा प्रयोक्ति अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

और, यथः. उक्त उम्मीववार ने, उसे सम्यक सूचना विसे जाने पर भी, प्रपनी इस प्रमफलना के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विसा है, और निर्वाचन प्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पार इस प्रमफनना के लिए कोई पर्यापन कारण या स्यायीचित्य नहीं है;

धनः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रमुसरण में निर्वाचन आयोग एनक्द्वारा उक्त थी माठे विट्ठलराव रामचन्द्र को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा ध्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहन घोषित करना है।

[सं० महा०-वि०स०/37/78(107)]

New Delhi, the 19th February, 1979

8.0. 910.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sathe Vithalrao Ramchandra, Ramabai Ambedkar Nagar, Behind Zatka Mutton Shop, Ghatkopar Bombay-75 a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February. 1978 from 37-Kherwadi constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice. has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Sathe Vithalrao Ramchandra to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No, MT-LA/37/78(107)]

का० आ० 911.—पतः, निर्वावन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उर्ड़रमा विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 23-मुकिन्दा नियाचन केल में चूनाव ६ इने बाले उम्मीदवार श्री गणेण दाम, ग्राम य डाक० इंदुरी, जिला-कटक (उर्ड़ासा) लोक प्रतिनिधिष्य प्रशित्यम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रीक्षित प्रपने नियचिन व्ययों का लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस श्रमफलमा के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

प्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के भ्रमुमरण में निर्वाचन भायोग एनद्द्वारा उक्त श्री गणेश दाम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-गभा श्रथवा विधान गरिषद् के सवस्य च्ने आने और होने के लिए इस ग्राहेश की नारीख़ से मीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हाल धाषित करना है।

S.O. 911.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ganesh Das, Village and P.O. Duburi, District—Cuttack (Orissa) a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in June, 1977 from 23-Sukinda constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ganesh Das to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/OR-LA/23/77]

नई विरुली, 20 फरवरी, 1979

का० वा० 912.— यसः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए प्रान्ध्र प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 248-मन्यानी निर्वाचन-धेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एस० प्रार० लक्ष्मण, निर्वाची 32-डी, 'ए' श्रेणी काकीनी, रामागुल्डम, जिला फरीमनगर, आन्ध्र प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा प्रवेकित ग्रयन निर्वाचन क्ययों का लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे है;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पर्ध्वकरण नश्ची दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पाम इस अमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिशिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री एम० श्रार० लक्ष्मण को संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान-सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादंग की तारीख से तीन वर्ष की काला-यिश के लिए निर्दाहत बोषिस करता है।

[सं० সাতসত-বি০स 0/248/78(13)]

New Delhi, the 20th February, 1979

S.O. 912.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri S. R. Laxman, resident of 32-D, Class 'A' Colony, Ramagundam, District Karlmnagar (Andhra Pradesh), a contesting candidate for general election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in February, 1978, from 248-Manthani constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri S. R. Laxman to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

नई दिस्ली, 24 फरबरी, 1979

कार आर 913. — यतः निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए सहाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 185-ग्रम्बाड निर्वाचन की से सनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भानु वास देवराव भीजने मुर रामयगांव पोर निर्वपुरी लार ग्रंबाड, जिला ग्रोरंगाबाव महाराष्ट्र लोक प्रतिनिधित्व ग्रंधिनयम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रंपेकिन श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

भीर, यतः, जक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक सूचना विये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कीई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्हारा उक्त श्री भानुवास देवराव भोजमे को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भथवा विधान परिषद् के सदस्य खूने जाने और होने के लिए इस भादेण की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत बोषित करना है।

[सं० महा०-वि०स०/185/78 (114)]

New Delhi, the 24th February, 1979

S.O. 913.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhanudas Deorao Bhojane, R/o. Ramasgaon, At and Post Tirthpuri Ambad Taluk, Aurangabad District (Maharashtra) a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 185-Ambad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhanudas Deorao Bhojane to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/185/78(114)]

का० आ० 914.—यतः निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण मियांचन के लिए 219-चौरई निर्वाचन केंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हरी राम भागार्थी हटवार गांव मुद्रारी, पो० सिरेगांव, जिला छिन्दवाड़ा, मध्य प्रवेश लोक प्रतिनिधिन्व भाधिनियम 1951 नदा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षित भ्रपते निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा दोखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीववार ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस ममफलता के लिए कोई कारण ध्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निविचन घायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के तिर कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है; धनः प्रत्न, उत्तन धिक्षितियम की धारा 10-ए में धनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्बारा उपन श्री हरीराम भागीरथी हटवार की संसद के किसी भी सदन केया किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए उस धादेण की नारीख़ में तीन वर्ष की काली-विधान किसी की सिए निर्हात घोषित करना है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/219/77]

S.O. 914.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hariram Bhagirathee Hatbar, Village Muwari, P.O. Siregaon, Tehsil Amarwara District Chhindwara (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 219-Chourai constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hariram Bhagirathee Hatbar to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/219/77]

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1979

का०आ० 915.—यतः निर्वाचन भागोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 271-इन्दौर-2 निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदनार श्री श्रींकार सिंह करों 182 अम्बोडकर नगर, इन्दौर, जिला इन्दौर (मध्य प्रवेण) लोक प्रतिनिधित्व प्रश्चितियम, 1951 तथा तब्धीन बमाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित भपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी सेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मोदवार ने सम्यक सूचना विए जाने पर भी इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाञ्चान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

मतः भव, उक्त प्रिधिनियम की धारा 10-क के प्रमुमरण में मिर्वाचन प्रायोग एतद्वारा उक्त श्री प्रोंकार सिंह कैरों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य जुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेण की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए गिर्राहत घोषित करना है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/271/77]

की० नागसुक्रमण्यम, स**चि**ष

New Delhi the 27th February, 1979

S.O. 915.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Onkarsingh Kero, 182-Ambedkar Nagar, Indoro District Indore, Madhya Pradesh a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 271-Indore-II constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the

Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Onkarsingh Kero to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/271/77]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

नई दिल्ली, 20 फरबरी, 1979

का शिष्ट 916.— लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन श्रायोग, आसाम मरकार के परामर्श से श्री बीठ हाजारिका के स्थान पर श्री पीठ एन० राय, पर्वतीय श्रायुक्त को उनके कार्यभार सम्भालने की तारीख से अगले आदेशों तक आसाम राज्य के मुख्य निर्वाचन श्रीक्षकारों के रूप में एतवृद्धारा माम निर्वेशित करता है।

सिं **154/मासाम/**78]

New Delhi, the 20th February, 1979

S.O. 916.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Assam hereby nominates Shri P. N. Rau, Commissioner of Hills as the Chief Electoral Officer for the State of Assam with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri B. Hazarika.

[No. 154/AS/78]

विल्ली, 26 फरबरी, 1979

का० था० 917. — लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त प्रांकियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन प्रायोग, हिमाचल प्रदेश सरकार के परामणे से श्री पी० पी० श्रीवास्तव के स्थान पर श्री एच० एस० तुबे, धाई० ए० एस०, विसीय आयुक्त, हिमाचल प्रदेश को उनके कार्य भार सम्भालने की नारीख से अगले आदेशों तक हिमाचल प्रदेश राज्य के मुख्य निर्वाचन श्रिश्वारी के कप में एतद्द्वारा नाम निर्वेशित करता है।

[सं**०** 154/हि०प्र०/79]

टी० नागरतमम, सचिव

New Delhi, the 26th February, 1979

S.O. 917.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Himachal Pradesh hereby nominates Shri H. S. Dube, IAS Financial Commissioner as the Chief Electoral Officer for the State of Himachal Pradesh with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri P. P. Srivastaya.

[No. 154/HP/79] T. NAGARATHNAM, Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1979

का० आ० 918.—निर्वाचन म्रायोग के नारीख 6 जनवरी, 1979 के प्रावेग सं० प्रा० प्र०-वि० स०/265/78 के पैरा 1 में "जिला महबूबान बाद" शब्दों के स्थान पर, "महबूबाबाद, वारंगल जिला" शब्द रखे जाएंगे।

[सं॰ ग्रा॰प्र॰-वि॰स॰/265/78]

के० गणेशन, ग्रवरसचित्र (विधिक)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 26th February, 1979

S.O. 918.—In para 1 of the Commission's Order No. AP-I.A/265/78 dated 6 January, 1979, for the words "Mahabubabad District" the words "Mahabubabad, Warangal District" shall be substituted

[No. AP-LA/265/78] K. GANESAN, Under Secy. (Legal)

विक्रि, स्वाच जॉर कम्पनी कार्च मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1979

कां० आ० 919.—एकाधिकार एवं निर्बंत्धनकारी व्यापार प्रधा प्रक्षितियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की जप-धारा (3) के भ्रतुमरण में केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा मैं० प्रार्घ० बी० एम० वल्ड ट्रेड कारपोरेणन के कथिन भ्रधिनियम के धन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पन्न संख्या 160/70) के निरस्तीकरण को श्रधिसूचिन करती है।

[सं० 2/40/78-एम०/[[एम०-I] वेद प्रकाण उप्पल, श्रवर संचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 5th March, 1979

S.O. 919.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration of M/s. IBM World Trade Corporation under the said Act (Certificate of Registration No. 160/70).

[No. 2/40/78-M. II/M.I] VED PRAKASH UPPAL, Under Secy.

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1979

का०आ० 920.—गाष्ट्रभित, संविधान के श्रनुष्कट्टेंद 309 के परस्तुक श्रीर श्रनुष्केंद 148 खण्ड (5) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीर भारत के लेखापरीक्षा श्रीर लेखा विभाग में कार्यरत व्यक्तियों के सम्बन्ध में नियन्त्रक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पण्डात, केन्द्रीय मियिल मेवा (वर्गीकरण नियन्त्रण श्रीर श्रपील) नियम, 1965 में श्रीर संशोधन करने के लिए निम्निखित नियम बनाने हैं, श्रयांत:—

 (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण और प्रपील) संशोधन नियम, 1979 है। (2) से राजपन में प्रकाशन की सारीख की प्रवृक्त होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल नेवा (थर्गीकरण नियन्त्रण धौर अपील) नियम, 1965 के नियम 27 के उपनियम (2) के परन्तुक (2) और (3) में निम्निणिखित मन्दों का जहां कही वे धाए हैं, लोप किया जाएगा, अधिन:---

"ध्रपीलाधी को यथासम्भव नियम 15 के उपनियम (4), के उपक्रवों के अनुसार जांच के बौरान विए गए साध्य के घ्राधार पर प्रशावित शास्ति के विरुद्ध धन्यावेदन करने का युक्तियुक्त भवसर देने के पश्चात्।"

 उक्त नियमों के नियम 29 में, उसके उपनियम (1) के प्रथम परस्तुक में निम्निलिखित शब्दों का लोप किया जाएगा, श्रथित :---

"सम्बद्ध सरकारी सेवक को जांच के दौरान दिए गए साक्ष्य के श्राधार पर प्रस्तावित भास्ति के विरुद्ध कारण बताने का युक्ति-युक्त अवसर देने के पण्चात् भीर।"

> [मं० 110]2/11/78-स्था० (क)] ग्रार० मी० गुप्ता. उप मिवन

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 2nd March, 1979

- S.O. 920.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in regard to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services, (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965. name'y:—
- 1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Amendment Rules. 1979.
- (ii) They shall come into force from the date of their publication, in the Official Gazette.
- 2. In rule 27 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, in provisos (ii) and (iii) to sub-rule (2) thereof, the following words, wherever they occur, shall be omitted, namely:—

"after giving the appellant a reasonable opportunity, as far as may be, in accordance with the provisions of sub-rule (4) of Rule 15, of making a representation against the penalty proposed on the basis of the evidence adduced during the inquiry" —

3. In rule 29 of the said rules, in the first proviso to subrule (1) thereof, the following words shall be omitted. namely:—

"after giving a reasonable opportunity to the Government servant concerned of showing cause against the penalty proposed on the evidence adduced during the inquiry and".

[No. 11012/11/78-Estt(A)] R. C. GUPTA, Dy. Secy.

सचिवालय, मुख्य आयुक्त, गुरुद्वारा चुनाव

श्कि-पश्च

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1979

का०आ० 921.—भारत के राजपत्न (ग्रसाधारण) भाग 2- खण्ड 3 उपखण्ड (2) दिनांक 15 फरवरी, 1979 में पृष्ठ 159-161 1265 GI/78—2

पर प्रकाशित अधिसूचना सं० का० आ० 93 (ई) के हिन्दी रूपान्तरण में पृष्ठ 160 पर लाईन 7 के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाए:---

"(6) 8 मार्च, 1979 (वीरबार) उम्मीदवारी द्वारा प्रपत्ती उम्मीदवारी वापिस लेने "

[सं० 13013/8/78-एस० धार०] एच०सी० बस्मी, ग्रवर सचिव

वित्त मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1979

का आ 922. केन्द्रीय सरकार की राय है कि केन्द्रीय उत्पाद-गृहक के कलक्टरेट कार्यालय, कलकत्ता (उत्पाद-गृहक प्रौर सीमा-गृहक का केन्द्रीय बोर्ड) के निरीक्षण (श्री० जी०) श्री वैवप्रसाद चक्रवर्ती के विरुद्ध विभागीय जांच के प्रयोजनों के लिए, जांच में उद्घुत व्यक्तियों को साक्षी के रूप में समन करना या उनसे कोई दस्तावेज मांगना माव-ग्यक है:

धतः अब विभागीय जांच (साक्षियों को हाजिर कराना तथा वस्तावेज पेश कराना) प्रधिनियम, 1972 (1972 का 18) की घारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त गिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार जांच प्राधिकारी श्री शिणिर कुमार सिंघ राय, ग्रधीक्षक समूह 'ख' केन्द्रीय उत्पाव शुल्क कलकत्ता-8 खण्ड कलकत्ता को उन्त ग्रधिनियम की धारा 5 में विनिधिष्ट गिवन का उपरोक्त ष्यक्ति के सम्बन्ध में प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

> [फा० सं० सी०-11016/76/78-प्रशा-5] शैलेन्द्र सुमार, भवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

((Department of Revenue)

New Delhi, the 7th February, 1979

S.O. 922.—Whereas the Central Government is of opinion that for the purpose of the departmental enquiry against Shri Debaprosad Chakraborty, Inspector (Ordinary Grade) of the Collectorate of Central Excise, Calcutta (Central Board of Excise and Customs) it is necessary to summon as witness, or call for any documents from the persons cited in the inquiry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Departmental Inquiries (Enforcement of Attendance of Witnesses and Production of Documents) Act. 1972 (18 of 1972), the Central Government hereby authorises the Inquiring authority, Shri Sisir Kumar Singha Roy, Superintendent, Group 'B', Central Excise, Calcutta Division VIII, Calcutta, to exercise the power specified in section 5 of the said Act in relation to the persons aforesaid.

[F. No. C. 11016/76/78-Ad. V]
S. KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1979

मायकर

का० का० 923.— भायकर प्रधिनियम 1961 की घारा 2 के खण्ड (44) के उप खण्ड (3) के धनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतव्हारा भारत मरकार के राजस्व और वैंकिंग विभाग की विनांक 4-9-76 की

द्यधिसूचना सं० 1473 (फा० सं० 404/178/76—मा० क० स० क०) में निम्नलिखिन संशोधन करती है सर्वात् उक्त प्रधिसूचना में ---

- "1. थीं। एम० एम० श्रीवास्तवा
- 2. शी पी० एच० ए० माजवानी
- 3. श्री एस० एस० जोणी
- 4. श्री एस० डी० खन्ना
- 5. श्री एस० एच० गोहानी
- 6. श्री यी० एम० कोवाली
- 7. श्री एय० बी० मंधानी
- 8. श्री द्वीर पी० राठौड
- 9. श्रीमती एम० बी० वोडविकर"

शक्दों और प्रकों के लिए

- "1. श्री पी० एच० ए० **प्राजवानी**
- 2. श्री एस० एस० जोशी
- 3. श्री बी० एम० फौली
- 4. श्री एम ० बी० मंधानी
- श्री डी० पी० राठौड
- श्रीमती एम० बी० बोर्डावेकर

शब्दों और अंकों की प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[सं० 2714/फा॰ सं० 404/28/(कर क्सूली ग्राधिकारी-बस्बई)/ 79-आ०कर०स०क०]

New Delhi, the 15th February, 1979

INCOME TAX

S.O. 923.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 1473 (F. No. 404/178/76-ITCC) dt. 4-9-76 namely:—

In the said Notification for the words and letters "S/Shrl

- 1. M. M. Shrivastava
- 2. P. H. Ajwani
- 3. S. S. Joshi
- 4. S. D. Khana
- 5. S. H. Gohani
- 6. B. M. Kowali
- 7. S. V. Manghani
- 8. D. P. Rathod
- 9. Mrs. M. V. Bordawekar."

In the words and letters "S/Shri

- 1. P. H. Aiwani
- 2. S. S. Joshi
- 3. B. M. Kowli
- 4. S. V. Manghani
- 5. D. P. Rathod
- 6. Mrs. M. V. Bordawekar."

shall be substituted.

[No. 2714/F. No. 404/28(TRO-BOM)/79-ITCC]

का० गा० 924.—--ग्राय-कर ग्रीधनियम 1961 की घारा 2 के लाण्ड (44) के उप-खण्ड (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय मरकार एनव्द्रारा भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग तिमांग की विलोक 5-10-1976,

की अधिसूचना स॰ 1513 (फा॰ स॰ 401/178/76-माई॰टी॰सी॰ सी॰) में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रचीत उक्त अधिनुचना में:---

- "1. श्री भी० एल० गुरमानी
- 2. श्री के टी जोमेफ
- 3. श्री एम० जी० भास्त्री
- 4. श्री जी० ए० हेडगे हेगडे
- 5. श्री वी० पी० वीक्षित
- 6. श्री पी० के० कल्याण
- 7. श्री एम० जे० सोलंकी
- 8. श्री एम० एस० नेवरेकर
- 9 श्री षी० य० कामध
- 10. श्री प्रार० जी० चिपलूणकर
- 11. श्री एम० के० उदासी
- 12. श्री एस० डी० सामेल"

शब्दों और श्रंकों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :---

- "1. श्री धार० एल० गुरमानी
 - 2. एस० जी० शास्त्री
 - 3. श्री जी० ए० हेडने हंगडे
- 4. श्री बी० पी० दीक्षित
- 5. श्री पी० के० कस्याण
- श्री एम० जे० सोलंकी
- 7. श्री एम० एस० नेवरेकर
- श्री भार० जी० चिपलूणकर
- 9. श्री एम० के० उवासी10. श्री एस० डी० सामेल"

[सं० 2712/फा० सं० 404/28/(कर बसूली अधिकारी-बम्बई)/ 79-प्राई० टी० सी० सी०]

S.O. 924.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 1513 (F. No. 404/178/76-ITCC) dated 5-10-1976 namely:—

In the said Notification for the words and letters: "S/Shri

- 1. R. L. Gurnani
- 2. K. T. Joseph
- 3, S. G. Shastri
- 4, G. A. Hedge Hegde
- 5. V. P. Dikshit
- 6. P. K. Kalyan
- 7, M. J. Solanki
- 8. M. S. Nevrekar
- 9. V. U. Kamath
- 10 R. G. Chiplunkar
- 11. M. K. Udasi
- 12. S. D. Samel."

the words and letters "S/Shri

- 1. R. L. Gurnani
- 2. S. G. Shastri
- 3. G. A. Hedge Hedge
- 4. V. P. Dikshit
- 5, P. K. Kalyan
- 6. M. J. Solanki
- 7. M. S. Nevrekar
- 8. R. G. Chiplunkar
- 9. M. K. Udasi
- 10. S. D. Samel." shall be substituted.

[No. 2712 / F. No. 404/28(TRO-BOM)/79-JTCC]

का॰ आ॰ 925.— मायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उभ-खण्ड (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, भारत सरकार के राजस्व ग्रीर बीमा विशाग की विनांक 20 जुलाई, 1974 की प्रधिसूचना संख्या 685 (फा॰ सं॰ 404/159/74-आ॰ व॰ म॰ क॰) में निम्नलिखिन संगोधन करती है ग्रायांच् उक्त ग्रीधमूचना में "श्री ए॰ एम॰ प्यार, श्री ग्रो॰ सोमेणेखरन, श्री ए॰ एस॰ श्राहुणा ग्रीर श्री एस॰ श्री० घोलाप" णख्यों ग्रीर प्रक्षरों के स्थान पर "श्री ग्रो॰ नोमेणेखरन, श्री ए॰ एम॰ ग्राहुणा" णब्य ग्रीर भक्षर प्रनिस्थापित किए जाएंगे।

[संख्या 2718/फा० (संथ्या 404/28 (জ০ ল০ সা০⊸া ৰেছি)/79-স্থাত ল০ ল০ ল০)]

S.O. 925.—In pursuance of sub-clause (ili) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Insurance No. 685 (F. No. 404/159/74-ITCC) dated 20-7-1974 namely: In the said notification for the words and letters "S/Shri A. M. Pawar. O. Somasekharan, A. S. Ahuja and S. D. Gholap, the words and letters "S/Shri O. Somasekharan, A. S. Ahuja" shall be substituted.

[No. 2718 (F. No. 404/28 (TRO-BOM)/79-ITCC)]

का॰ ग्रा॰ 926.—जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (3) के अनुसरण में भीर भारत मरकार के राजस्व भीर बीमा विभाग की दिनांक 20-11-1975 की अधिभूचना संख्या 1155 (का॰ मं॰ 404/116/75-भा॰ क॰ म॰ क॰) के अधिलंबन में, केन्द्रीय सरकार एनव्हारा श्री प्रञ्लू॰ एम॰ पथाई को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपितन अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूनों अधिकारों को शिक्तरों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

 यह मिश्रम्चना भी डम्प्यू० एम० पथाई द्वारा कर यनुलो प्रविकारी का कार्यभार प्रहण करने की तारीख में लागू होगी।

[सं० 2710/(फा० सं० 404/28(क० अ० भा०-अन्याई) 79-प्रां० क० स० क०)]

- S.O. 926.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) and supersession of the Notification of the Government of India in the Department of Revenue and Insurance No. 1155 (F. No. 404/116/75-ITCC) dated 20-11-1975 the Central Government hereby authorises Shri W. M. Pathai being a gazetted officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.
- 2. This Notification shall come into force with effect from the date W. M. Pathai takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2710 (F. No. 404/28(TRO-BOM)/79-ITCC)]

का॰ बा॰ 927.— प्रायकर प्रिवित्यम, 1961 की घारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय मरकार एतद्द्रारा भारत सरकार के राजस्व और वैिकग विभाग की दिनांक 4-7-75 की प्रिविद्याना सं० 950 (फा॰ सं० 404/116-75 आ॰ क॰ स॰ क॰) में मिम्निलिखित संगोधन करती है, प्रयत् उत्तर प्रधिसूचना में "श्री टी॰ बी॰ प्रजिचन्दानी, श्री एच॰ एस॰ राव, श्री बी॰ एन॰ संतानी, श्री एन॰ के॰ बाम, श्री टी॰ एम॰ खादनारे, श्री धार० एन॰ भदगंवकर, श्री मणि राजगोपालन, श्री के॰ एच॰ भूराने, श्री एल॰ के॰ प्रठावले भौर श्री पी॰ नारायणन्", गब्दों श्रीर प्रकरों के लिये "श्री टी॰ बी॰ धिवजन्दानी, श्री बी॰ एन॰ संतानी, श्री एन॰ के॰ वाम, श्रो टी॰ पन॰ खादतारे, श्री मणि राजगोपालन, श्री के॰ एच॰ भूराने, श्री एल॰ के॰ घटवाले भौर श्री पी॰ नारायणन्" गब्द ग्रीर पत्र प्रतिस्वातित किये जारों।

[सं 2716 (फा सं 404/28 (अ व घ०-बम्बई)/79 मा० का॰ स॰ क॰)] S.O. 927.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Department of Revenue and Insurance No. 950 (F. No. 404/116/75-ITCC) dated 4-7-1975 namely: In the said notification for the words and letters "S/Shri T. B. Abhichandani H. S. Rao, B. N. Santani, N. K. Bam. T. M. Khadtare, R. N. Bhadgaonkar, Mani Rajagopalan, K. H. Bhuraney, L. K. Athavle and P. Narayanan", the words and letters "S/Shri T. B. Abichandani, B. N. Santani, N. K. Bam, T. M. Khadtare, Mani Rajagopalan, K. H. Bhuraney, L. K. Athavle and P. Narayanan" shall be substituted.

[No. 2716 (F. No. 404/28(TRO-BOM)/79-ITCC)]

का॰ आ॰ 928.—भायकर प्रधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (3) के भ्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतव्हारा, श्री एल॰ टी॰ मखीजानी, श्री बी॰ एन॰ पाण्डेय, श्री के॰ एम॰ चंबीरमानी, श्री धार॰ एम॰ सबनित, श्री डी॰ एन॰ सजनानी, श्री टी॰ के॰ नरियानी, श्री ए॰ पी॰ दयारमानी, श्री एस॰ एल॰ पटोले, श्री पी॰ के॰ पी॰ नायर, श्री एम॰ एस॰ देगांडे, श्री एव॰ भार॰ तोतलानी, श्री पी॰ सी॰ पवार, श्री एम॰ एन॰ सांवत, श्री सी॰ मूलचन्वानी, श्री बी॰ बी॰ काले, श्रीमती डी॰ पव्मिनी ग्रम्मा, श्रीमती ए॰ भार॰ प्रवाले, श्रीमती एन॰ एन॰ चन्दोरमानी को, यो केन्द्रीय सरकार के राजपन्नित प्रधिकारी हैं, उक्त श्रीसिनयम के ग्रन्तमैन कर-वसूली प्रधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्रधिकृत करती हैं।

 यह प्रधिसूचना पैराप्राफ 1 में उल्लिखन प्रधिकारियों के कर-वस्ती प्रधिकारी के क्य में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 2720/(का॰ स॰ 404/28 (कर-ब्र्सुली प्रधिकारी-बम्बर्ष)/79 मार्षे० टी॰ सी॰सी॰)]

- S.O. 928.—In pursuance of sub-clause (III) of clause (44) of Section 2 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby authorises, S/Shri L. T. Makhijani, B. N. Pandey, K. M. Chandiramani, R. S. Sabnis, D. N. Sajnani, T. K. Nariani, A. P. Daryaramani, S. L. Patole, P. K. P. Nair, M. S. Deshpande, H. R. Totlani, P. C. Pawar, M. N. Sawant, P. C. Mulchandani, V. B. Kale, Mrs. D. Padmini Amma, Mrs. A. R. Awale, Mrs. N. S. Chandiramani, being gazetted officers of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.
- 2. This Notification shall come into force with effect from the date the officers mentioned in para 1 take over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2720 (F. No. 404/28(TRO-BOM)]/79-ITCC)]

का॰ धार 929.— मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (3) के प्रतुपरण में, घौर केन्द्रीय सरकार के राजस्व विभाग को प्रविभूचना एवं दिनांक 15-4-1975 के प्रभूदेश सै॰ 870 (फा॰ सै॰ 404/63/75-प्राई॰ टी॰ सी॰ सी॰) के प्रक्षिणंबन में, केन्द्रीय सरकार, एनर्डारा, औ एम॰ एम॰ ब्रह्ममट्ट घौर श्री धारे के॰ शाह को, जो केन्द्रीय सरकार के राजग्रिन प्रधिकारी हैं, उक्न प्रधिनियम के प्रन्तांत कर-वसूती प्रधिकारी की ग्राभिनयों का प्रयोग करने के लिए प्रधिकृत करती है।

2. यह ग्रधिसूचना श्री एम० एम० क्रह्मभट्ट तथा श्री ग्रार० के० भाह के कर-असूली ग्रधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

> [सं० 2729/(फा॰ सं॰ 404/26/78-आई॰ टी॰ सी॰ सी॰) एन॰ बैकटरामन्, उप सर्चिय

New Delhi, the 16th February, 1979

- S.O. 929.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), and supersession of the Notification of the Government of India in the Department of Revenue and Instruction No. 870 (F. No. 404/63/75-ITCC) dated 15-4-1975 the Central Government hereby authorises S/Shri M. M. Brahmbhatt and R. K. Shah being gazetted officers of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act
- 2. This Notification shall come into force with effect from the date S/Shri M. M. Brahmbhatt and R. K. Shah take over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2729 (F. No. 404/26/78-ITCC)]H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

आवेश

नई विल्ली, 26 फरवरी, 1979

स्टाम्प

का० आ० 930.—भारतीय स्टाम्प प्रधितियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रवत्त मिन्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतव्दारा, उस मुख्क को माफ करती है, जो पंजाब वित्तीय निगम द्वारा 1978-79 में जारी किए जाने बाले पचपन लाख रुपये मूख्य के डिबैचरों पर, उक्न ग्राधिनियम के ग्रन्तगैंत प्रभार्य है।

[सं० 11/79/स्टाम्प फा० सं० 33/13/79-वि०क०]

ORDER

New Delhi, the 26th February, 1979

STAMPS

8.0. 930.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act. 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the debentures to the value of fifty-five lakhs of rupces, to be issued by the Punjab Financial Corporation during 1978-79, are chargeable under the said Act.

[No. 11/79-Stamps-F, No. 33/13/79-ST]

आबेश

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1979

स्टाम्प

का० आ० 931.—भारतीय स्टाम्प 'श्रिधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त पाकितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतव्दारा, महाराष्ट्र राज्य

विजली बोर्ड, बम्बई को, डिबेंचरों के रूप में, उक्त बोर्ड द्वारा जारी किए जाने वाले सीलह करोड़ पचास लाख रुपये के श्रीकृत मूल्य के बंधपत्रों पर स्टाम्प शुल्क के रूप में प्रभायें केयल चौबीम लाख ग्रीर पचहन्तर हजार रुपये का समैकित स्टाम्प शुल्क ग्रवा करने की धनुज्ञा देती हैं।

[सं० 12/79-स्टाम्प/फा० सं० 33/11/79-बि० क०]

एस० डी० रामस्वामी, प्रवर सनिव

ORDER

New Delhi, the 5th March, 1979

STAMPS

S.O. 931.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Maharashtra State Electricity Board, Bombay to pay consolidated stamp duty of twenty four lakhs and seventy five thousands of rupees only, chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of debentures of the face value of sixteen crores and fifty lakhs of rupees to be issued by the said Board.

[No. 12/79-Stamps-F. No. 33/11/79-ST]

S. D. RAMASWAMY, Under Secy.

(मार्थिक कार्य विभाग)

वैकिंग विभाग

नई विल्ली, 28 फरवरी, 1979

का० ग्रा० 932.—वैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 या 10) की धारा 56 के पात पिठन आरा 53 द्वारा प्रदेन सिकारिस पर एत्तृद्वारा घोषणा करती हैं कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उनमंध त्रिपुरा स्टेट को-आपरेटिय मैं के लिमिटेड, अगरनला पर इस अधिसूचना के सासकीय राजपत्र में प्रकाशित होने की नारीख में 31 दिसम्बर, 1980, तक की ग्रावधि के लिए उस सीमा नक लागू नहीं होंगे जहां तक इनका संबंध इस बेंक की कुछ गैर बैंकिंग परिमन्दियो ग्रावीत् पश्चिम विदुरा जिला के खोबाई उपखंड में 32 एकड़ भूमि की धारिता से है।

[संक्या एक 8/5/79-ए० सी०]

(Department of Economic)

Banking Division

New Delhi, the 28th February, 1979

S.O. 932.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to the Tripura State Co-operative Bank Ltd., Agartala, in so far as they relate to its holding of non-banking assets, viz., 32 acres of land at Khowai sub-division, West Tripura District from the date of publication of this notification in the Official Gazette to 31 December, 1980.

का॰ आ॰ 933.— बैंककारी विनियमन प्रधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पटिन धारा 53 द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व वैंक को सिकारिण पर एमन्द्रारा घोषणा करती है कि उक्त प्रधिनियम की धारा 9 के उन्बंज, इस प्रधिन्स्थना के प्रकाणित होने की तारीख ने, 1 मार्च, 1981 तक की ग्रविध के लिए नगर डिस्ट्रिक्ट अरबन कोग्रावरेटिय बैंक लिमिटेड, श्रहमव नगर पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहा तक इनका संबंध इस बैंक द्वारा श्रहमदनगर जिले में नोचे वर्णायी गई कुछ गैर-बैंकिंग परिसम्पलियां की धारिमा गे हैं:—

गैर बेंकिंग परिसम्पत्तियां

कम स्थानका नाम संख्या	विवरण
1. भीगर कैम्प	मकान नं ० 248, नर्वेक्षण 213/26 4
2. भ्रह्मदनगर	मकान नं० 583, नगर सर्वेक्षण संख्या 511 (134 वर्गपुट का हिस्ता)
3. बुले चन्दग†ष	भूमि जिसकी सर्वेक्षण मंख्या 11 है।
4. कोलगांव	भूमि जिसको सर्वेकण सवया 892, 961 तथा 1077 हैं।

[संख्या एफ 8/8/79-ए० सी०]

S. O. 933.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to the Nagar District Urban Central Co-operative Bank Ltd., Ahmednagar in so far as they relate to its holding of certain non-banking assets as described below in Ahmednagar district from the date of publication of this notification to 1 March 1981.

Non-Banking Assets

Sr. No.	·		Description			
1. Bh	nin g ar Camp			House No. 248 Survey No. 213/264		
2. Al	hmodnagar	•		House No. 5836, City Survey No. 511 (Share of 134 Sq. ft.)		
3. Di	ule Chandgaon	-		Land bearing Survey No. 15		
4. K	olgaon .		-	Lands bearing Survey Nos. 892, 961 and 1077.		
				[No. F. 8/8/79-AC]		

का० आ० 934 — बैंककारी विनियमन प्रधिमियम 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठिन धारा 53 द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार भारतीय रिजर्व बैंक की निकारिश पर एतद्द्वारा

षोपणा करती है कि उक्त प्रधिनियम की बारा 9 के उत्यं ह इस प्रधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाणित होने की नारिख में 1 मार्च 1981 तक की अबधि के लिए, कराड अरबन को प्रापरिटिय बैंक निमिटेड, कराड पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक इनका सबध इस बैंक हारा कुछ गैर-वैंकिंग परिसम्पत्तियों अर्थात् सर्वेक्षण मंद्रश 203/के/60 तथा 2019 वर्ग भज के मांप की भूमि नथा कराड जिला सनारा में णनिवार पेठ पर निमित 'कुल्णा' नथा 'कांग्रना' नामक वो निमंजली इमारतों की धारिता से है।

[संख्या एफ० 8/6/79-ए० सी०] एम० पी० वर्मा, ग्रवर सचिव

S.O. 934.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to the Karad Urban Cooperative Bank Ltd., Karad in so far as they relate to its holding of certain non-banking assets viz., a plot of land bearing Survey No. 203/K/60 and admeasuring 2019 Sq. yards and two three-storey building called 'Krishna' and 'Koyana' constructed thereupon at Shaniwar Peth, Karad, Dist. Satara for a period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 1 March, 1981.

[No. F. 8/6/19-AC] M. P. VARMA, Under Secy.

नर्षे दिल्ली, 28 फरवरी, 1979

का अा॰ 935.— वैककारी विनियमन प्रधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदक्ष सिन्तर्या का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एनवृद्धारा घोषणा करती है कि उक्त प्रधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबंध 1 जनवरी, 1980 तक की अविध के लिए दी ग्रोरियन्टल बैंक प्राफ काममें लिमिटेड, नई दिल्ली पर उस सीमा तक लागू नही होंगे जहां सक इनका संबंध इस बैंक की मैसर्स सुप्रभात इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड में गिरवीदार के रूप में शेयर धारिता से है।

[संख्या 15 (1)-बीं० घो० III/79] मे०भा० उसगावकर, धवर स**विव**

New Delhi, the 28th February, 1979

S.O. 935.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of Reserve Bank of India, hereby declare that the provisions of sub-section (2) of Section 19 of the said Act shall not apply upto the 1st January, 1980 to the Oriental Bank of Commerce Ltd., New Delhi, in so far as they relate to its holdings in the shares of M/s. Suprabhat Engineering Co. Ltd., New Delhi as pledgee.

[No. 15(1) B.O. III/79] M. B. USGAONKAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1979

कार आर 936.—भारतीय स्रोधोगिक विकास बैंक प्रधितियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के उपखंड (4) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्रोधोगिक विकास वैंक में निम्नलिखिन व्यक्तियों को निवेशक के रूप में नामित करती हैं:—

के स्थान पर

के स्थान पर

श्री बी० के० चटजी,
 श्रध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
 यूनाइटेड कर्माणयल बैक,
 कलकत्ता

के स्थान पर श्री एस० नियोगी, श्रध्यक्ष एवं प्रवध निदेशक, यूनाइटेड वैक श्राफ इंडिया, कलकक्षा

 श्री एम० बी० सुब्बाराव, श्रध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, देखियन बेंक, मद्रास केस्थान पर श्री श्रो० पी० गुप्ता, श्रध्यक्ष एवं प्रबंध निवेशक, पंजाब नेशनल वैंक, नर्क दिल्ली

 श्रं। एत० बी० कृष्णत्, प्रध्यक्ष, मध्य प्रवेश राज्य विक्त तिगम, कृतीर श्री पी० पी० खन्ना, ग्रध्यक्ष, उत्तर प्रदेश, वित्त निगम, कामपुर

 श्री धार० एन० दास, ऋध्यक्ष, उद्योगा राज्य वित्त निगम, कटक श्री डी० पी० हजारिका, प्रबंध निवेशक, धसम राज्य यित्त निगम, गौहाटी

 श्री ए० एल० खंगटा, प्रथंब निदेणक, राजस्थान वित्त निगम, जयपुर के स्थान पर श्रीबी०पी० स्नार० विटठ्स, निदेशक, स्राध्य प्रवेश राज्य वित्त निगम, हैदराबाद

[संख्या एफ० 10 (3) आई० एफ०-1/79]

New Delhi, the 28th February, 1979

S.O. 936.—In pursuance of sub-section (iv) of clause (c) of sub-section (1) of Section 6 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby nominates the following persons as the directors of the Industrial Development Bank of India:—

vice

 Shri B.K. Chatterji, vice Chairman & Managing Director United Commercial Bank, Calcutta. Shri S. Niyogi Chairman & Managing Director, United Bank of India, Calcutta,

2. Shri M.V. Subba Rao, Chairman & Managing Director Indian Bank, Madras.

Shri O.P. Gupta,
Chairman & Managing Director,
Punjab Namonal
Bank,
New Delhi.

 Shri N.V. Krishnan, Chairman, Madhya Pradesh State Financial Corporation, Indore.

4. Shri R.N. Das, Chalrman, Orissa State Financial Corporation, Cuttack.

 Shri A.L. Roongta, vice Managing Director, Rajasthan Financial Corporation Jaipur. Shri P.P. Khanna, Chairman, Uitar Pradesh Financial Corporation Kanpur.

vice

vice

Shri D.P. Hazarika, Managing Director, Assam State Financial Corporation, Gauhati.

Shri B.P.R. Vittal, State Director, Andhra Pradesh Financial Corporation, Hyderabad.

[F.No.10(3)1F.I/79]

नर्ष दिल्ली: 3 मार्च, 1979

का० आ० 937—28 फरवरी, 1979 की समसंख्या अधिमूचना के अधिक्रमण में और भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की घारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के उपखंड (4) के धनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतदृहारा भारतीय श्रीधोगिक विकास बैंक में निम्नलिखित व्यक्तियों की 7 मार्च, 1979 से नियेणकों के रूप में नामित करती है।

 श्री बी० के० चटर्जी, केस्थान पर श्रध्यक्ष एवं प्रबंध निदे-शक, यूनाइटेड कर्मिल बैक, कलकत्ना श्री एन० नियोगी, श्रध्यक्ष एवं प्रबंध निवेशक, यूनाइटेड सैंक श्राफ इण्डिया, कलकरना

श्री एस० बी० सुख्या- के स्थान पर राब, ग्रध्यक्ष एवं प्रबंध निदेणक, इंण्डियन बैंक, मग्राम श्री भ्रो० पी० गुप्ता, श्रध्यक्ष एवं प्रबंध निवेशक, पंजाब नेशनल बैंक, नथी विल्ली

 श्री एन० बी० कृष्णन, के स्थान पर श्रध्यक्ष, मध्यप्रवेश राज्य जिल्ल निगम, हेवीर श्री पी० पी० खस्सा, भ्रष्ट्यक्ष, उरसर प्रवेश, विस्त निगम, कानपुर

 श्री धार० एन० दास, के स्थान पर प्रक्यक्ष, उडीसा राज्य विस्त निगम, कटक श्री डी० पी० हजारिका, प्रयंध निवेशक, श्रमम राज्य घिन्त निगम, गोक्षाटी

 श्री ए० एन० क्ष्यटा, के स्थान पर प्रबंध निवेशक, राज-स्थान विस्त निगम, जयपुर

श्रा बो॰ पी॰ आर॰ विट्ठल, निदेणक, श्राध प्रवेण, स्टेट फाइनेंशियल कार्पोरेणन, हैदराबाद।

[सक्था एक० 10 (3) प्राई० एक० 1/19]

बी० मी० पटनायक, निवेशक

New Delhi, the 3rd March, 1979

- S.O. 937.—In supersession of Government Notification of even number dated the 28th February 1979 and in pursuance of sub-clause (iv) of clause (c) of sub-section (1) of Section 6 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby nominates the following persons as the directors of the Industrial Development Bank of India with effect from 7th March, 1979:—
- Shri B.K. Chatterji, Chairman & Managing Director, United Commercial Bank, Calcutta.
- vice Shri S. Niyogi,
 Chairman & Managing,
 Director, United Bank
 of India, Calcutta.
- Shri M.V. Subba Rao, Chairman & Managing Director Indian Bank, Madras.
- vice Shri O.P. Gupta,
 Chairman & Mg. Director
 Punjab National Bank
 New Delhi.
- Shri N.V. Krishnan, Chairman, Madhya Pradesh State Financial Corporation, Indore.
- vico Shri P.P. Khanna, Chairman, Uttar Pradesh Financial Corporation, Kanpur.
- Shri R.N. Das, Chairman, Orissa State Financial Corporation, Cuttack.
- vice Shri D.P. Hazarika,
 Managing Director,
 Assam State Financial
 Corporation, Gauhati.
- Shri A.L. Roongta, Managing Director, Rajasthan Financial Corporation, Jaipur.
- vice Shri B.P.R. Vittal,
 Director, Andhra Pradesh
 State Financial
 Corporation, Hyderabad.

[F. No. 10(3) IF. 1/79]B. C. PATNAIK, Director.

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय

धावेश

न**ई दिल्ली, 17 मार्च,** 1979

का० आ० 938.—भारत के निर्मात व्यापार के विकास के लिए पटसन मिल के पुर्जे तथा उप साधनों को निर्मात से पूर्व क्वालिटी निर्मत्नण और निरीक्षण के प्रधीन लाने के लिए कतिपम प्रस्ताव निर्मात (स्वालिटी निर्मत्नण भौर निरीक्षण) नियम 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) द्वारा ग्रोपेक्षित रूप में भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के प्रावेण सं०का० आ० 798 तारीख 11 मार्च, 1978 जपखंपद (ii) तारीख 18 मार्च, 1978 में प्रणाजित किए गए थे तथा उनसे सहमान्यतः प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों से प्रावित तथा सुझाव प्रादेश के राजपत में प्रकाणन की तारीख से पैतालीस दिन के भीतर सांगे गए थे।

उन्त राजपन्न जनता की 20 मार्च, 1978 की उपलब्ध करा दिशा गया था।

श्रापत्ति तथा सुभाव 2 मई, 1978 तक मांगे गए थे ;

जनता मे प्राप्त ग्रापि**नयों ग्रीर सुझावों** पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है।

ध्रतः ध्रवः, केन्द्रीय सरकार, निर्यात (स्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) ध्रिधिनियम, 1963 (1963 का 22) की बारा 6 द्वारा प्रदत्त जिस्तयों का प्रयोग करने कुए, निर्यात निरीक्षण परिषद से परामर्ण करने के प्रश्वात् प्रपनी यह राय होने पर कि भारत के व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना ध्रावश्यक तथा समीजीत है:——

- (1) श्रष्टिमूचित करती है कि पटसन मिल के पुर्जे तथा उप-माजन निर्माल से पूर्व निरीक्षण के अधीन होंगे।
- (2) पटसन मिल के पुर्जे और उप-माधन के नियति (निरीक्षण) नियम, 1979 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार विनिधिष्ट करती है जोनियति से पूर्व पटसन मिल पुर्जी और उप-माधनों को लागू किया जाएगा।
- (3) (क) सूसंगत भारतीय या श्रम्य किन्हीं राष्ट्रीय मानकों को मान्यता देती है।
- (ख) निर्यानकर्ता द्वारा घोषित किए गए विनिर्देशों को निर्यान संविदा के सहसत विनिर्देशों के रूप में झौर निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा नियुक्त विशेषकों के पैनल द्वारा अनुसादिन रूप में ऐसे विनिर्देशों की जांच और अनुसोदन के प्रयोजनार्थ मान्यशा देनी है।
- (ग) क्रमणः उक्त (क) भौर (ख) में दिए गए मानकों और त्रिनि-देंगों के न होने पण उपरोक्त खंड (ख) में उल्लिखित विणेषकों के पैनल द्वारा श्रनुमोदित विनिर्देशों को मान्यता देती है; तथा
- (घ) विदेशी केना तथा नियनिकर्ता के मध्य निर्यात संविदा के सहमत विनिर्देशों के रूप में नियनिकर्ता द्वारा घोषित विनिर्देशों को ऐसी नियमि संविदाओं के लिए जो राजपत्र में इस श्रादेश के प्रकाशन की तारीख से पूर्व पुष्टि हो गए हैं तथा उस तारीख से माठ दिन की श्रविध के भीतर निर्यात कर दिया गया है पटमन मिल पुर्जी नथा उप-माधनों के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यना वेती हैं:—
- (4) श्रंतर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान पटमन मिल के पुजी तथा उप-माधनों के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करती है जब तक कि उसके साथ निर्यात (क्वालिटी निर्यंक्रण और निरीक्षण) भ्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की घारा 7 के श्रधीन स्थापित ग्रभिकरणों में से किसी के द्वारा विया गया इस श्रामय का प्रमाणपक्ष न हो कि पटमन मिल के पुजी और उप-साक्षमों का परेषण निरीक्षण से संबंधित णतों को पूरा करता है तथा निर्यात योग्य है।

- 2. (क) इस आवेश की कोई भी बात भावी केताओं को पटसन मिल के पुर्जी सथा उप-साधनों के बास्तविक नमूनों के समृद्ध या बायु मार्ग द्वारा निर्यात की लागु नहीं होगी: तथा
- (ख) इस ग्रावेश के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से ठीक पूर्व विनिर्माता या निर्यासकर्ता के परिसर से पटसन मिल के पुजी तथा उप-साधन परेषण जा चुका हो।

परिभाषाम ---

- 3. इस श्रादेश में जब तक कि संदर्भ में धन्यथा ग्रंपेक्षित न हों "पटसन मिल के पुर्जों भीर उप-साधनों" से इस मावेश के उपाबंध 1 में उल्लिखित तथा पटसन मिल की मशीनरी के लिए पुर्जों भीर उप-साधनों के इप में प्रयोग के लिए आशयित धस्तुम्रों में से कोई भी कस्त मिल्रित है।
 - यह भावेश राजपत में प्रकाशन की नारीख को प्रवृत्त होगा।

आवेश का उपावन्ध-1

(वैरा-3 देखए)

- 1. कार्ड काष्टिका
- 2. कार्ड कलोक तथा धातु पिने
- रजत केन तथा उसके उप-साधन
- 4. फालर बार
- फालर बार स्लाइडे
- 6. फालर पेच
- 7. म्रार० एच० और एल० एच० के लिए पूर्ण फालर ट्रे
- कृटकंक गति पाच तारों वाली गरारी
- 9 कताई फोम के लिए प्रचल तकलियां
- 10. संकोरा लपेटन मणीनों के लिए सकलिया
- 11. करा के किए तक लिया
- 12. सभी प्रकार के कताई फ्रेमों के लिए फलेयर
- 13. उच्च गति पटसन फिरिकियां
- 14. पटसन बाबिन केरियर
- 15. पटसन करचे के लिए भरनी (शटल)
- 16. पटसन करघों के लिए भरनियों के उपयोग के लिए उप-माधन
- 17. करघा रीड
- 18. पटसन बुवाई के लिए अन्तर्विष्ट मेलतार हील्ड
- 19. पटसन बुबाई के लिए संपर्क तार हील्ड
- 20. भ्रन्तविष्ट मेल आईज
- 21. करवा कैम्प
- 22. पटसन करवों के लिए कस्बे खमड़े के सिकर
- 23. चटखियां
- 24. पिकिंग भ्रामर्स
- 25. करचों के लिए चमहें के पिकिंग बैण्डस
- 26. सून कातने के लिए लफड़ी के शंकुं
- 27. दबाब रोलर फर्लेज
- 28. ब्राइंग रोलर
- 29. प्रिलियरी रोलर

[सं० 6(12) / 74-मि० नि० नथानि० उ०]

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATIVE

ORDER

New Delhi, the 17th March, 1979

S.O. 938.—Whereas for the development of the export trade of India certain proposals for subjecting jute mill

spares and accessories to inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 18th March, 1978, under the order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 798 dated the 11th March, 1978 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within forty five days from the date of publication of the order in the Official

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 20th March, 1978.

And whereas objections and suggestions were invited till the 2nd May, 1978;

And whereas the objections and suggestions received from the public have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby—

- notifies that jute mill spares and accessories shall be subject to inspection prior to export;
- (2) specifies the type of inspection in accordance with the Export of Jute Mill Spares and Accessories (Inspection) Rules, 1979 as the type of inspection which would be applied to such jute mill spares and accessories prior to export;
- (3) recognises—
 - (a) the relevant Indian or any other national standards;
 - (b) the specifications declared by the exporter to be the agreed specifications of the export contract and approved by the panel of experts appointed by the Export Inspection Council for the purpose of examining and approving such specifications;
 - (c) in the absence of the standards and specifications referred to in (a) and (b) respectively the specifications approved by the panel of experts mentioned in clause (b) above; and
 - (d) the specifications declared by the exporter to be agreed specifications of the export contract between the foreign buyer and the exporter, for such export contracts as are confirmed prior to the date of publication of this order in the official gazette and exported within a period of sixty days from that date;
- as the standard specifications for jute mill spares and accessories:
 - (4) prohibits the export in the course of international trade of such jute mill spares and accessories unless the same are accompanied by a certificate issued by any one of the agencies established under section 7 of the Export (Quuality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that the consignment of jute mill spares and accessories satisfied the conditions relating to its inspection and is exportworthy.
 - 2. Nothing in this order shall apply to the export of :--
 - (a) bonafide samples of jute mill spares and accessories by land, sea or air to prospective buyers; and
 - (b) consignments of jute mill spares and accessories which might have already left the premises of the exporter or manufacturer immediately prior to the date of publication of this order in the Official Gazette.
- 3. Definitions.—In this order unless the context otherwise requires,—
 - "jute mill spares and accessories" means any of the articles mentioned in Annexure I to this order and meant for use as spares and accessories for jute mill machinery.

4. This order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

ANNEXURE-I

To the Order (See Paragraph 3)

- 1. Card staves
- 2. Card, gill and metal pins
- 3 Silver cans and its accessories
- 4. Faller bars
- 5. Faller bar slides
- 6. Faller screws
- 7. Faller track complete for RH & LH
- 8. Coiler motion five star pinion
- 9. Dead spindles for spinning frame
- 10. Spindles for cop-winding machines
- 11. Spindles for loom
- 12. Flyers for all types of spinning frames
- 13. High speed jute bobbins
- 14. Jute bobbin carriers
- 15. Shuttle for jute loom
- 16. Accessories for use in shuttles for jute looms
- 17. Loom reeds
- 18. Inset mail wire healds for jute weaving
- 19. Contact wire healds for jute weaving
- 20. Inset mail eyes
- 21. Loom cambs
- 22. Raw hide pickers for jute Iooms
- 23. Spool centres
- 24. Picking arms
- 25. Leather picking bands for looms
- 26. Wooden canes for winding yarn
- 27. Pressing roller flange
- 28. Drawing roller
- 29. Delivery roller.

[No. 6(12)/74-EI&EP]

कां आ॰ 939.——निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) श्रिधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदन्त णक्तिवों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित नियम बनाती है, श्रर्थात:—

- मंक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ:--
 - (1) इन नियमों का नाम पटमन मिल के पुर्जे तथा उममाधन . (निरीक्षण) नियम, 1979 है।
 - (2) ये सरकारी राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से प्रवृत्त होंगे।
- परिभाषाएं :- इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो---
- (क) ''ब्रिधिनियम'' से निर्यात (क्वालिटी निसंत्रण और निरीक्षण) ब्रिधिनियम, 1963 (1963 का 22) ब्रिभिन्नेत है।
- (ख) 'ग्रभिकरण'' से अधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा सुम्बर्ड, कलकत्ना, कोचीन, दिल्ली, तथा मद्वास में स्थापिन ग्रभिकरणों में से कोई ग्रभिकरण ग्रभिग्रेन है।
- (ग) "पटमन मिल के पुत्रों तथा उप-साधनों" से इन नियमों की मनुसूची 1 में वर्णित और पटमन मिल की मशीनरी के लिए पुर्जे और उप-साधनों के रूप में उपयोग के लिए ध्राशियत वस्तुओं में से कोई वस्तु ध्रिभित्रेत है।
- 3. निरीक्षण का ग्राधार
- (१) निर्यात के लिए पटसन मिल के पुर्जे तथा उप-साधनों का निरीक्षण इस वृष्टि से किया जाएगा कि वे ग्रनिनियम की धारा 6 (यहां इसके पण्चात् मान्य विनिवेंशों के क्य में निदिष्ट) के ग्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्य विनिवेंशों के ग्रनुक्रप हो ।

- (2) नमूने इन नियमों की अनुसूची II में उल्लिखित सारणी के अनुसार बनाए जाएंगें।
- 4. निरीक्षण की प्रक्रिया:-
- (1) (क) पटसन मिल के किसी भी पुजें नथा उप-साधन का निर्मात करने का इच्छूक निर्मान कर्ता जिसी भी प्रभिकरण को ग्रमने ऐसे आश्रय की लिखित सूचना देगा तथा साथ ही सभी तक-निक्षी विशेषनाओं का ब्योग देते हुए निर्मात संविद्या मे विणिस महमत विनिद्धें को बाबत एक घोषणा देगा। जिससे कि अभिकरण नियम के अनुसार निरीक्षण कर सके तथा उसी सभय निरीक्षण के लिए सूचना की प्रति परिषद् के निकटतम कार्यालय की पष्ठाकित करेगा।
- (ख) परिषद् तथा उसके क्षेत्रीय कार्यालयों के पने नीचे दिए गए हैं:-मृक्ष्य कार्यालय निर्यात निरीक्षण परिषद्, 'वर्ल्ड ट्रेड सेस्टर' ग्राठवीं मंजिल, 14/1 बी, एजरा स्ट्रीट, कलकट्या -700001.
- क्षेम्रीय कार्यालय . (1) निर्यात निरीक्षण परिषद्, ध्रमन अम्बर्स पाचनी मंजिल, 1/3, महर्षि कवें रोज, म्म्पर्द-400004
 - (2) निर्यात निरीक्षण परिषद्, स्युनिसिपल सोर्केंट बिल्डिंग, पांचवीं मंजिल, 3, सरस्त्रको मार्ग, करोल बाग, नई दिल्ली 110005.
 - (3) निर्यात निरीक्षण परिषद्, मनोहर बिल्डिंग, गहात्मा गांधी रोड, एनक्ट्रिलम, कोचीन 682011.
- (2') उप-क्तियम (1) के घ्रधीन प्रत्येक मूचना नया धोषणा घ्रक्षिकरण के कार्यालय में पोनभरण को ध्राग्नायित तारीख से कम मे कम दस दिन पहले पहुंचेगी।
- (3) तिरीक्षण के लिए भाषेदन करने मे पूर्व निर्यात कर्ता स्वयं सावधानीपूर्व माल का निरीक्षण करेगा तथा ऐसी सम्पूर्ण सामग्री को निकास देगा जो मान्य त्रिनिर्देशों के श्रनुरूप नहीं हैं।
- . (4) उप-नियम (2) में निर्धाय्य प्रत्येक सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर, श्रिभकरण नियम 3 तथा परिषद् द्वारा समय-समय पर इस सम्बन्ध में जारी किए गए निर्देशों, यदि कोई हो, के ब्रनुसार निरीक्षण वृष्टि से करेगा कि वे उन्हें लागू मान्य विनिर्देशों की प्रपेक्षाओं को पूरा करते हैं।
- (5) निरीक्षण की समाप्ति के पश्चात् मिक्करण परेवण के पैकेजों को तुरंत ही इस ढंग से सील बंद करेगा कि ये सुनिश्चित हो सके कि सील बंद माल में हस्तकोप नहीं हो सकेगा।
- 5. निरीक्षण का स्थान :—क्हन नियमों के प्रधीन पटसन मिल के पुजी तथा उप-साधनों को निरीक्षण या तो (क) विनिर्माता के परिसर में, या (ख) ऐसे किमी परिसर में, किया जाएगा जहां निर्यात कर्ता द्वारा माल प्रस्तुत किया जाता है:

परन्तु यह तब वहां इस प्रयोजन के लिए पर्याप्त सुविधाएं हों।

- 6. निरीक्षण फीस :—निरीक्षण फीस के रूप में प्रत्येक परेषण के निए न्यूननम एक सौ रुपए के अधीन रहते हुए, निर्यातकर्ता परेषण के पोत पर्यन्त निःशुरूक मूल्य के 0.50 प्रतिशत की दर से प्रभिकरण को देगा।

1265 GI/78-3

विन के भीतर, निर्यानकर्ता को यह घोषणा करने हुए प्रमाण-पन्न दे देगा कि परेषण मान्य विनिर्देणों के प्रनुरूप है तथा निर्यान योग्य है :

परन्तु जहां प्रभिकरण का इस प्रकार समाधान नहीं होता है वहां वह उक्त तीन दिन की अवधि के भीतर ऐसा प्रमाण-पत्न देने से इंकार कर देगा तथा ऐसे इंकार की सूचना उसके कारणों सहित नियनिकर्ता को देगा।

8. अपील: (1) नियम 7 के अधीन प्रमाण-पत्न देने से इंकार कर दिए जाने से व्यथित कोई अपिकत उसे ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने से, 10 दिन के भीतर इन अपीलों की सुनवाई के प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञों के ऐसे पैनल को अपील कर सकेंगा जिसमें कम से कम तीन और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे।

- (2) विशोयशों के पैनल की कुल सदस्य संख्या के कम से कम दो निष्ठाई सदस्य गैर सरकारी सदस्य होंगे ।
 - (3) विशेषज्ञों के पैनल की गण पूर्ति तीन सदस्यों से होगी।
 - (4) अपील प्राप्त होने से, 15 दिन के भीतर निपटा दी जाएंगी।

अनुसू**ची**----T

[नियम (2) वेखिए]

- । कार्डकाष्ट्रिका
- 2. कार्ड, क्लोम तथा धातु पिने
- 3 मिलवर डिब्बे तथा उनके उप-माधन
- 4. फालर बार
- फालर बार स्लाइडें
- 6. फालर पेच
- 7. भार एच और एल एच के लिए पूर्ण फालर ट्रैक
- कुटंकक गति पांच तारों वाली गरारी
- 9. कताई फ्रेम के लिए भ्रम्बल तक निया
- 10. सेमोरा लपेटन मशीनों के लिए नकलियाँ
- 11. करघे के लिए तकलियाँ
- 12. सभी प्रकार के कताई फेमों के लिए फलेयर
- 13. उच्च गति पदसन फिरिकियां
- 14. पटमन बाबिन केरियर
- 15. पटसन करघे के लिए गरनी (शटन)
- 16. पटसन करणों के लिए भरितयों में प्रयोग के लिए उप-साधन
- 17. करघा रीड
- 18. पटसन बुनाई के लिए अन्तर्विष्ट मेल तार होल्ड
- 19. पटमन बुनाई के लिए संपर्क तार होल्ड
- 20. अन्तर्थिष्ट मेल भाईज
- 21. करवा कैम्बम
- 22. चटल्वियां
- 23. स्पूल सेन्टर
- 24. पिकिंग ग्रामेंस
- 25. करघों के लिए चमड़े के पिकिश बैण्डस
- 26 कतने के लिए लकड़ी के शंकू
- 27. दबाब रोलर फलेंज
- 28 ड्राइंग रोलर
- 29. डिलिबरी रोलर

मनुसूची II [नियम 3 देखिए] नमना सारणी

(1)			(2)		(3)
परेषण का माकार (एक ही श्राकार प्रकार की वस्तुएं)		चाक्षुष तथा ध निरीक्षण के वि		किननी दोष केलिए छूट क	
_		(क) भ्रन्य सर्भ	ो परखे (ख)	स्तंभ (2)में (क)के लिए	
25 तक .		8	3	0	0
26 से 50 तक		13	3	1	0
51 से 100 तक	-	20	3	1	0
101 से 150 तक		32	5	2	0
151 से 300 तक		50	8	3	0
301 से 500 तक		80	8	5	0
501 से 1000 तक		125	13	7	1
1001 से 3000 तक		200	13	10	14
3001 से भौर उससे श्रक्षि	₩.	315	20	14	1

[सं०6(12)/74-नि० नि० तथा नि० उ०]

- S.O. 939.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Jute Mill Spares and Accessories (Inspection) Rules, 1979.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—
 - (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
 - (b) "agency" means any one of the agencies established by the Central Government at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under section 7 of the Act:
 - (c) "jute mill spares and accessories" means any of the articles mentioned in Scheduled 1 to these rules and meant for use as spares and accessories for jute milli machine machinery.
- 3. Basis of Inspection.—(1) Inspection of jute mill spares and accessories for export shall be carried out with a view that the same conform to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act (hereinafter referred to as the recognised specifications).
- (2) Sampling shall be done as per the Table mentioned in Schedule II to these rules.
- 4. Procedure of inspection.—(1) (a) An exporter intending to export any of the jute mill spares and accessories shall give intimation in writing of his intention so to do and submit alongwith such intimation a declaration as to the agreed specification stipulated in the export contract giving details of all the technical characteristics to any of the agencies to enable it to carry out the inspection in accordance with rule 3 and he shall, at the same time, endorse a copy of such intimation for inspection to the nearest office of the Council.
- (b) The addresses of the Council and its regional offices are given below:

Head Office:

Export Inspection Council, World Trade Centre, 7th floor, 14/1B, Ezra Street, Calcutta-700001.

Regional offices:

- 1. Export Inspection Council, Aman Chambers, 4th floor, 113, Maharshi Karve Road, Bombay-400004.
- 2.Export Inspection Council, Municipal Market Building, 4th floor, 3, Saraswati Marg Karol Bagh, New Delhi-110005.
- 3. Export Inspection Council, Manohar Building, Mahatma Gandhi Road Ernakulam, Cochin-682011.
- (2) Every intimation and declaration under sub-rule (1) shall reach the office of the agency not less than ten days before the expected date of shipment.
- (3) Before applying for inspection, the exporter shall himself inspect the goods carefully and remove all such goods which do not conform to the recognised specifications.
- 4) On receipt of the intimation and declaration referred to in sub-rule (2) the agency shall inspect the consignment of jute mill spares and accessories in accordance with rule 3 and the instructions, if any, issued by the Council in this regard from time to time with a view to see that the same complies with the requirements of the recognised specifications applicabile thereto.
- After completion of inspection, the agency shall immediately seal the packages in the consignment in a manner as to ensure that the sealed goods cannot be tampered with.
- 5. Place of inspection.—Inspection of jute mill spares and accessories under these rules shall be carried out either (a) at the premises of the manufacturer or (b) at the premises at which the goods are offered by the exporter, provided that adequate facilities for the purpose exist therein.
- 6. Inspection fee.—Subject to a minimum of rupees hundred per consignment, a fee at the rate of 0.50 per cent of free on board value of such consignments shall be paid by the exporter to the agency as inspection fee.
- 7. Certificate of inspection.—On satisfying itself that the consignment of jute mill spares and accessories conforms to the recognised specifications referred to in rule 3, the agency shall, within three days of completion of inspection issue a certificate to the exporter declaring that the consignment conforms to the recognised specifications and is exportworthy;

Provided that where the agency is not so satisfied it shall within the said period of three days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the alongwith the (casons therefor. exporter

- 8. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under rule 7, may, within ten days of the receipt of communication of such refusal prefer an appeal to such panel of experts consisting of not less than three persons but not more than 7 persons as may be constituted by the Central Government for the purpose of hearing
- (2) At least two-thirds of the total membership of the panel of experts shall consist of non-officials.
- (3) The quorum for the panel of experts shall be three
- (4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipt.

SCHEDULE-I

[See Rule 2]

- Card staves
- 2. Card, gill and metal pins
- 3. Silver cans and its accessories
- 4. Faller bars

- Faller bar slides
- Faller screws
- 7. Faller track complete for RH & LH
- 8. Coiler motion five star pinion
- 9. Dead spindles for spinning frame
- 10. Spindles for cop-winding machines
- 11. Spindles for Ioom
- 12. Flyers for all types of spinning frames
- 13. High speed jute bobbins
- 14. Jute bobbin carriers
- 15. Shuttle for jute loom
- 16. Accessories for use in shuttles for jute looms
- 17. Loom reeds
- 18. Inset mail wire healds for jute weaving
- 19. Contact wire healds for jute weaving
- 20. Inset mail eyes
- 21. Loom cambs
- 22. Raw hide pickers for jute looms
- 23. Spool centres
- Picking arms.
- 25. Leather picking bands for looms
- 26. Woodden cones for winding yarn
- 27. Pressing roller flange
- 28. Drawing roller
- 29. Delivery roller

SCHEDULE II

(See rule 3)

Sampling Table

Consignment size (Articles of one type and size)	For visual & dimon- sional inspection			Permissible no. of defectives.		
	(A)	All other test (B)	For (A) of Col. (2)	For (B) of Col. (2)		
(1)		(2)	((3)		
Up to 25	8	3	3 0	0		
26 to 50	13	;	3 1	0		
51 to 100	20) .	3 1	0		
101 to 150	32		5 2	. 0		
151 to 300	50) {	3 3	0		
301 to 500	80) {	3 5	0		
501 to 1000	125	5 13	3 7	1		
1001 to 3000	200) 1:	3 10	1		
3001 and above	314	5 20) 14	1		

[No. 6(12)/74-EI&EP]

(बारिएज्य विशाय)

म**ई दिल्ली**, 24 मार्च, 1979

का० आ० 940 ---केन्द्रीय सरकार निर्यात (क्लालिटी नियंत्रण झौर निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रवस प्राम्तियों का प्रयोग करते हुए, एतदहारा अखरोट के प्रतिरिक्त, ग्रधिनियम के प्रन्तर्गत ग्रायी कृषि उपयोगी बस्तुओं के धुन्नीकरण के लिए इसके नियति से पूर्व, मैं । एंग्लो भौरिएंट इन्सैक्टीसाइड मर्विसिस, भूपन चैम्बर्स (तीसरी मंजिल) दलाल स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बर्ड को क्वालिटी नियंत्रण धीर निरीक्षण के लिए धन्नीकरण मिकरण के रूप में एक वर्ष की श्रवधि के लिए मान्यता वेती है।

[फा सं० 5(2)/79-नि० नि० तथा नि० उ०]

(Department of Commerce)

New Delhi, the 24th March, 1979

S.O. 940.—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises for a period of one year M/s. Anglo Orient Insecticide Services. Bhupan Chambers (2nd floor), Dalal Street. Fort. Bombay as fumigation agency for Quality Control and Inspection for fumigation of agricultural commodities covered under the Act except Walnut prior to its export.

[F. No. 5(2)/79-EI&EP]

का० आ० 941.—केन्द्रीय सरकार निर्यात (स्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदन प्रक्तियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदन प्रक्तियम के प्रत्नौंस आई कृषि उपयोगी वस्तुओं के धूम्रीकरण के लिए इस के निर्यात से पूर्व मैं०पैस्टकों, साइन सर्विसिस पैस्ट कन्द्रोल प्रापरेटर्स, वोटवारल बिल्डिंग्स, तीसरी मंजिल, 11/13, होर्निमेन सर्वेल फोर्ट, बस्बई को क्वालिटी नियंवण और निरीक्षण के लिए धूम्रीकरण प्राप्तकरण के रूप में एक वर्ष की ध्वधि के लिए मान्यता वेनी है।

[फा॰ सं॰ 5(1)/79 नि॰ नि॰ मथा नि॰ उ॰]

S.O. 941.—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises for a period of one year M/s. Pestco Modern Services, Pest Control Operators, Botwaral Buildings 2nd Floor, 11/13, Horniman Circle Fort, Bombay, as fumigation agency for Quality Control and Inspection for fumigation of agricultural commodities covered under the Act except Walnut prior to export.

[F. No. 5(1)/79-EL&EP]

का० आ० 942.—केन्द्रीय सरकार निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रवत्त सिक्स्यों का प्रयोग करते हुए एतद्श्वारा प्रवरोट के प्रतिरिक्त प्रधिनियम के प्रकार्यन ब्राई क्रियो उपयोगी वस्तुष्रों के धृत्रीकरण के भन्तर्गन धायी कृषि उपयोगी वस्तुष्रों के धृत्रीकरण के लिए इसके निर्यात से पूर्व, भैं०पैस्ट कन्द्रोल कॅमिक्लम मेन रोड़, कन्नावैरीधांटा, गंट्र (ग्रा० प्र० को क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के लिए धृत्रीकरण प्रधिकरण के क्ष्प में एक वर्ष की प्रविध के लिए मान्यता देती है।

[फा॰ सं॰ 5(3)/79-नि॰ नि॰ तथा नि॰ उ॰]

सी० बी० कुकरेती, संयुक्त निदेशक

S.O. 942.—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises for a period of one year M/s. Pest Control Chemicals, Main Road, Kannavarithota, Guntur (A.P.) as fumigation agency for Quality Control and Inspection for fumigation of agricultural commodities covered under the Act except Walnut prior to its export.

[F. No. 5(3)/79-EI&EP] C. B. KUKRETI, Jt. Director

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1979

का० आ० 943.—राष्ट्रपति 31 विसम्बर 1978 मे भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण के प्रंशकालिक निवेशक पद मे श्री हिन प्रकाण का त्याग-पन्न स्वीकार करते हैं।

[एस० नं० 2/79(1/1/77-टी० एफ०)]

New Delhi, the 20th February, 1979

S.O. 943.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Hit Prakash as part-time Director of Trade Fair Authority of India with effect from 31st December, 1978.

[S. No. 2/79(1/1/77-TF)]

का० आ० 944.— राष्ट्रपति 31 दिसम्बर 1978 से भारतीय च्यापार मेला प्राधिकरण के ग्रंशकालिक निवेशक पद से श्री राम मूर्ति गर्मा गा त्याग पत्न स्वीकार करते हैं।

> [एस० मे 1/79 (1/1/77-टी० एफ०)] एस० पी० श्रीवास्तव, ग्रवर सचिव

S.O. 944.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Ram Murti Sharma as part-time Director of Trade Fair Authority of India with effect from 31st December, 1978.

[S. No. 1/79 (1/1/77-TF)]
M. P. SRIVASTVA, Under Sccy.

संयुक्त मुख्यनियंत्रक-आयात तथा निर्यात का कार्यालय

आहेग

मद्रास, 16 जनवरी, 1979

निषय: सर्वश्री दामोदर एन्बलव फेक्टरी, मद्रास-13 को रुपयों 5,60,000 नक "काला" टाइप ए इबलू विडो पांकट मणीन और उसकी उपवस्तु महित का प्रायान करने के लिए जारी किये गये लाइसेस संख्या पी-सी-2050002-सी-एक्स एक्स-68-एस-78 दिनाक 13-7-78 को रुदद करना ।

का० आ० 945 — सर्वश्री दामोदर घर एन्वल फेक्टरी मद्राम-13 को, ग्रप्रैल-मार्च 79 की ग्रवधि के लिए एक "काली" टाइप एडब्लयु विडों पाकेट मणीन और उसकी उपवस्तु सिहत का आयान करने के लिए आयान लाईमेंम संख्या पी-सी 2050002 सी- एक्स एक्स-68-एम-78 दिन्क 13-7-78, पंजीकृत माल श्रीणयों के अंतर्गत जारी किया गया था । लाइमेंमधार्र, ने, उपर्युक्त लाइमेंम में माल के विवरण में प्रिवर्तन करने और लागत बीमा भाड़ा मुल्य को कम करने के लिए ग्रावेदन किया है।

मैंन लाइसेस संख्या पी-सी 2050002 सी-एक्स एक्स-68-एम-78 दिनांक 13-7-78 की रद्द किया और रुपये 4,26,300 तक एक नस्बर राटरी पाकेट मणीन इलियोम और उसकी उपवस्तु महित का ग्रायास करने के लिए लाइसेंस संख्या पी-सी 2050002 सी एक्स-एक्स-69-78 दिनांक 14-12-78 को जारी किया ।

[संख्या : श्राई दी मी/मीजी/ 10/एए.म-79/ए-यू II]

द्यार**० कुमारवेलु, उप मुठ**ा नियन्स्नक

ORDER

OFFICE OF THE JT. CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

Madras, the 16th January, 1979

Subject: Cancellation of Improt Licence No. P/C/2050002/C/XX/68/M/78 dated 13-7-78 for Rs. 560000 for import of one "CARLAW" "TYPE AW WINDOW POCKET MACHINE with Accessories issued to M/s. Damodhar Envelope Factory, Madras-13.

S.O. 945.—M/s. Damodhar Envelope Factory, Madras 13, were Issued with a import Licence No. P/C/2050002/C/XX/M/78 dated 13-7-78 under CG category for the import of One Carlaw Type AW Window Pocket Machine with accessories for April-March 1979 period. The licensee has since

applied for the change in description of the goods and reduction in C.I.F. value of the licence.

I have cancelled the licence No. P/C/2050002/C|XX|68|M/78 dated 13-7-78 and issued a fresh licence bearing No. P/C/2050053|C|XX|69/78 dated 14-12-78 for the import of One Number Rotary Pocket Machine Heljos with accessories valued Rs. 4,26 300.

[No. ITC/CG/10/A.M. 79/A.U. II]
R. KUMARAVELU, Dy. Chief Controller.
for Jt. Chief Controller.

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय

आवे श

नई दिल्ली, 28फरवरी, 1979

कां आ 946.-- भारतीय राज्य ज्यापार निगम लिं , नई दिल्ली को स्वीडन/स्थिम श्रादि में डेयरी उपस्कर के श्रायान के लिए 2,64,921 क्षये और 2,39,242 क्षये मृत्य के लाइसेंस में जीं जीं जीं है। 2377521 श्रीर और जीं जें एस टीं जें 2377523 दिलांक 4-7-66 प्रदान किये गए थे। उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंसों की श्रुन्तिषि मीमा-शुल्क प्रतियां जारी करने के लिए इस श्राधार पर श्रावेदन किया है कि उपर्युक्त लाइसेंसों की मूल सीमा-गुल्क प्रतियां उनसे खो गई/ग्रस्थानस्थ हो गई है। लाइसेंसधारी ने श्राये यह बताया है कि लाइसेंस भारत में किसी भी पत्तन ग्रारा पंजाकृत नहीं कराया गया था।

श्रपने तर्भ के समर्थन में आवेदक ने एक श्रपथपत्र दाखिल किया है। श्रधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि लाइसेस संव जीव/एसव टीव/2377521 श्रीर जीव/एसव टीव/2377523 विनांक 1-7-66 की सीमा-शुल्क प्रतियां खो गई है और निवेश देता है कि उन्हें उक्त लाइसेंसों की सीमा-शुल्क प्रतियां जारी की जाएं। भाइसेंसों की सूल सीमा-शुल्क प्रतियां एसवृहारा रहे की जाती है।

लाइसेंस सं० जी०/एस० टी० /2377521 स्रीर जी०/ एस० टी०/ 2377523 दिनांक 4-7-66 की स्रनुलिपि सीमा-गुरूक प्रतिया भ्रलग से जारी की जा रही हैं।

[सं० एस० टी॰ सं१०/एस० ऋष्ठि एस० सी॰/141/65-66/एल० সাহি০ (ए०) / সাধে एस० ৪/405]

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports) ORDERS

New Delhi, the 28th February, 1979

S.O. 946.—The S.T.C. of India Ltd., New Delhi were granted licence No. G/ST/2377521 and G/ST/2377523 dated 4-7-66 for the import of Diary Equipment from Sweden/Swiss etc. to the value of Rs. 2,64,921 and Rs. 2,39,242. They have requested for the issue of Duplicate Custom Copies of the above licences on the ground that the original custom copies of the above licences have been lost/misplaced by them. It has further been reported by the licence that the licences have not been registered with any port in India.

In support of their contention the applicant have filled an affidavit. The undersigned is satisfied that Custom Copies of licences No. G/ST/2377521 and G/ST/2377523 dated 4-7-66 have been lost and directs that Customs Copies of the said licences should be issued to them. The Original Custom Copies of the licences are hereby cancelled.

Duplicate Custom Copies of the licences G/ST/2377521 and G/ST/2377523 dated 4-7-66 are being issued separately.

[No. STC/MISC/141/65-66/LI(A)/RM 8/405]

का० आ० 947.— भारतीय राज्य ज्यापार निगम लि०. नई विल्ली को कनाडा में तोरिया के बीज और नोरिया के बीज के नेल के आयात के लिए 14,80,12,800 रुपये का एक लाइमेंग मं० जी/टी/2412514 विलाक 28-12-73 प्रवान किया गया था। उन्होंने उपयुक्त लाइमेंम की

श्रनुलिपि सीमा-शुल्क प्रति आरी करने के लिए इस छोधार पर श्रावेदन किया है कि उपर्युक्त लाइसेस की मूल सीमा-गुल्क प्रति उनसे खो गई प्रस्थानस्य हो गई है। लाइसेंश्धारी ने प्रांगे यह भी विश्वास है कि लाइसेंस वस्वई के पत्तन के पास पंजीकृत किया गया है और 1.62,08,563 क्यंथे तक ग्राणिक रूप से उसका उपयोग हो चन। है।

अपने नर्क के रामर्थन में, आवेदक ने एक आपथ-पत्न दाखिल किया है । अविष्ठनाक्षरी सनुष्ट है कि लाइमेंग सं० जी/टी/2412514 दिनांक 28-12-73 की सीमा-गुरुक प्रति खो गई है और निदेश देता है कि उन्हें उक्त लाइमेंग की सीमाणुक प्रति जारी की जाए । लाइमेंग की सीमा-गुरुक प्रति एनद्वारा रद्द की जाती है ।

साइसेस स० जी/टी/2412511दिनौक 28-12-73 की सीमा-णूल्क प्रति क्षलग से जारी की जा रही है।

[फा॰सं॰ एस टी सो/एस आई एस मी/790/73-74/आर॰ एर॰ ०/404] चन्द्र सेन आर्थ, उप-मुख्य नियक्षक

S.O. 947.—The S.T.C. of India Ltd., New Delhi were granted licence No. G/T/2412514 dated 28-12-73 for the import of Rapeseed and Rapeseed Oil from Canada to the value of Rs. 14,80,12,800. They have requested for the issue of duplicate Custom Copy of the above licence on the ground that the Original Custom Copy of the above licence has been lost/misplaced by them. It has been further reported by the licensee that the licence has been registered with Bombay Port and partly utilized to the extent of Rs. 4,62,08,563.

In support of their contention, the applicant have filled an affidavit. The undersigned is satisfied that Custom Copy of licence No. G/T/2412514 dated 28-12-73 has been lost and directs that Custom Copy of the said licence should be issued to them. The Custom copy of the licence is hereby cancelled.

Custom copy of the licence No. G/T/2412514 dated 28-12-73 is being issued separately.

[File No. STC/MISC/790/73-74]RM VIII]404] C. S. ARYA, Dy. Chief Controller

(नागरिक पूर्ति और सहकारित। विभाग)

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1979

का॰ आ॰ 948.— केन्द्रीय मरकार राजभाषा (सघ के शासकीय प्रयो-जनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में निम्नलिखित कायलियों को जिनके कर्मचारीवृद ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, ग्राधसुचित करती है:—

- । राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, नई दिल्ली।
- 2. क्षेत्रीय निर्वेश मानक प्रयोगणाला, भ्रहमदाबाद।

[संख्या ६०~11012(2)/79-हिन्दी] तिलक राज स्रेहण, प्रवर सचिव

(Department of Civil Supplies & Cooperation)

New Delhi, the 26th February, 1979

- S.O. 948.—In pursuance of Sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (Use for Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following Offices, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi:—
 - National Cooperative Development Corporation, New Delhi.
 - Regional Reference Standard Laboratory, Ahmedabad.

[No. E. 11012(2)/79-Hindig T. R. TREHAN, Under Secy.

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1979

काल्आ । 949:--समय - समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम, 5 के उपविनियम (1) के अनुसार अनुसुचित किया जाता है कि जिस भारतीय मानक का अयौरा नीचे अनुसूची में विया गया है यह रदव् कर विया गया है, और अक्ष वापस सान जाए:---

ग्रनुसूची

ज्ञाम भारतीय मानक की संख्या श्रीर रहे होने की तिथि संख्या	भारतीय मानक के राजपत्र में छपने की तिथि धौर एस० ग्रो० संख्या	विवरण
1. IS : 2247 1962 स्याद्दी उद्योग के लिए नीली स्याही के रंजक, की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनोक 1963-06-22 में एस० ग्रो० 1683 दिनोक 196-3-06-10 के प्रधीन प्रका- शित ।	की स्याहियों के रंजक की विशिष्ट के

[संक्र्या सी० एम० डी० / 13:7]

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 26th Febroury,1979

S.O. 949.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Indian Standard(s), particulars of which is mentioned in the Schedule given hereafter, has been cancelled and stands withdrawn:-

SCHEDULE

Sl. No. & Title of the Indian Standard Car No. celled	S.O. No. & Date of the Gazette Notification in which Establishment of the Indian Stan- dard was Notified	Remarks		
	-1962 Specification for dye, ink ink industry.	S.O. 1683 dated 1963-06-10 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Subsection (ii) dated 1963-06-22.	Consequent upon publication of IS: 8642-1977 Specification for dyes for water based writing links.	

[No. CMD/13:7]

950.--समय समय पर संशोधिन भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के ब्रमुसार बनुसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के व्यौरे नीचे विए गए हैं वे रह कर दिए गए हैं ब्रौर झव उन्हें वापस लिया गया है:---

सनुसूषी

कम भारतीय मानक की संख्या और रह होने की संख्या तिथि	भारतीय मानक के राजपन्न में छपने की तिथि श्रीर एम० ग्रो० संख्या	विवरण
 1. IS: 1517 1972 मृतु इस्पात की कलई चढ़ी दूध की वाल्टियों (हुड वाली) की विणिष्टि 	भारत के राजपत्न भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनाक 1975-03-08 में एस० मो० 770दिनोक 1975-02-20 के भ्रषीन प्रकाणित	मामान उपयोग नहीं होते ग्रौर अनका
2. IS: 1792—1966 एलुमिनियम की दूध की बारिट- यां (हुड वाली) की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 1966-12-31 में एस० झो० 4023 दिनांक 1966-12-20 के झझीम प्रकाशित।	यथोक्त

S.O. 950.-In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Indian Standard(s), particulars of which are mentioned in in the Schedule given hereafter, have been cancelled and stands withdrawn:-

SCHEDULE

SI. No. & Title of the Indian Standard Can- No. celled	S.O.No. & Date of the Gazette Notification in which Establishment of the Indian Stan- dard was Notified	Remarks
 IS:1517-1972 Specification for tinned mild steel milking pails (Hood type). 	S.O. 770 dated 1975-02-20 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Subsection (ii) dated 1975-03-08.	As the equipment covered by these Indian Standards are no longer popularly used and their manufacture is insignificant in the country.
 IS:1792-1966 Specification for aluminium milking pails (Hood type) (revised). 	S.O. 4023 dated 1966-12-20 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Subsection (ii) dated 1966-12-31.	do

[No. CMD/13:7]

का॰आ॰ 951.—समय-समय पर संगोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमागन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम, 5 के उपविनियम (1) के भनुसार भनुसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के <mark>व्यौरे नीचे दिए</mark> गए हैं वे रक् कर दिए गए **हैं भौ**र श्रव 1979-01-01 से उन्हें बापस माना

कम भारतीय मानक की संख्या भीर रह होने की संख्या तिथि	भारतीय मानक के राजपक्त में छपने की तिथि भीर एस० ग्रो० संख्या	विवरण
1. IS: 3035 (भाग I) — 1965 तापनम्य पदार्थ रोधित ऋतुसह केबल की विभिष्टि भाग I पी०वी० सी० रोधित औरपी०वी०सी० खोलदार		भाग I की अपेक्साएं IS: 6941977 में णामिल कर ली गई हैं।
 IS: 3035 (भाग II) — 1965 तापनम्य पदार्थं रोक्षित ऋसुसह केंग्रल की विशिष्टि भाग II पोलीक्ष्याइसीन रोक्षित टेप लगे श्रथवा टेपरहित क्रेड चढ़े और यौगिक चढ़े 	य धोषन	IS: 3055 (भाग II)1965 के अनुसार वेड बढ़े और योगीक चढ़े जल सतह पोलक्ष्याइलीन रोधित केवल संतोष- जनक काम नहीं कर रहे हैं।
3. IS: 3035 (भाग III)1967 तापनस्य पदार्थ रोघित ऋतुसह केबल की विशिष्टिभाग III पोलीइयाइलीन रोधिन- ग्रीर पोलीयाइलीन खोलदार		
		सिंध्या सी० एस० की०/13 : 7]

S.O. 951.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Indian Standard(s), particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have been cancelled and stands withdrawn with effect from 1979-01-01:--

SCHEDULE

		SCHEDULE	
S1 No		S.O. No. & Date of the Gazette Notification in which Establishment of the Indian Stan- dard was Notified	Remarks
1,	18:3035 (Part I)—1965 Specification for themoplastic insulated weatherproof cables: Part I PVC insulated and PVC sheathed.	S.O. 3938 dated 1965-12-14 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Subsection (ii) dated 1965-12-25.	Requirements of Part I have been amalgamated with IS:694-1977.
2,	IS:3035 (Part II)—1965 Specification for thermoplastic insulated weatherproof cables: Part II Polyethylene insulated, taped or untaped, braided & compounded.	do -	Braided and compounded weatherproof polyethylene insulated cables as per IS: 3035 (Part II)—1965 were not oerforming satisfactorily in service.
3.	IS: 3035 (Part III)—1967 Specification for thermoplastic insulated weatherproof cables: Part III Polyethylene insulated and ployethylene sheathed.	Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-	Requirements of Part III have been amalgamated with IS; 1596-1977.

का०आ० 952-—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के धनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा ग्राधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न वस्तुओं की प्रति इकाई मृहर लगाने की फीसें धनुसूची में दिए गए अ्यौरे के धनुसार निर्धारित की गई है। ये फीसें प्रत्येक के प्राने दी गई तिथियों से लागू होंगी।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) प्रधिनियम 1952 ग्रीर उसके श्रधीन वन नियमों के निर्मित ये मानक विह्न 1978-10-01 से लागू हो जाएंगे :

	अनुसूची		
क्रम मं० उत्पाद/उत्पाद की श्रणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
उपयोग वाली नर्म परत देने वाली श्रस्थायी संझा- रण रोधी भीज	IS: 958-1975 ठंडे उपयोग वाली नर्म परत देने वाली भ्रम्थायी संझारण रोधी ग्रीज की विणिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक किलोग्राम	2 पैसे
 कठोर परत वैने वाला घोलक द्वारा चढाया अस्थायी संझारण रोधी द्वव 	IS: 1153-1975 कठोर परत देने वाला घोलक क्वारा ऋकामा अस्थायी संक्षारण रोधी द्वव की विभिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक लिटर	2 पैसे
3. नमं परत देने वाली ग्रस्थायी संभारण रोधी द्रव, घोलक द्वारा चढ़ायापानी हटाने वाला	IS: 1154-1957 नर्म परत देने वाले पानी हटाने वाले घोलक द्वारा, बढ़ाए, प्रस्थायी संक्षा- रण रोधी द्व की विभिष्टि	एक लिटर	2 पैसे
 नर्म परत देने घाला, घोलक द्वारा चक्राया, घ्रस्थायी संभारण रोधी द्वेव 	IS: 1674-1960 नर्भ परत देने वाले घोलक ग्राग चढ़ाए, अस्थायी संक्षारण रोधी द्रव की विणिष्टि	एक लिटर	2 पैसे
 गर्म डुबाऊ, नर्म परत देने वाला भ्रम्थायी संक्षारण रोघी पदार्थ 	IS: 6048-1970 गर्म डुबाऊ, नर्म परत देने वाला श्रम्थायी मंक्षारण रोधी पदार्थ की विशिष्टि	एक लिटर या एक किलोग्राम	2 पैसे

[संख्या सी० एम० डी०/13:10]

S.O. 952.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from 1978-10-01:

SCHEDULE

SI No	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking per Unit	Fee
	Temporary corrosion preventive, grease, soft film, cold application.	IS: 958-1975 Specification for temporary corrosion preventive, grease, soft film, cold application (first revision).	One kg.	2 P	aise
2.	Temporary corrosion preventive, fluid, hard film, solvent deposited.	IS: 1153-1975 Specification for temporary corrosion preventive, fluid, hard film, solvent deposited (first revision).	One Litre	2 Pa	aise
3.	Temporary corrosion preventive, fluid, soft film, solvent deposited, water displacing.	IS: 1154-1957 Specification for temporary corrosion preventive fluid, soft film, solvent deposited, water displacing.	One Litr	re 2 P	'aise
4.	Temporary corrosion preventive, fluid, soft film, solvent deposited.	1S: 1674-1960 Specification for temporary corrosion preventive, fluid, soft film, solvent deposited.	One Litre	2 Pa	nisc
5.	Temporary corrosion preventive, soft film, hot-dipping type.	IS: 6048-1970 Specification for temporary corrosion preventive, soft film, hot-dipping type.	One Litr or One kg	re 2 P	aise

[No. CMD/13:10]

कां श्रां 953.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के भनुसार भारतीय मानक संस्था की भीर से प्रधिसूचित किया जाता है कि जिन मानक चिह्नों की डिजाइन उनके शाब्विक विवरण तथा तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सिह्त नीचे भनुसूची में विए गए हैं वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विह्न) ग्रधिनियम 1952 ग्रीर उसके ग्रधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिह्न 1978-10-01 से लागू हो जाएंगे:

		_
677	ч	T)
		. ""

			at Defent			
क म सं०	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/ उत्पाद की श्रेणी	तरसम्बन्धी भारतीय मानककी पदसंख्या भीर शीर्षक	मानक [चिह्नं की डिजाइन का शास्त्रिक विवरण		
_ (1)	(2)	(3)	(4)	(5)		
1.		टंडे उपयोग वासी नर्म परत देने वासी श्रस्थार्य संक्षारण रोधी ग्रीज	ो IS: 958-1975 ठंडे उपयोग वाली नर्म परत देने वाली ग्रस्थायी संक्षारण रोधी ग्रीज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" णब्य होते हैं, स्तम्भ (2) में विखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और डिजाइन में जैसा विखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की प्रवसंख्या दी गई है।		
2.	اگا	कठोर परत देने वाली घस्थायी संक्षारण रोधी द्वव, घोलक द्वारा चढाया	IS: 1153-1975 कठोर परत देने वाले घोलक द्वारा चढ़ाया ग्रस्थायी संक्षारण रोधी द्रव की विभिष्टि (पहलापुनरीक्षण)	_"_		
3.		नर्मे पसर देने वाली ग्रस्थायी संक्षारण रोघी द्रव, घोलक द्वारा चढ़ाया, पानी हटाने वाला	IS: 1154-1957 नर्म परत देने वाले पानी हटाने वाले घोलक द्वारा बढ़ाए ग्रस्थायी संकारण रोधी द्रवकी विशिष्टि	_"_		
4.		भर्म परत देने बाला घोलक द्वारा चढ़ाया ग्रस्थायी संक्षारण रोधी द्वन	IS: 1674-1960 मर्में परत वेने वाले घोलक द्वारा चढ़ाए ग्रस्थायी संकारण रोधी द्वव की विभिष्टि			
5.	آگ)	गर्म डुबाऊ, नर्म पतर दे ने जाला श्रस्थायी संक्षारण रोधी प दार्थ	IS: 6048-1970 गर्म बुबाऊ, नर्म परप्त देने बाला घस्थायी संझारण रोधी पदार्थ की विशिष्टि	r -"-		

[सं० सी०एम०बी०/13: 9]

S.O. 953.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1978-10-01:

SCHEDULE

	Design of the Standard Mark		No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	اگي	Temporary corrosion preventive, grease, soft film, cold application.	IS: 958-1975 Specification for temporary corrosion preventive grease, soft film, cold application (first revision).	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2) the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
2.		Temporary corrosion preventive, fluid, hard film, solvent deposited.	IS: 1153-1975 Specification for temporary corrosion preventive fluid, hard film, solvent deposited (first revision).	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2) the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.
3,		Temporary corrosion preventive, fluid, soft film, solvent deposited, water displacing.		-do-
4.		Temporary corrosion preventive, fluld, soft film, solvent deposited.		-do-
5.	15-10-4	Temporary corrosion preventive, soft film, hot-dipping type.	IS: 6048-1970 Specification for temporary corrosion preventive soft film, hot-dipping type.	-do-

[No. CMD/13:9]

कां प्राः 954 ---समय समय पर संगोधित भाग्तीय मानक संस्था (प्रमाणन जिन्ह) विनयम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुमार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रक्षिमूचित किया जाता है कि नीचे अनसूची में जिन 93 लाइसेंमों के व्यौरे दिए गए है, लाइसेंसधान्यों को मान्क सम्बन्धी मुहर लगाने का मिश्रकार वेते हुए स्वीकृत किए गए हैं:

				मनुस्ची			
कम मं०	नगद्दसंस सं० (सी एम/एल)	वैधताको स्रवधि से	नक	लाइमेंमञारी का नाम ग्रीर पता	लाइसेंस के मधी तत्सबंधी भारतीय		
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
1.	सीएम/एल-5172 1976-05-05	1976-05-16	1977-05-15	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स रानीपुर, हरद्वार (उ०प्र०) निय्नलिस्ति के लिए (1) तीन फेजी स्थित 350/3300 बोस्ट, रेटिंग बासे: कम मोटर प्रकार संख्या	रल केजप्रेरण	मोटर
						टेंर 190 प्रस्पीर प्रकॉर ^त ेषुक्र	त्र 5 ह ए -सी- प्रम्पी य र
					समूह 1~~ IS: 2148-1968		

1	2	3	4	5	6
2.	सो एम/एल -5 173 1976-05-05	1976-06-16	1977-05-15	बाल्टम केबल इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 24-मजफ- गढ़ रोड नई दिल्ली 110005 (कार्यालय: बाल्टन हाउस, भारतराम रोड, 24 दरियागंज, नई दिल्ली 110002	पा बी सी रोधित भीरपी वी सी खोलपार नम्य डोरिया ताल के चारूको वार्ला 250/440 भीर 650/1100 वील्ट IS: 694 (माग 1)1964
3.	सो एम/एल-5174 1975-05-05	1976-05-16	1977-05-15	"	पीचा सी रांधित एक धमाके /बहुधमाके बाले पत्नीनों के केबल IS: 59501971
4.	मी ग्म/ग् <i>ष</i> -5175 1976-05-05	1976-05-16	1977-05-15	मित्तर सेन इंडस्ट्रीज दिल्ली रोड, रिठानी (उ०प्र०) 250103	शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए सब्त खिचे लड़दार एलुमीनियम दस्पात कोर बाले एलुमीनियम चालक—— IS: 398—1961
5	ोर एम्/एत-5176 1976-05-05	1976-05-16	1977-05-15	पी०एस०जी० इंडस्ट्रियल इंस्टीट्यूट ग्रवनाशी रोड,पीलामेडु डाकघर, कोयम्बतूर-६४1००	कृषि कार्यों के अपकेन्द्री पंपों के लिए तीन 4 फेजी स्थियन्स फेज प्रेन्ण मोटर 5 किया (7.5 हापा) तक हैं वर्ग रोधन महित—— 1S:7538~1975
G .	सी एम/एल-5177 1976-05-05	1976-04-01	1977-03-31	भारतीय कैमिकल मैन्यु० प्रा० लि० हुक्कुंडा गांव चिकमगलूर जिला (कर्नाटक) (कार्या- लयः मस्सन्दूर रोड) चिकमगलूर (कर्नाटक)	कापर सस्पेट वकनीकी IS:261-1966
7.	सी एम/एल-5178 1976-05-07	19 76- 05-16	1977-05-15	भारत फाउण्ड्री ग्रम्मनकुलम् रोड पप्पानायकम- पलयम कोयम्बतुर-641037	तीम फेजी प्रेरण मोटर 3.7 कि वाट (5 हापा) तक "ए" वर्ग रोधन युक्त IS: 325-1970
8.	र्मा एम/एल-5179 1976≁05−07	197G-05~16	1977-05-15	स्येणल स्टील लिमिटेड दत्तापाङ्ग रोडजेरीधली (पूर्व) बम्बई-400066	पूर्व प्रतिवस्तित कंकीट के लिए प्रयुक्त बंतुरित सख्त खिंचे तार—- IS: 6003—1970
9.	सी एम/एल-5180 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	बाबा दसोंधा सिंह बप्याम सिंह सहारनपुर रोड, यमुनानगर (हरियाणा)	भाग की पेटियों के लिए पट्टियां IS: 10 (भाग iii)1974
10.	सी एम/एल-5181 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	बटाला (पंजाब)	ऊचाई पर लगने नाली ढलवां लोहे की पलग की टंकियां 12.5 लिटर समाई—— IS: 774-1971
11.	सी एम/एल-5182 1976-05-07	1976-05-01	1977-04-30	पलेवर्स इंडिया प्रा० लि० 2/40 कोंडा रेडियार स्ट्रीट रेडियार पलयम पा डिचे री⊷— 60 501 0	
12.	सी एम/एल-5183 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	हिन्दुस्तान लैमिनेटर्स सी-166, मारायणा इंड- स्ट्रियल एश्या नई विल्ली110028	उर्बरकों की पैकिंग के लिए परतवार पटसम की बोरियां IS:74061974
1 3.	सी एम/एल-5184 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	प्लाटक्योर कंसद्रैक्टस, हिम्मस नगर, राणा रबर फैक्ट्री के पीछे, सहारमपुर (उ०प्र०)	बी एच सी (एच सी एच) धूलन पालकर IS: 5611972
1 4.	सी एम/एल-5185 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	टाइगर लाक्स लि० प्लाट सं० 3 इंडस्ट्रियल एरिया गुड़गीब (हरियाणा)	विष द्रोटियां और स्टाप टोंपियां 15 मिमी साइज IS: 781-1967
1 5.	मी एम/एल-5186 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	एल्पेक्स इंजीमियरिंग कं० ए-26/0 गली सं० 4 ग्रानन्द पर्वत इंडस्ट्रियल एरिया, नई रोहनक रोड, मई विस्ली	कृषि के लिए स्वज्छ शीतल ताजे पानी के बैतिज उपकेग्द्री पस्प (एकस स्लाक पस्प सैटों में से केवस पस्प भाग) IS: 65951972
16.	सी एम/एल-5187 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	वि फटिलाइजर कार्यो आफ इंडिया लिमिटेड (भारतसरकार का एक उद्योग) मस्कासर सि०श्री गंगानगरपो०ग्रा० रासतसर	

1	2	3	4	5	6
17.	सी एम/एल-5188 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	दि फर्टिलाइजर्स कार्पो० आफ इंडिया लि० (भारत सरकार का एक उद्योग) हनुमान गढ़, जिला श्रीगंगानगर	
18.	सी एम/एल-5189 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	ए बी म्रायरन एण्ड स्टील वर्क्स प्रा० लि० बलराजेश्वर रोड, एल पी णास्त्री मार्ग, मृदुल (पश्चिम) बस्बई-400080 (कार्या- लय: एल्डी चैम्बर्स 3, भड़ौच स्ट्रीट वम्बई-400009)	
19.	सी एम/एश-5190 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	स्नैमा भ्रष्लायनस मैन्यु० इंडम्ट्रीज एच-3, इ पटेल इंडस्ट्रियल एस्टेट, परताप नगर, बड़ोदा-390004	परेलू गैंस स्टोच एल पो जी 3 बर्नर 60-25-60 और एकल वर्धर-60 के साथ प्रयोग के लिए IS: 4246-1972
20.	. सीएम/एल-5191 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	सिरैमिक प्रोडक्टस लि० पो०बा०मं० 2 स्नानपुर (जिला बैसगाम)	लवण ग्लेजित णिलाभाड पाइप, ऋतु पाइप वर्ग "ए" और "एए" झाकार 100 मिमी तथा 150 मिमी श्रान्तरिक ज्यास IS: 651-1971
21	. सी एम/एल-5192 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	कर्नाटक कॅमिकल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन 151-ए, पीच्या इंडस्ट्रियल इ स्टेंट पीग्या, अंगलोप-562140	कार्बन ग्रावसीयलोराहर जल विमर्जनीय पाउडर— IS: 1507—1966
2 2	. सी एम/एल-5193 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	n	ताबा धानसीयलोराइड तकनीकी IS: 14861969
23	3. सी एम/एल-5194 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	इंडियन बाल्य (कलकत्ता) प्रा० लि॰ 76/21 बनारस रोड, हायड़ा-711101	सी श्राई स्लूस वास्य 300 मिर्मा तक श्रेणी-1 IS: 780-1969
2	4. सी एम/एल-5195 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	दि इंडियन वाल्व कम्प नी 36/3, डब्ल्यू रोड, दामनगर हावड़ा (कार्यालय : 4 फेयरली प्लेम कलकत्ता-380001)	सी भाई स्लूस वाल्व 300 एम एम तक और फेसगेत श्रेणी-1— IS: 780-1969
2	5 सी एम/एल-5196 1975- 0 5-10	1976-05-16	1977-05-15	ल छमन वायर इंडस्ट्रीज लि॰, दीचा घाट, पटना-380001	भदु इस्पात का तार, सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए— IS: 280–1972
2	6. सीएम/एल-5197 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	टाटा योडोगावा लि०, टाटा काम्प्लेक्स गमरिया, जमशे व पुर	स्वचल गाड़ियों में निलंबन के शंखाकार कुंडलाकार धौर परतदार कमानियों के लि इस्पात के इंगट—— IS: 3431—1965
2	7. सीएम/एस-5198 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	बोराला गुगर वर्क्स डिस्टिलरी बौराला जिल मेरठ (उ०प्र०)	ा हिब्स्की IS: 4449~1967
2	8. सीएम/एस 5199 1976 05 10	1976-05-16	1977-05-15		जिल IS: 4100-1967
2	9. सीएम/एल-5200 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15		णांडी IS: 4450-1967
3	0. सीएम/एल-5201 1976-05-10	1976-05-16	19 77-05- 15		रम IS: 3811-1966
3	1. भी एम/एल~5202 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	भी भार हुर्गन एंड मोहसा (उत्तर) प्रा० लि० प्र सं० 211 फोक्स प्वाइंट ढंढारी कला (लुधिया	गट संरचना इ.पात (मानक किस्म) मा) IS : 226-1975
3	2. सी एम/एस-5203 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	u .	मंरचता इस्पात⊶ (सामान्य किस्म) IS: 1977–1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(7)
33.	मी एम/एस-5204 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	ऐग्रो एडंस पेस्टीसाइड्स, इडरट्रीज इस्टेट विदिशा (म०प्र०)	हीडीटी धूलन पाउडर JS: 564-1961
34,	सी एम/एल-5205 1976-05-10	1976-05-15	1 9 7 7-0 5-1 5	हिन्दुस्तान टिम्बर सिंडीकेट डब्ल्यू-9, इंडस्ट्रियल एरिया, यमुना नगर	भाग भी पेटियों के लिए पट्टियां: IS: 10(भाग III)-1974
35.	भी एम/एल−5206 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	प्रताप स्टाल रोक्षिय मिल्स (द्यमृतसर) प्रा० लि० प्रताप इस्टेट, छेहरटा (उ० रेसवे) श्रमृतसर (पंजाब)	स्प्रिय काणरों के लिए इस्पात IS : 4272-1975
36.	स्ती एम/एल- 5 2 0 7 1 9 7 6- 0 5- 1 4	1976-05-16	1977-05-15	हरवंस लाल मलहोन्ना एंड संस प्रा० खि० 40, बेलूर स्टेणन रोड डाकघर बेलूर मठ हाबड़ा (कार्यालय: 226/2 प्राचार्य जगदीण चन्द्र बोस रोड, कलकसा-700020)	मफ्टी रेजर अलेड के लिए स्टेनलेस स्टील, प्रकार मध्यम IS: 7371-1975
37.	मी एम/एल-5208 1976-05-14	1976-05-01	1977-04-30	मिनरल युष मैन्यु० कं०ण-२० (दूसरा चरण) इंडेस्ट्रियल एरिया, श्रावित्यपुर, जमगोदपुर (बिटार)	उत्मा रोजन के लिए प्रपश्चित गैल और धातुमल ऊस प्रकार । श्वद्द गैल और धातुमल ऊस—— IS: 3677—1973
38.	मी एम/एल 5209 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	राजाथान स्टेंट माइन्स एंड मिनरल्स लि० (राजस्थान सरकार का उद्योग) सूरनगढ़ रेलवेस्टेणन (राजस्थान)	कृषि कार्यों के लिए जिप्सम== IS: 60461971
39.	मी एम/एल-5210 19 7 6-05-14	1976-05-16	1977-05-15	राजस्थान स्टेट माइत्स एण्ड भिनरल लि० (राजस्थान सरकार का उद्योग) हुनुमानग नगर साइडिंग(राजस्थान)	·
40-	सी एम/एल — 5 2 । 1 1 9 7 6- 0 5- 1 4	1976-05-16	1977-05-15	क्रपि कमिको सुन्दर मगर पो० ग्रा० मिटानचक पटना— ४०००० ८	, बो एच सी घूलन पाउडर—— IS: 561—1972
41.	सी एम/एल-5212 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	सुदर्शन टिम्बर ट्रेडिंग कं० 2, सोधा क्षाजार स्ट्रीट कलकता—700005 (कार्यालय : 25ए स्वैकोलेम, कलकत्ता-700001)	
42	सी एम/एल-5213 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	श्रयवाल स्टील इंस्डट्रीज मरोल मोर्शी रोड मरोल अंधेरी (पूर्व) वस्वई-400059 (कार्यालय कसारा स्ट्रीट वारूखाना वस्वई-400010)	
4.3.	सी एम/एस+5214 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	श्री विजयवुर्गा पलराइजिंग मिल्स सिक्याप्य रोड बेलारी—5843101	ा ऐ डोसरफान पायसनीय सेज द्वय IS:4323-1967
14	सी एम/एल-5215 1976-05-14	1976-05-16	19 77- 05-15	षेवरसंस प्रा० लि० मं० 10 म्यूनिसिपस इंडस्ट्रियल इस्टेट, बागू नगर, ग्रहमदाबाद— 380023	पांसो 4 भार खाद्य बर्ग IS: 2558-1974
45.	मीएम/एल-5216 1976-05-14	1976-05-16	19 77 -05-15	एशियन कलर कम्पनी सी बाई डी सी गेड "एल" टाइप 136, बोडन श्रहमदानाद-38000	तारकोल खाद्य रंग निर्मितियौ 1 IS:5346-1975
46.	सीएम/एल~ 5217 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	जय किसान ऐयो कैमिकल श्राफ जागसर, बीकानेर (राजस्थान)	कृषि कार्यो के लिए जिम्मम—— IS: 6046-1971
47.	सीएम/एल-5218 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-13	र्षको लोवेबी भूश्ररीज लि० 13/1 मथुरा रोड,फरीब बाद (हरियाणा)	ा- वियर—— IS: 3865-1966
48.	सीएम/एल5219 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	श्रलेस्थिक ग्लाम इंडस्ट्रीज सि० मेन रोड ह वाइट फील्ड डाकधर जि. बंगलीर (कर्नाटक)	कांच की वृध की बोतलें 500मिमी झांकार⊶- IS: 1392-1971
49.	माएम/एल-5220 1976-05-14	1976-04-01	1977-03-31	खोदे मुद्दंग एण्ड डिस्टिलिंग इंडस्ट्रीज प्रा०सि० सं० 11 रेमकोर्गे रोड,बंगलीर-9	जिन IS 4100-1967
50.	सीएम/एल-5221 1976-05-14	1976-04-01	1977-03-31	n	रम IS: 3811-1966
	मीएम/एल→5222 1976-05-14	1976-04-01	1977-03-31	n	भाडियां 1S: 4450-1967
5 2.	मी एम/एल → 5 2 2 3 1 9 7 6- 0 5- 1 4	1976-04-01	1977-03-31		हिबस्फियां IS: 4449-1967

1	2	3		4 5	6
5 3.	सीएम/एल- 5 2 2 4 1 9 7 6- 0 5- 1 4	1976-04-01	1977-03-31	खोदे बुद्दंग एंड डिस्टिलिंग इंडस्ट्रीज प्रा० (बुद्धरी डिवीजन) 7या भील कनकपुरा बंगलोर-11 (कार्यसय : 10 फर्स्ट मैन गोधीनगर,बंगलौर-9)	रोड IS 3865-1966
5 4.	मीएम/एल-5225 1976-05-21	1976-06-01	1977-05-31	नेमनल जुट एंड प्लास्टिक प्राडक्ट्स, जी०ए रोड, रिससुर गौहाटी-781005 (असम)	स० उर्वरको की पॉकंग के लिए श्रम्तर वाली) की बोरियों—— IS:7406—1974
5 5.	मीएम/एल – 5 2 2 6 1 9 7 6-0 5- 2 1	1976-06-01	1977-05-31	दि नाइहटी जूट मिल्स कं० लि०, हाजी नः 24-परगना, (कार्यालय: 7 हेयर स चौधी मंजिल (कलकत्ता 700001)	गर, उर्वरक बोरियो के लिए पटसम का कपड़ा- $-$ ट्टीट $\mathbf{1S}$: $7407-1974$
5 ค	संत्म/एल-5227 1976-05-21	1976-05-16	1977-05-15	ब्राडवे इंजीनियरिंग एंड ट्रांसपोर्ट कं०, 16 पटेल गोड, कोयम्बनूर-641009	4, तीन फेंजी प्रेरण मोटर 5.5 किया (7.5 हापा एच पी) सहित "ए" वर्ग रोधन से युक्त— [IS: 325—1970
57	सीएम/ एल-5 228 19 7 6-05-21	19 76- 06-01	1977-05-31	दीपक टिम्बर इंडस्ट्रीज, 3/2 सी गुरूकाम गार्डेन लेन, कलकत्ता-700004	वत्त भाय की पेटियों के लिए तक्क्ते IS: 101970
5 8 -	सी एम/एल 5 2 2 9 1 9 7 6-0 5-2 1	1976-06-01	1967-05-31	प्रताप स्टील गोलिंग मिल्स प्रा० लि०, इं एरियापाटव चेस्स्मोदक, जिला (ब्रांध्र प्रदे	बस्ट्रियल संरचना इस्पात (मानक किस्म) में पुन: म) बेल्लन के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट इंगट IS: 6914-1973
59.	मोग्म/एत- 5230 1976-05-21	1976-06-01	1977-05-31	11	संरचना इस्पात (सामान्य किस्म)—— में पुनः बेल्लम के लिए कार्बन इस्पात : बिलेट-इंगट —— IS 6915—1973
60.	मीएम/एल- 5 2 3 1 1 9 7 6-0 5-2 1	1976-05-01	1977-04-30	स्टील ट्यूब्स भ्राफ इंडिया लि०, स्टेशन व देवास-455001 (म॰प्र॰)	तोड स्थाचल कार्यों के लिए इस्पात के द्व्य केवल वर्गे ई छार उब्ल्यू-1 IS: 3074-1965
61.	. सीएम/एस-5232 1976-05-21	1976-05-16	1977-05-15	क्षाम्बे केमिकल प्रा० लि० 19, विक्टो रोड (लोलेवल) मजगाँव वम्बई-4000	
62.	मीएम/एस-5233 1976-05-21	1976-06-01	1977-05-31	ऐग्रो एड्स पेस्टीसाहड्स, 2 इंडस्ट्रियल उ विविज्ञा (म०प्र०)	स्टेंट की एच मी (एच सी एच) धूलन पाउडर— IS: 561—1972
63.	मीएम/एल−5234 1976-05-21	1976-04-16	1977-04-15	स्वरूप के सिकल्स, बाटर वर्स्स रोड रोड ऐ। लखनऊ – 226004	श बाग बी ए≒ भी जल विसर्जनीय पाउडर US : 562−1972
6 4.	मीएम/एल 5 2 3 5 1 9 7 6 - 0 5 - 2 1	1976-06-01	1977-05-31	डैब्रोस इंडस्ट्रियल कं० लि० 108, बीरेन रोडपण्डिम कलकत्ता-200061	राय हस्त संपी इन स्प्रेयर IS: 1970 (भाग 1)1974
6 S	मीएम/एल- 5236 1976-05-21	1976-05-01	1977-04-30	स्टील ट्यब्स भाक इंडिया लि०, स्टेशन र देवास-455001 (स०प्र०)	ोड यांत्रिक तथा सामान्य इंजीनियरिंग कार्यो लिए इस्पात के टयुब, ई० झार० डब्स्यू — 17 तथा सी ई डब्स्यू०— 17 प्रकार के — IS: 3601—1966
6 A.	मीएम/एल-5237 1976-05-21	1976-05-16	1977-05-15	•	004 मुक्सात्मक हेसमेट 570,580,590 और 600
67	मीएम/एस - 5238 1976-05-21	197 6-05- 16	1977-05-17	भोक्का स्टील लिमिटेड महावेबपुरा प्राक ह्याइट फील्ड रोड बंगलोर-560048	षर शंखाकार धौर कुँबलिन कमानियों (रेल के बिब्बों) वे: निए इस्पात के बिलेट और इंगट IS: 3195-1975

1	2	3	4	~ 5	в .
68	. भीएम/एल 5 2 3 9 1 9 7 6-0 5-2 1	1976-05-16	1977-05-15	मिनिक मेटल एण्ड ट्रेडिंग कर प्रार्तालर, लाखी इंडस्ट्री हाउस एण्ड गांव रोड लाल बहादुर शास्त्री रोडभांड्स, बम्बई-400078	एनोडीकृत एल्मिनियम के बर्तन प्रकार 19000 IS: 21-1975
69.	सीएम/एल- 5240 1975-05-21	1976-06-01	19 77 -05-37	इस्टरनेथनल पाइप वर्क्स 50, रामलोचन शायर स्ट्रीट बेल्रमठ, हावडा (कार्यालय: 405, श्रपरिचितपुर रोड. कलकत्ता-700007)	पिटबो इस्पान के पाइप फिटिंग, मोड साकेट भीर निप्पल 150 मिमी तक IS: 1239 (भाग III)1969
7 0.	मीएम/एल5241 1976-05-28	1976-06-01	1 9 7 7 -0 5 - 3 1	श्राप इंडस्ट्रियल केमिकस्स प्रा० लि० 3—10, जी०भाई०डी०सी० एरिया वापी जिला बलसाड (गुजरात)	जिंक फास्फाइड सकनीकी IS: 1251-1973
71.	मीएम/एन-5242 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	विजय इंजीनियरिंग त्रक्म भावनगर रोड सम्मृखः एस्सो पेट्रोल पंप राजकोट (कार्यालय: ४ विरमानी इंडस्ट्रियल एस्टेट, ढेबर भाई रोड, राजकोट-2)	निम्नलिखित रेटिंग के खड़ी प्रकार के जल शोतिलित चार स्ट्रोक डीजल इंजन— किया चक्कर टाइप प्रति मिनट
					5.88 (अहापा) 850 एकल सिलेण्डर
					11.76 (16हापा) 850 वि मिलेण्डर
					IS: 1601-1960
72.	मीएम/एल-5243 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	इंस्ट्रू मेंट्म एंड एप्लाइयंमेज $5/28$ शीनि नगर, दिल्ली- 110015	क्लिनिकल तापमापी IS : 3055-1965
73.	सीएम/ एस- 5 2 4 4 1 9 7 6- 0 5- 2 8	1976-06-01	1977-05-31	सेंट्रान इंडस्ट्रियल एलायंन लि० प्लाट सं० 2—16, एम० घाई० डी० सी एरिया चिकल पाना, घौरंगाबाद (महाराष्ट्र)	रेजर ब्लेंड के सेपटी किस्स मध्यस स्टेनलेस इस्पात— IS: 7371~1975
74.	मीएम/एल-5245 1976-05-28	19 76- 06-01	1977-05-31	मोदी स्टीस्स मोदीगनर जिला मेरठ (उ०प्र०)	केबलों के कवल के लिए मृदू इस्पान के नार IS: 3975-1967
75.	सीएम/एल – 5246 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	म्राशा टिम्बर ट्रेडिंग कॅम्पनी, सहारनपुर रोड, यमुनानगर	चाय की पेटियों के लिए पड्रियां IS: 10(भाग III)1974
76	सीएम/एल-5247 19 76-05 -28	1976-06-01	1977-05-31	रतन रिरोलसं प्रा० लि० 6/1, काली मज्मदार रोड पूमुरी हाजड़ा। (कायलिय: 4 बी बी डी बाग (पूर्व) स्टीफेन हाउस तीमरी मंजिल कमरा नं० 52-55, कलकका-700001)	संरचना इस्याम (मामक (कस्म) IS: 226-1975
77.	सीएम/एल-5248 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	n	संरचना इस्पात (भामान्य किस्म) TS: 1977-1975
78.	सीएम/ एल- 5249 19 7 6-0 5-2 8	1976-06-01	1977-05-31	गोरुडन केमिकरुस वर्स बाहर चेटीबिड गेट कोट महना सिंह अमृतसर	सफोद रंग टाइप 2 वर्णेक संघटन के लिए भीतरी नैल पेस्ट IS: 96-1950
79.	सीएम/एल – 5 2 50 1 9 7 6-0 5-2 8	197 6- 0 6-0 1	1977-05-31	दि फर्टिलाइजर्स कार्परिशन ग्राफ इंडिया लि० (भारत सरकार का उद्योग) हनुमानगढ़ अंक्शन, जिला श्री गंगानगर (राजस्थान)	कृषि कार्यों के लिए जिप्सम IS: 6046-1971
80.	सीएम/एल- 5251 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	मु ध्वा या फाउंधी 4/388 प्रवनाशी रोड, पंप्पानासक्षनपलयमं कोयद्भवतूर-641037	कृषि कार्यों के लिए ध्रपकेन्द्री गयों के लिए सीन फेजी स्थिय रूप फेज पेरण मोटर 3.7 किया (5 हापा) रेटिंग तक "ई" वर्ग रोधनयुक्त IS: 7538-1975

1	2	3	4	5	6
	सीएम/एन - 5252 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	मलेचा केंबल प्रा० लि० 22 इंडिस्ट्रियल एरिया, मेहनपुर जिला ऊना (म०प्र०)	शिरोपरि पावर प्रेपण कार्यों के लिए सख्त खिके लड़वाद एलुमिनियम और इस्पान की कोर वाले एलुमिनियम चालक IS: 398-1961
82.	सीएम/एल- 5253 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	कोमेस्टिक एप्लायंसेज 30-सी इंडस्ट्रियल एस्टेट मिडला नगर, श्वालियर-474002 (म०प्र०)	षरेलू प्रेसर कुकर 5 लिटर ग्रीर 6.5 लिटर कें IS:2347-1967
83.	सीएम/एल 5254 1976-0 5-28	1 97 6-0 6-0 1	1977-05-31	हिन्तुस्तान जेन्स प्रा० लि॰ 149, जी०दी रोड, डाकवर साहिबाबाद गाजियाबाद-201005 (उ०प्र०)	चरेल् प्रेणर कुकर पालिश ग्रौर बफ की हुई ग्रौर सतह वाले 4, 5, 6 ग्रौर 7 लिटर के IS: 2347→1974
84.	सीएम/एल~5255 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	यीकफील्ड शाडक्ट्स कं० (इंडिया) प्रा० नि० बीकफील्ड इस्टेट, नागर रोड, पूना-411014	
8 5.	सीएम/एल-5256 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	n	टारट्राजीन बाध ोकोटि IS: 1694-1974
86.	सीएम/एल5257 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	n	मूर्यास्त पीत खाद्य रंग फामुलेशन खाद्यकीटि IS: 1685-1974
87.	सीएम/एल-5258 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	नेगानल पेस्टिसाइड्स 5, इंडस्ट्रियल इस्टेट विविशा (म०प्र०)	ऍब्रिन हैसी IS: 1310-1974
88	सीएम/एल-5259 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	п	डीडीटी पायसनीय तेज इब IS: 633-1956
89.	सीएम/एल-5260 1976-05-28	1976-06-01	19 77- 05-31	विजय लक्ष्मी इसेक्टीसाइड्स एंड पेस्टीसाइड्स प्रा०लि० इथाकोटा कोठापेटा सालुक पूर्व गोवावरी जिला (घ्रान्ध्र प्रदेश)	बीएषसी झूलम पाउंबर IS: 5611972
90	. सीएम/एल-5261 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	बंगलोर पेस्टीसाइड्स लि॰ 10वां मीलटूमकुर रोड बंगलीर-562139 (कार्यालय: 25/25 ए, सैंकी रोड, बंगलोर-560052।	कार्बन भावतीक्लोराह्य धूलन पाउडर 50 प्रतिवत IS: 15071966
91	. सीएम एल-5262 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	सन्नपूर्णा इंसेक्टीनाइड्स इंडस्ट्रीण प्लाट सं० डी-7 तथा डी-8 ए०पी० इंडस्ट्रियल एस्टेट, नेस्लूक-524004	
92	. सीएम/एल−5263 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	वि श्रहमदाबाद मैन्यू० एंड कैलिको प्रिटिंग कं० लि० भ्रनीक चेन्यूर, बम्बई-400074	पीने के पानी की सप्लाई के लिए धनस्यक्रत पाइप 16 मिनी से 75 मिनी बाहरी क्यास 10 किया बिसेंगी 2 रेटिंग और 90 मिनी से 180 मिनी बहारी क्यास-10 किया बिसेंगी 2 रेटिंग IS: 4985-1968
93	. सीएम/एल – ह 264 1976-05-31	1976-06-01	1977-05-31	राठी उद्योग लि॰ इस्पात नगर इंडस्ट्रियल एरिया, गाजियाबाद (उ०प्र॰)	कंकीट प्रश्वलन के लिए ठंडी मरोड़ी विक्पित इस्पात छड़ें— IS: 1786-1966

S.O. 954.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that ninety three licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of May, 1976 authorising the licensees to use the standard Mark:

SCHEDULE

SI. No.	Licence No. (CM/L)	Period	of Validity	Name & Address of the Licensee	Article/Process Covered by the licence and Relevant IS; Designation
		From	То	-	and Relevant 15, Designation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	CM/L-5172 1976-05-05	1976-05-16	1977-05-1	5 Bharat Heavy Electricals, Raniput Hardwar (U.P.).	r, Flame-proof enclosures for (i) Three phase squirrel cage induction motors 3150/3300 volts; type and rating as given below:
					Si. Motor Type Rating Pole No. Max kW
					1. BAO-132-4T 320 4 2. BAO-131-4T 250 4
					3. BAO-131-6T 200 6
					4. BAO-131-8T 160 8 5. BAO-132-6T 250 6 6. BAO-132-8T 200 8 Group I
					Group II-A (for use in factories only).
					(ii) Auto transformers starter 190 Amps 550 volts 3 phase, Type F-C-135/A Group I.
					(iii) Gate end box 550 volts, 160 Amps, 3 phase type F-C-160/D Group I— IS: 2148—1968
	[/L_5173 6-05-05	1976-05-16	1977-05-15	Delton Cable Industries Pvt. Ltd., 24 Najafgarh Road, New Delhi-110015 (Office: Delton House, Bharat Ram Road, 24 Darya Ganj, New Delhi- 110002).	PVC insulated and PVC sheathed flexible cords copper conductor 250/440 and 650/1100 volts— IS: 694 (Pt I)—1964
	I/L-5174 6-05-05	1976-05-16	1977-05-15	-do-	PVC insulated single-shot/multishot firing cables IS: 59501971
	/L-5175 6-05-0 5	1976-05-16	1977-05-15	Mitter Sain Industries, Delhi, Road Rethani (U.P.)-250103.	Hard-drawn stranded aluminium & steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes—IS: 3981961.
	/L-5176 5-05-05	1976-05-16	1977-05-15	P.S.G. Industrial Institute, Avanashi Road, Peclamedu P.O., Coimbatore- 641004.	Three-phase squirrel cage induction motors for centrifugal pumps for Agricultural application upto & including 5.5 kW (7.5 HP) with class 'E' insulation—IS: 7538—1975
	/L5177 5-05-05	1976-04-01		Bharathi Chemical Mfgrs. Pvt. Ltd., Hukkunda Village, Chikmagalur Distt. (Karnataka). Office: Mallandur Road, Chikmagalur (Karnataka)].	Copper sulphate, technical— 1S: 261—1966
	L-5178 -05-07	1976-05-16	1977-05-15	Bharat Foundry, Ammankulam Road, Pappanaickenpalayam, Coimbatore- 641037.	Three phase induction motors upto and including 3.7 kW (5 HP) with class 'A' insulation— IS: 325—1970

1	2	3	4	5	6
8.	CM/L-5179 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	Special Steel Ltd., Dattapara Road, Borivli (East) Bombay-400066.	Indented hard drawn wire for use in pre- stressed concrete— IS: 6003—1970.
9.	CM/L-5180 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	Bawa Daswandha Singh Waryam Singh, Saharanpur Road, Yamuna Nagar (Haryana).	Tea-chest battens— IS: 10 (Pt III)—1974
10,	CM/L-5181 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	Batala Motor Stores, D.B.N. Road, Batala (Punjab).	C.I. flushing cisterns high level, 12.5 litres capacity— IS: 7774—1971
11.	CM/L-5182 1976-05-07	1976-05-01	1979-04-30	Flavors India Pvt. Ltd., 2/40, Konda Rediar Street, Reddiarpalayam, Pondicherry-605010.	Coal tar food colour preparations—1S: 5346—1975.
12.	CM/L-5183 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	Hindustan Laminators, C-166, Naraina Industrial Area, New Delhi-110028.	Laminated jute bags for packing fertilizers— IS: 7406—1974.
13.	CM/L~5184 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	Plantcure Concentrates, Himmat Nagar (Behind Rana Rubber Fac- tory), Saharanpur (U.P.).	BHC (HCH) dusting powder— IS: 561—1972
14.	CM/L-5185 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	Tiger Locks Ltd., Plot No. 3 Industrial Area, Gurgaon (Haryana).	Bib taps and stop taps 15 mm size— IS: 781—1967
15.	CM/L~5186 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	Elmex Engg. Co., A-26/0, Gali No. 4, Anand Parbat Industrial Area, New Rohtak Road, New Delhi.	Horizontal centrifugal pumps for clear, Cold, fresh water for agricultural pur- poses (pump part only of monoblock pumps sets)— IS: 6595—1972
16.	CM/L~5187 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	The fertiliser Corpn. of India Ltd., (A Govt. of India Undertaking). Malkasar, Distt. Sriganganagar, P.O. Rawatsar.	Gypsum for agricultural use—IS: 6046—1971.
17.	CM/L-5188 1976-05-07	1976-05-16	1977-05-15	The Fertilizer Corpn. of India Ltd., (A Govt. of India, Undertaking) Hanumangarh Distt. Sriganganagar.	Gypsum for agricultural use—IS: 6046—1971,
18.	CM/L~5189 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	Aevee Iron & Steel Works Pvt. Ltd., Balrajeshwar Road, L.B. Shastri Marg, Mulund (West), Bombay- 400080. (Office: Eldee Chambers, 3, Broach Street, Bombay-400009).	Structural steel (ordinary quality)—IS; 1977—1975,
19.	CM/L-5190 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	Flamma Appliances Mfg. Industries, H-3, Patel Industrial Estate, Pratap- nagar, Baroda-390004.	Domestic gas stove for use with LPG 3 burner—60-25-60 and single burner 60 IS: 4246—1972.
20.	CM/L5191 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	Ceramic Products Ltd., P.B. No. 2, Khanapur (Distt, Belgaum).	Salt-glazed stoneware pipes; straight pipes Grade A & A A size 100 mm & 150 mm internal dia— IS: 651—1971.
21.	CM/L-5192 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	Karnataka Chemical Industries Corporation, 151-A, Peenya Industrial Estate, Peenya, Bangalore-562140.	COC WDP— IS: 1507—1966.
22.	. CM/L5193 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15		Copper oxychloride technical— IS: 1486—1969.
23.	CM/L-5194 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	Indian Valve (Calcutta) Pvt. Ltd., 76/21, Benares Road, Howrah-711101.	C.I. Sluice valve, upto and including 300 mm, Class I—IS: 780—1969.
24.	CM/L-5195 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	The Indian Valve Co., 36/3, 'W'—Road, Dasnagar, Howrah. (Office: 4 Fairlie Place, Calcutta-700001).	C.1. sluice valves upto and including 300 mm, class I— 1S: 780—1969

1	2	33	4	5	6
25.	CM/L-5196 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	Lachman Wire Industries Ltd., Dighagat, Patna-380001.	Mild steel wire for general engineering purposes— IS: 280—1972.
26.	CM/L-5197 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	Tata Yodogawa Ltd., Tata Complex, Gamaria, Jamshedpur.	Steel ingots for volute helical & laminated springs for automotive suspension—IS: 3431—1965.
27.	CM/L~5198 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	Daurala Sugar Works, Distillery, Daurala, Distt. Meerut (U.P.).	Whisky— IS: 4449—1967
28.	CM/L-5199 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	-do-	Gin— IS: 4100—1967
29.	CM/L-5200 1976-05-10	1976-05-16	19 77-05- 15	-do-	Brandy— IS: 4450—1967
30.	CM/L-5201 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	-do-	Rum— IS: 3811—1966.
31.	CM/L-5202 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	B.R. Herman & Mohatta (Uttar) Pvt. Ltd., Plot No. D-11, Focal Point, Dhandari Kalan (Ludhiana).	Structural steel (standard quality)— IS: 226—1975
32.	CM/L-5203 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS: 1977—1975,
33.	CM/L-5204 1976-05-10	1976-05-16	1977 - 05-15	Agroaids Pesticides, 2, Industrial Estate Vidisha (N.P.).	DDT dusting powders— IS: 564—1961.
34.	CM/L-5205 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	Hindustan Timber Syndicate, W-9, Industrial Area, Yamuna Nagar,	Tea-chest pattens— IS: 10-(Pt III)-1974
35.	CM/L-5?06 1976-05-10	1976-05-16	1977-05-15	Partap Steel Rolling Mills (Amritsar) Pvt. Ltd., Partap Estates, Chheharta (N. Rly.) Amritsar (Pb.).	Steel for spring washers— IS: 4272—1975
36.	CM/L-5207 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	Harbans Lal Malhotra and Sons Pvt. Ltd., 40. Belur Station Road, P.O. Belurmath, Howrah. (Office: 226/2, Acharya Jagdish Chan- dra Bose Road, Calcutta-700020).	Safety razor blades stainless steel Type Medium— IS: 7371—1975
37.	CM/L-5208 1976-05-14	1976-05-01	1977-04-30	Mineral Wool Manufacturing Co., A-20 (2nd phase), Industrial Arca, Adityapur, Jamshedpur (Bihar).	Unbonded rock and slagwool for thermal insulation type: I Loose rock and slagwool— IS: 3677—1973
38.	CM/L-5209 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	Rajasthan State Mines & Minerals Ltd., (A Govt. of Rajasthan Under- taking), Suratgara Rly. Station, (Rajasthan).	Gypsum for agricultural use— IS: 6046—1971
39.	CM /L-5210 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	Rajasthan State Mines & Minerals Ltd., (A Govt. of Rajasthan Under- taking), Hanuman Garh Town Sid- ing in Rajasthan.	Gypsum for agricultural use IS: 6046—1961
40.	CM /L-5211 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	Krishi Chemico, Sundar Nagar, P.O. Mithanchak, Patna-800008.	BHC DP— IS:561—1972
4 .	CMI/L-5212 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	Sundershan Timber Trading Co., 2, Sova Bazar Street, Calcutta-700005. (Office: 25A, Swallow Lanc, Calcutta- 700001)	Tea-chest metal fitting: - 1S: 101970
42.	CM/L-5213 1976-05-14	1976-05-16	1977-07-15	Agarwal Steel Industries, Marol Morshi Road, Marol, Andheri (East) Bom- bay-400059. (Office: Kasara Street, Darukhana, Bombay-400010).	Structural steel (ordinary quality)— IS: 1977—1975
43.	CM/L-5214 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	Sri Vijaydurga Pulverising Mills, Siruguppa Road, Avummabhavi, Bellary-583101.	Endosulfan EC— IS: 4323—1967

1	2	3	4	5	6
44.	CM/L-5215 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	Deversons Pvt. Ltd., No. 10 Municipal Industrial Estate, Bapu Nagar, Ahmedabad-380023.	Ponceau 4R food grade— IS: 2558—1974
45.	CMI/L-5216 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	Asian Colour Co., C.I.D.C. Shed 'L' Type 136, Odhav, Ahmedabad-380001	
46.	CM/L-5217 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	Jai Kisan Agro Chemical of Jamsar, Bikaner, (Rajasthan).	Gypsum for agricultural use— IS: 6046—1971
47.	CM/L-5218 1976-05-14	1976-05-16	1977 - 05-15	Indo Lowerubrau Breweries Ltd., 13/1 Mathura Road, Faridabad (Haryana)	Beer— 1S: 3865 1966
48.	CM/L-5219 1976-05-14	1976-05-16	1977-05-15	Alembic Glass Industries Ltd., Main Road, Whitefield P.O. Distt Banga- lore (Karnataka).	Glass milk bottles 500 ml size— IS: 1392—1971
49.	CM/L-5220 1976-05-14	1976-04-01	1977-03-31	Khoday Brewing and Distilling Industries Pvt. Ltd., No. 11, Race Course Road, Bangalore-9. (Office: No. 10, 1st Main Road, Gandhinagar, Bangalore-9).	Gir – IS: 4100—1967
50.	CMI/L-5221 1976-05-14	1976-04-01	1977-03-31	-do-	Rum— IS: 3811—1966
51.	CM/L-5222 1976-05-14	1976-04-01	1977-03-31	-d0-	Brandies— IS: 4450—1967
52.	CM/L-5223 1976-05-14	1976-04-01	1977-03-31	-do-	Whiskies 1S: 44491967
53.	CM/L-5224 1976-05-14	1976-04-01	1977-03-31	Khoday Brewing and Distilling Industries Pvt. Ltd (Brewery Division) 7th Mile, Kankapura Road, Bangalore-11. (Office: 10, 1st Main Road, Gandhinagar, Bangalore-9).	Beer— IS: 3865—1966
54.	CM/L-5225 1976-05-21	1976-06-01	1977-05-31	National Jute & Plastic Products, G.S. Road, Dispur, Gauhati-781005 (Assam).	Laminated jute bags for packing fertilizers— IS: 7406-1974
55.	CM/L-5226 1976-05-21	1976-06-01	1977-05-31	The Naihati Jute Mills Co. Ltd., Hazinagar, 24 Parganas. Office: 7 Hare Street (4th Floor), Calcutta-700001.	Jute fabric for fertilizer bag— IS: 7407—1974
	CM/L-5227 1976-05-21	1976-05-16	1977-05-15	Broad way Engineering & Transport Co., 164, Patel Road, Coimbatore-641009.	Three-phase induction motors upto and including 5.5 kW (7 5 HP) with class 'A' insulation— IS: 3251970
57.	CM/L-5228 1976-05-21	1976-06-01	1977-05-31	Dipak Timber Industries, 3/2/C Gurudas Dutta Garden Lane, Calcutta-700004.	Tea-chest panels— IS: 10—1970
	CM/L-5229 1976-05-21	1976-06-01	1977-05-31	Partap Steel Rolling Mills Pvt, Ltd., Industrial Area, Patancheru, Modak Distt. (A.P.)	Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (standard quality)—IS: 6914—1973
59.	CM/L-5230 1976-05-21	1976-06-01	1977-05-31	Partap Steel Rolling Mills Pvt. Ltd., Industrial Area, Patancheru, Modak Distt. (A.P.).	Carbon steel cast billet ingot for re-rolling into structural steel (ordinary quality)—IS: 6915—1973
60.	CM/L -5231 1976-05-21	1976-05-01	1977-04-30	Steel Tubes of India Ltd., Station Road, Dewas-455001 (M.P.)	Steel tubes for automotive purposes— Grade ERW-J only— IS: 30741965
61.	См/L-5232 1976-05-21	1976-05-16	1977-05-15	Bombay Chemicals Pvt. Ltd., 19, Victoria Road, (Low Level), Mazagaon, Bombay-400010.	Pyrethrum EC— IS: 4808—1968
62.	CM/L~5233 1976-05-21	1976-06-01	1977-05-31	Agroaids Pesticides, 2 Industrial Estate, Vidisha (M.P.)	JS: 561—1972
63.	CM/L~5234 1976-05-21	1976-04-16	1977-04-15	Swarup Chemicals, Water Works Road, Alsh Bagh, Lucknow-226004.	BHC WDP- IS: 562—1972

1	2	3	4	5	6
	CM/L -5235 1976-05-21	1976-06-01	1977-05-31	Dabros Industrial Co. Pvt. Ltd., 108, Biron Roy Road, West, Calcutta- 700061.	Hand compression sprayer- IS: 1970 (Pt. 1)—1974
65. (CM*L-5236 1976-05-21	1976-05-01	1977-04-30	Steel Tubes of India Ltd., Station Road, Dewas-455001 (M.P.)	Steel tubes for mechanical & general Engineering purposes, ERW-17 and CEW-17 types— IS: 360!—1966
	CM/L-5237 1976-05-21	1976-0 5- 16	1977-05-1 <i>5</i>	S.S. Enterprise, Bhajan Lal Ka Hata, Near Aisbag Police Outpost, Luck- now-226004. (Office: Seth Bhawan, 21, Tilak Nagar, Lucknow-226004).	Portective helmets for scooter and motor-cycle riders 570, 580, 590 and 600 mm (head from code J, K, L and M)—IS: 4151-1968
	C M /L-5238 1976-05-21	1976-05-16	1977-05-15	Boruka Steel Ltd., Mahadevapura Post, Whitefield Road, Bangalore- 560048.	Steel billets and ingots for the manufacture of volute and helical springs (for railway rolling stock)— IS: 3195—1975
	CM/L=5239 1976-05-21	1976-05-16	1977-05-15	Manik Metal & Trading Co. Pvt. Ltd., Lakhi Industry House & Village Road, L.B. Shastri Road, Bhandup, Bombay-400078.	Anodized aluminium utonsils Grade 19000— IS: 21—1975
-	CM/L-5240 1976-05-21	1976-06-01	1977-05-31	International Pipe Works, 50, Ram Lochanshire Street, Belurmuth How- rah. (Office: 402 Upper Chitpur Road, Calcutta-700007).	Wrought steel pipe fittings bends sockets and nipples upto and including 150 mm— IS: 1239 (Pt. III)—1969
	CM/L-5241 1976-05-28	1 9 76-06-01	1977-05-31	Shroifs Industrial Chemicals Pvt. Ltd., 3-10, G.I.D.C. Area, Vapi, Distt. Bulsar (Gujarat).	Zinc phosphide, technical— IS: 1251—1973
	CM /L-5242 1 9 76-05-28	1 9 76-06-01	1 9 77 - 05-31	Vijai Engg. Works, Bhavnagar Road, Opp. Esso Petrol Pump, Rajkot, (Office: 4, Virani Industrial Estate,	Vertical water-cooled four stroke diese engines of following ratings:
				Dhebharbhai Road, Rajkot-2).	kW R.P.M. Type
					5.38 (8 HP) 850 Single cylinder 11.76 (16 HP) 850 Twin cylinder
					IS: 1601—1960
	CM/L-5243 1976-05-28	1976-06-01	1 9 77 - 05-31	Instruments & Appliances, 5/28, Kirti Nagar, New Delhi-110015.	Clinical thermometer— IS: 3055-1965
	CM/L -5244	1 97 6-06-01	1977-05-31	Centron Industrial Alliance Ltd., Plot No. 2-16 M.I.D.C. Area, Chikal-	Blades, razor safety type-medium stain less steel-
	1976-05-28			(hana, Aurangabad (M aharashtra).	IS: 7371 1975
74.	1976-05-28 CM/L-5245 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	•	
74.	CM/L-5245	1976-06-01 1976-06-01	1 977- 05-31	Modi Steels, Modinagar Distt., (Meerut	Mild steel wire for armouring cables-
74. 75.	CM/L-5245 1976-05-28 CM/L-5246			Modi Steels, Modinagar Distt., (Meerut U.P.) Asha Timbet Trading Co., Saharanpur	Mild steel wire for armouring cables— IS: 3975—1967 Tea-chest battens— IS: 10 (Part III)—1974
74. 75. 76,	CM/L-5245 1976-05-28 CM/L-5246 1976-05-28 CM/L-5247	1 9 76 - 06-01	1977-05-31	Modi Steels, Modinagar Distt., (Meerut UP.) Asha Timbet Trading Co., Saharanpur Road, Yamuna Nagar. Ratan Re-rollers Pvt. Ltd 6/1, Kali Majumdar Road, Ghusury, Howrah. (Office: 4, B.B.D. Bagh (East) Stephen House, 3rd Floor, Room No. 52-55,	Mild steel wire for armouring cables— IS: 3975—1967 Tea-chest battens— IS: 10 (Part III)—1974 Structural steel (standard quality)—

1	2	3	4	5	6
 79.	CM/L=5250 1976405-28	1976-06-01	1977-05-31	The Fertilizer Corpn. of India Limited, (A Govt. of India Undertaking) Hanumangarh Junction, Distt. Sriganga Nagar (Rajasthan).	IS: 6046—1971
80.	CM/L -5251 1976-05-28	[9 76-05-01	1977-05-31	Subbiah Foundary, 4/388, Avanashi Road, Pappanaickenpalayam, Coimbatore-641037.	Three-phase squirrel cage induction motors for centrifugal pumps for agricultural application upto and including 3.7 kW(5HP) rating with class E insulation—IS: 7538-~1975
81.	CM/L-5252 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	Salecha Cable Pvt. Ltd., 22 Industrial Area, Mchatpur Distt. Una (H.P.)	Hard-drawn standard aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead transmission purposes— IS: 398—1961
82.	CMI/L-5253 1976-05-28	{ 9 76-06 - 01	1977-05-31	Domestic Appliances 30-C, Industrial Estate, Birla Nagar, Gwalior-474002 (M.P.).	Domestic pressure cookers, 5 litres and 6.5 litres—18: 2347—1967
83.	CM/L-52 <i>5</i> 4 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	Hindustan Chains Pvt. Ltd., 149, G.T. Road, P.O. Schibabad Ghaziabad- 201005 (U.P.)	Domestic pressure cookers with polished and buffed surfaces 4, 5, 6 and 7 litros—IS; 2347—1974
84,	CM/L-5255 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	Weikfield Products Co. (India) Pvt. Ltd., Weikfield Estate, Nagar Road, Poona-411014.	Amaranth food coloui- IS: 1696—1974
85.	CM/L-5256 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	-do-	Tartrazine food grade— 1S: 1694—1974
86.	CMI/L-5257 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	-do-	Sunset yellow FCF food grade— IS:1695—1974
87.	CMI/L-5258 1976-05-28	(97 6-06-01	1977-05-31	National Pesticides, 5, Industrial Estate, Vidisha (M.P.)	Endrin EC— IS : 1310—1974
88.	CM/L-5259 1976-05-28	1976-06-01	1 9 77-05-31	-do-	DDT EC IS: 633—1956
89.	CM/L-5260 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	Vijayalakshmi Insecticides & Pesticides Pvt. Ltd., Ethakota, Kothapeta Taluk, East Godavari Distt. (A.P.)	BHC DP— IS: 561—1972
90.	CM/L-5261 1976-05-28	1 9 76-06-01	1977-05-31	Bangalore Pesticides Ltd., 10th Milestone, Tumkur Road, Bangalore-562139. (Office: 25/25A, Sankey Road, Bangalore-560052.	GOC WDP 50 percent— IS: 1507—1966
91,	CM/L-5262 1976-05-28	1976-06-01	1977-05-31	Annapoorna Indecticides Industries, Plot No. D-7 & D-8, A.P. Industrial Estate, Nellore-524004.	BHC DP— 1S: 561—1972
92.	CM/L-5263 1976-05-28	1 976 -06-01	1977-05-31	The Ahmedabad Mfg. & Calico Printing Co. Ltd., Anik Chembur—Bombay-400074.	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies 16 mm to 75 mm OD 10kgf/cm² rating and 90 mm to 180 mm OD—10 kgf/cm² rating—1S: 4985—1968
93,	CM/L-5264 1976-05-31	1976-06-01	1977-05-31	Rathi Udyog Ltd., Ispat Nagar Industrial Area, Ghaziabad (U.P.)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS: 1786—1966

नई विल्लो, 1978-02-28

का० आ० 955.—भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), दिनांक 1956-04-07 में प्रकाशित तत्कालीन वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था), प्रधिमुचना संख्या एस० प्रार० ध्री० 806, दिनांक 1956-03-20 का प्रधिक्रमण करते हुए, भारतीय मानक संख्या द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि पिटवां एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्र धातु में सम्बन्धित मानक चिद्ध लगाने की फीस में कुछ परिवर्तन किया गया है। यह परिवर्तित कीम जिसके ब्यौरे नीचे धनुसूची में दिए गए हैं, 1978-10-01 से लागू होगी :—

अनसची

क्रम वस्तु/वस्तु की श्रेणी संक्या	नस्यम्बन्धी भारतीय मानक की पदसंख्या ग्रीर भीषंक	इकाई	मुहर लगाने की प्रति इकाई फीस
पिटवां एलुमिनियम श्रौर एलुमिनियम सिश्र धातु की चहर ग्रौर पत्नी (सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए)		एक मीटरी टन	 पहली 2000 इकाईयों के लिए द० 2,00 प्रति इकाई; ग्रगली 2001वों से 7000 इकाइयों तक द० 1.00 प्रति इकाई; ग्रौर गोष 7001वी ग्रौर इससे ऊपर की इकाइयों के लिए 50 पैसे प्रति इकाई।

[संख्या सी एम की/13: 10]

(Department of Civil Supplies and Co-operation)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi the, 1979-02-28 February 1777

S. O. 955—In supersession of the then Ministry of Commerce and Industry (Indian Standards Institution), notification number S.R.O. 806, dated 1956-03-20, published in the Gazetted of India, Pact 11, Section 3, sub-section (ii), dated 1956-04-07 the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee for wrought aluminium and aluminium alloys has been revised. The revised rate of marking fee, details of which are mentioned in the Schedule given hereafter, shall come into force with effect from 1978-10-01:-

SCHEDUI E

SI. Product/Class of Product No.	No. & Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
1. Wrought aluminium and aluminium alloys, Sheet and strip (for general engineering purposes)		Onc Tonne	 (i) Rs. 2.00 per unit for the first 2000 units; (ii) Rc. 1.00 per unit for the 2001st to 7000 units, and (iii) 50 Paise per unit for the 7001st unit and above.

[No. CMD/13:10]

का० आ० 956 —भारत के राजपल भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), दिनांक 1956-04-07 में प्रकाशित तस्कालीन वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था, प्राग्निस्था, प्राग्निस्था एस० आर० थ्रो० 805, दिनांक 1956-03-20 का प्रधिक्रमण करते हुए, भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिस्चित किया जाता है कि पिटवां एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्र धानु से सम्बन्धित मानक चिह्न में कुछ परिवर्तन किया गया है जिसकी परिवर्त्तित डिजाइन भीर शास्त्रिक विवरण तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक महिन तीचे प्रनुसुची में दी गई है:

भारतीय मानक संस्था (पमायान चिह्न) प्रधिनियम, 1952 और उसके प्रधीन बने नियमों के निमित्त यह मानक चिह्न 1978-10-01 से लागु होग्र∦

अनुसूची

कम भानक चिह्न संख्या की डिजाइन	•	तरसम्बन्धी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	मानक जिल्लाकी डिजाइन का शास्त्रिक विवरण
	णिटवा एलुमिनियम ग्रौर एलुमिनियम IS मिश्र धातु की चहुर ग्रौर पत्ती (नामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए)	: 737—1974 पिटवां एल्किनियम ग्रीर एल्किनियम मिश्र धातु की चहर ग्रीर पत्ती (सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए) की विशिष्टि (बूसरा पुनरीक्षण)	"ISI" शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में

[संख्या सी एम की/13:9]

ए॰ पी० बनर्जी, उपमहानिवेशक

S.O. 956.—In supersession of the then Ministry of Commerce and Industry (Indian Standards Institution) notification numbers. R. O. 805, dated 1956-03-20, published in the Gazette of Urdia, Part II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1956-04-07, the Indian Standards Institutions hereby notified that the Standard Marks for wrought aluminium and aluminium alloys have been revised, the revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and Verbal Description of the design is given in the following Schedule.

This Standard Mark for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1978-10-01:

SCHEDULE

SI, Design	n of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. & Title of the Relevant V Indian Standard	erbal Description of the Design of Standard Mark
1.		Wroght aluminium and Alumin ium alloys, sheet and strip (for general engineering pur- poses)	wroght aluminium and alumi-	Standards Institution, con- r sisting of letter 'ISI' drawn in

[No. CMD/13:9]

A. P. BANERJI, Deputy Director General

उद्योग संत्रालय (मारी उद्योग विभाग) मादेश

नई निल्ली, 28 फरवरी, 1979

का० आ० 957/शि० एस०/की० |सी०/एक० आई०/79.— उद्योग (विकास एवं विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की छारा 6 द्वारा प्रवत्त सिन्सयों का प्रयोग करते हुए एवं विकास परिषद् (कार्यविधिक) नियमावली, 1952 के नियम 2, 4 भौर 5 के साथ पढ़ते हुए, केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग तथा नागरिक पूर्वि मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) के घावेश सं० का० आ० 2758, विनोक 19 जुलाई, 1976 समय-समय पर यथासंशोधित द्वारा नियुक्त किए गए सदस्यों, जिनका कार्यकाल समाप्त हो गया है, के स्थान पर निम्नलिखन व्यक्तियों को तुरस्त प्रभाव से 2 वर्ष के लिए वस्त्र मणीनों के निर्माण सप्या उत्पादन में लगे धनुसुचित उद्योगों की विकास परिषद् का सदस्य नियुक्त करती हैं—

वस्त्र मणीन उच्चोग की विकास परिषद्	विकास	की	उचाग	मगीन	वस्त्र
------------------------------------	-------	----	------	------	--------

≒स० सं∘	नाम नाम	प्रतिनिधित्व
1	2	3
1.	श्री बी ॰ क्रष्णमूर्ति, सचिव (भारी उद्योग)	भ्रष्यक
2.	भी ए०एफ० कुटो, संगुक्त सचित्र (भागी उच्चोग)	सदस्य-सन्त्रिव
3.	श्री एम०सी० सुबर्णा, वस्त्र भायुक्त,	
	पी०बी० गं० 11500, वंबई-20	मदस्य
4.	श्री एम० सत्यपाल, सलाहकार,	
	योजना भागोग,	
	श्राई० एष्ड एम० डिवीजन	सदस्य
5.	श्री भार० श्रीनिवासन,	
	विकास प्रायुक्त (हयकरवा),	
	नई विल्ली	सबस्य

2	3
. विस्तीय संस्था का प्रतिनिधि,	
जिसे भाई० डी० बी० भाई० द्वारा	
नामित किया जायेगा	सदस्य
श्री प्रतुल के० भगवती,	
भध्यक्ष, वस्त्र मशीन निर्माता संघ,	
53, मित्तल चैम्बर,	
5वी मंजिल, नरीमस [ृ] वाइंट,	
बम्बई-21	सदस्य
श्री कें० के० कनोडिया, ग्रध्यक्ष,	
इंडिप्यन जूट मिल एसोसिएशन,	
रायल एक्सचेंज बिल्डिंग,	
6, नेताजी सुभाष मार्ग,	
कलकरता	सदस्य
श्री यु० एम० पटेल, श्रष्ट्यक्ष,	
इंडियन बूलन मिल्स फैडरेशन,	
7वीं मंजिल, चर्च गेष्ट वै स्वर,	
म्यू मेरीन लाइन्स,	
बस्बई-400020	मवस्य
. श्री जगदीश प्रभाद गोयनका, ग्रष्टमका,	
इंडियन काटन मिरुस फडरेश न,	
टेक्सटाइल सेन्टर,	
पी० डी॰, मेलो रोड,	
पूना स्ट्रीट, बम्बर्द	मव स्य
श्री सुरेण एम ः मेहता, भ्रष्ट्यस ,	
इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रोमोशन कौसिल, कलकक्ता	सदस्य
श्री जी० के० देवराजूलू , ग्रध्यक्ष ,	
मे॰ लक्ष्मी मशीन वन्सं लिमिटेड,	
18 शेल हाऊस, प्रवनाशी रोड,	
कोयम्बत्र641018	सदस्य
श्री सुमन्त पटेल, प्रबंध निवेशक,	
मैं । भ्यू स्टैंबर्ब इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड,	
एन० एस० ई० एस्टेंट, गोरेगांव ईस्ट,	
बम्बई-400063	सवस्य

1	2	3
14.	श्री भ्ररविन्व एन० मफ्तलाल, भ्रध्यक्ष	
	मै० नेशनल मशीनरी, मैन्युफैक्चरर्स लिमिटेड,	
	मफ्तलाल हाऊस, चर्चगेट रिक्लेमेशन,	
	यंगई-4 00020	सदस्य
15.	श्री ए० टी० भोसले, महामंत्री,	
	राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ,	
15.	श्री ए० टी० भोसले, महामंत्री,	

जी० थी० धम्बेकर मार्ग, पारेल, बम्बई-12 श्री ए० एफ० कुटो, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग

सदस्य

श्री ए० एफ० कुटो, संयुक्त समित्र, भारी उद्योग विभाग, नई दिस्ली को एतद्वारा उक्त विकास परिषद् का सजिब नियुक्त किया जाता है। [सं० 2-70/78-एच०एम०(I)]

ए० एक० कुटो, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Heavy Industry) ORDER

New Delni, the 28 th February, 1979

S.O. 937.—I'M/DC/HI/79.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), read with Rules 2, 4 and 5 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1962, the Central Government hereby appoints, for a period of two years with immediate effect the following persons to be members of the Development Council for the Scheduled Industries engaged in the manufacture or production of Textile Machinery, in place of members appointed under the Government of India in the late Ministry of Industry & Civil Supplies (Department of Heavy Industry). Order No. S.O. 2758, dated the 17th July 1976, as amended from time to time, whose tenure of office has expired.

DEVELOPMENT COUNCIL FOR TEXTILE MACHINERY INDUSTRY

	INDUSTRI	
Sl. No	Name	Represent
1	2	3
1.	Shrl V. Krishnamurthy, Secretary (HI)	Chairman
2.	Shri A.F. Couto, Joint Secretary (HI)	Member/
		Secretary
3.	Snri M.C. Subarna, Textile Commissioner, P.B. No. 11500, Bombay-20.	Member
4.	Sari M. Satyapal, Adviser Planning Commission, I&M Division.	Member
5.	Shri R. Srinivasan, Development Commissioner, (Handlooms), New Delhi.	Member
6.	Representative of the Financial Institution to be nominated by IDBI.	Member
7.	Shri Atul K. Bhagwati, Chairman, Textile Machinery Manufacturers' Association, 53, Mittal Chambers, 5th Floor, Nariman Point, Bombay-21.	Member
8.	Shri K.K. Kanoria, Chairman, Indian Jute Mills Association, Royal Exchange Building, 6, Netaji Subhas Road, Calcutta.	Member
	Shri U.M. Patel, Chairman, Indian Woollen Mills' Federation, 7th Floor, Churchgate Chambers, New Marine Lines, Bombay-400020. 65 GI/78—6	Member

_1	2	3
10	Shri Jagdish Parsad Goenka, Chairman, Indian Cotton Mills' Federation, Textile Centre, P.D. Mellow Road, Poona Street, Bombay.	Member
11,	Shri Suresh M. Menta, Chairman, Engineering Export Promotion Council, Calcutta.	Member
12.	Shri G.K. Devarajulu, Chairman, M/s. Lahshmi Machine Works, Ltd., 18, Shell House, Avanashi Road, Coimbatore-641018.	Member
13.	Snri Sumant Patel, Managing Director, M/s. New Standard Engineering Company Ltd., NSE Estate, Goregaon East, Bombay-400063.	Member
14.	Stri Arvind N. Mafatlal, Chairman, M/s. National Machinery Manufacturers Ltd., Mafatlal House, Churchgate Reclamation, Bombay-409920.	Member
15.	Shri A.T. Bhosle, General Scoretary, Rashtria Mill Mazdoor Sangh, G.D. Ambekar Marg, Parel, Bombay-12.	Member

Shri A.F. Couto, Joint Secretary, Department of Heavy Industry, New Delhi, is hereby appointed to carry on the functions of Secretary of the said Development Council.

[No. 2-70/78 **HM(I)**]

A.F. COUTO, Jt. Secy.

आदेश

नहै दिल्ली 5 मार्च 1979

कार शार 958.—केन्द्रीय सरकार विकास परिषष् (प्रक्रिया)
नियम 1952 के नियम 3, 4 धौर 5 के साथ पठित उद्योग (विकास
धौर विनियमन) प्रक्षितियम 1951 (1951 का 65) की धारा 6
द्वारा प्रवल शक्तियों का प्रयोग करते हुए एत्य्द्वारा इस धावेश की तारीख
से वो वर्ष की ध्वधि के लिए निम्निलिखित व्यक्तियों को धाटोमोबाइल
धौर सम्बद्ध उद्योगों की विकास परिषष् का सवस्य नियुक्त करती है,
धर्यात्:—

संस्वत

1 श्री बी॰ कृष्णमूर्ति सचिव उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) नई दिल्ली ।

सबस्य

- 2 श्री राहुल बजाज अध्यक्ष एवं प्रबंध निवेशक मै० बजाज आटो लिमिटेड बम्बई-पूना रोड बाहुर्वी पूणे-411035
- 3 श्री जे० ६० तलोलीकर संयुक्त प्रबंध निवेशक मै० टाटा इंजीनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कम्पनी लिमिटेड बम्बई हाउस 24 होमी मोदी स्टीट बम्बई-400023
- 4 श्री भार० के० शाहनी प्रबंध निवेशक मैं० भशोक लेलैंड लिमिटेड इसीर महास-600057
- 5 श्री धरण किलोंस्कर ध्रध्यक्ष मै॰ किलोंस्कर कुमिन्स लिमिटेब कोठरुव पूणे-411029
- 6 श्री एक पी निषा अध्यक्ष मैं एस्कार्टस लिमिटेड 11 सिंधिया हाउस कनाट सकेंस भई दिल्ली-110001
- 7 क्रिमे० जी० के॰ गोखले प्रध्यक्ष एवं प्रवंध निवेशक मै० भारत प्रथमूनमं लिमिटेड यूनिटी बिल्डिंग, वंगलीर-560002

- 8 अध्यक्ष, एसोसिएशन आफ इण्डियन भ्राटोमोबाइल मैन्युफैक्बरसं, मार्मी एण्ड नेवी बिल्डिंग, 148, महात्मा गांधी मार्ग, फोर्ट, बम्बई-400023
- 9 श्राष्ट्रभा श्राल इण्डिया श्राटोमोबाइल एण्ड एस्सिलरी इण्डस्ट्रीज एसो-सिएशन 80 डा० एनी बेसेन्ट रीज, वर्ली, बम्बई-400018
- 10 श्री ए० एफ० कुटो, संयुक्त सिचव, भारत सरकार उद्योग मैतालय, भारी उद्योग विभाग, नई दिल्ली।
- 11 श्री एम० सत्यपाल, सलाहकार, योजना बायोग, योजना भवन, पालिया-मेंट स्ट्रीट, नई विल्ली।
- 12 श्री कें ० संकरनारायणम, विकास श्रीधकारी (एस० श्री०), तकमीकी विकास का महानिवेशालय, नई दिल्ली।
- 13 निदेशक, श्राटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन भाफ इण्डिया, पोस्ट बाक्स मं० 832, पूणे-411004
- 14 श्री एम० एच० बाजी, महामंत्री (श्राटी उद्योग) बस्बई लेबर यूनियन, 204 राजा राममोहन राय रोइ, धम्बई-400004
- 15 भारतीय भौद्योगिक विकास बैंक का एक प्रतिनिधि

श्री ए० एफ० कुटो, संयुक्त सिषित, उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग), नई दिल्ली को एतद्वारा उक्त विकास परिषद् के कृत्य कार्याणित करने के लिये उसका सदस्य-सचिव नियुक्त किया जाता है।

[फा॰ सं॰ 15(2)/77-ए॰ई॰आई॰(I)] रा॰ कृष्णास्वामी, संयुक्त संविव

ORDER

New Delhi, the 5th March, 1979

8.0. 958.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), read with rules 3, 4 and 5 of the Development Councils (Procedural) Rules 1952, the Central Government hereby appoints, for a period of two years with effect from the date of this Order, the following persons to be members of the Development Council for Automobile and Allied Industries, namely:—

CHAIRMAN:

 Shri V. Krishnamurthy, Secretary, Ministry of Industry, (Department of Heavy Industry), New Delhi.

MEMBERS CAPABLE OF REPRESENTING:

- Shri Rahul Bajaj, Chairman and Managing Director. M/s. Bajaj Auto Limited, Bombay-Poona Road, Akurdi, Pune-411035.
- Shri J. E. Talaulicar,
 Joint Managing Director,
 M/s. Tata Engineering and Locomotive Company
 Limited,
 Bombay House
 24, Homi Mody Street,
 Bombay-400023.
- Shri R. J. Shahaney, Managing Director, M/s. Ashok Leyland Limited, Ennore, Madras-600057.
- Shri Arun Kirloskar, President, M/s. Kirloskar Cummins Limited, Kothrud Punc-411029.
- Shri H. P. Nanda, President, M/s. Escorts Limited, 11, Scindia House, Connaught Circus, New Delhi-110001.
- Brigadier G. K. Gokhale, Chairman and Managing Director, M/s. Bharat Earthmovers Limited,

- Unity Building, Jayachamarajendra Road, Bangalore-560002.
- 8. President,
 Association of Indian Automoblic Manufacturers,
 Army & Navy Building,
 148, Mahatma Gandhi Road, Fort,
 Bombay-400023.
- President, All India Automobile and Ancillary Industries Association,
 Dr. Annie Besant Road, Worll Bombay-400018.
- Shri A. F. Couto, Joint Secretary to the Government of India. Ministry of Industry, Department of Heavy Industry, New Delhi.
- 11. Shri M. Satyapal.
 Adviser,
 Planning Commission.
 Yojana Bhavan,
 Parliament Street,
 New Delhi.
- Shri K. Sankaranarayanan,
 Development Officer (SG)
 Directorate General of Technical Development,
 New Delhi.
- Director, Automotive Research Association of India, Post Box No. 832 Pune-411004.
- Shri M. H. Baji, General Secretary (Auto Industry), Bombay Labour Union, 204, Raja Ram Mohan Roy Road, Bombay-400004.
- A representative of the Industrial Development Bank of India.

Shri A. F. Couto, Joint Sceretary, Ministry of Industry (Department of Heavy Industry), New Delhi, is hereby appointed to carry out the functions of the said Development Council as Member-Secretary.

[F. No. 15(2)/77-AEI(I)] R. KRISHNASWAMY, Jt. Secy.

(बोडोगिक विकास विभाग) नई दिल्ली, 1 मार्च, 1979

का० छा० 959.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थाम (मप्राधिकृत प्रक्षिप्रोगियों की वेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 झारा प्रदत्त सिक्तयों का प्रयोग करते हुए, नीचे सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित मधिकारी को, जो निगमित प्राधिकरण का, सरकार के राजपित अधिकारी की पंक्ति के समनुष्य मधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा भधिकारी के रूप में नियुक्त करती है मौर यह भी निवेश वेती है कि उक्त सम्पदा मधिकारी, उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिविष्ट सरकारी स्थानों के प्रवर्गों की बाधत अपनी मधिकारिता की स्थानीय सीमाधों के भीसर, उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन प्रदक्त सक्तयों का प्रयोग करेगा और अधिरोपित कर्तव्यों का पाशन करेगा।

सार	ए ।
ग्रधिकारी का पदाशिष्ठान	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग धीर प्रक्षिकारिता की स्थानीय सीमाएँ
(1)	(2)
श्री जे० एन० मल्होत्ना, घपर प्रबंधक, (प्रशासन) इन्स्ट्रू मेंशन लिमिटेड, कोटा	उक्त कम्पनी की कोटा टाउनशिप में, इन्स्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड के या उसके बारा या उसकी झोर से पट्टे पर लिये गये सभी स्थान।

[फा० संब्धाई व्हान (24)/78] भीव्यारव्यारव्यासंगर, संयुक्त सचित्र

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 1st March, 1979

S.O. 959.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an officer of the corporate authority equivalent in rank to a gazetted officer of Government, to be estate officer for the purposes of the said Act, and further directs that the said estate officer shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on estate officers by or under the said Act, within the limits of his jurisdiction in respect of the categories of public premises specified in column (2) of the said Table.

Designation of the officer Categories of public premises and local limits of jurisdiction 1 2 Snri J.N. Malhotra Additional Manager, (Administration), Instrumentation Limited, Kota. All premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Instrumentation Limited, in the KOTA TOWNSHIP OF the said company.

पॅट्रीलयम रसायम और उर्वरक मंत्रालय

[File No. 1ME-41(24)/78] B.R.R. IYENGAR, Jt. Secy.

(पेद्रीलियम विभाग)

नई विल्ली, 28 फरवरी, 1979

का० आ० 960.— यतः पेट्रोलियम श्रीर खिनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार श्रजंन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम श्रीर रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की श्रधिसुचना का० श्रीठ संठ 2613 तारीज 11-8-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधि- भूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनो को विछाने के प्रयोजन के लिए श्रित करने का अपना श्रामय घोषित कर दिया था;

भीर गतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त स्रधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के स्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे वी है;

भीर भागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के परचाल् इस मधिसूचना में संवय्न मनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार भ्राजित करने का विनिश्चय किया है;

मब अनः उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा शोधिन करती है कि इस प्रधिसूचना में मंनरन प्रनुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एत्द्दारा प्रजित किया जाता है:

भीर आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवन्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देनी है कि उक्त भूमियों में उप-योग का ब्रविकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय नेल भीर प्राकृतिक गैस द्वायोग में सभी बाघायों से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप मं० जे० ए**घ० बी० से जी० जी०** एस सानन्त-12 तक पाइप बिछाने के लिए ।

राज्यः गुजरात	जिलाः मेहमान	Г	দালু	काः कड़ी
गांव	बलाक मं०	हेफ्टेयर	एम्रारई	सेन्टीयर
बोरीसना	555/2/1	0	03	00
	5 5 5 / 2 वी	O	03	30
	555/2/1	0	04	80
	554/1	0	05	10
	554/2	0	04	05
	553/2	0	22	65
	553/4	0	01	65
	551/4	0	04	7 5
	550	0	07	21
	सर्वोगं०			
भावंज	1826	0	02	89
	1825/1	0	10	20
	1832	0	06	53
	1833	0	17	10
	1835	0	10	35
	1802	0	05	70
	कर्ट ट्रेफ	0	01	84
	1813	0	07	65
	1809/1	0	26	40
मेरडा	167	0	21	60
	99	0	11	65
	98	0	05	40
	97	0	12	30
	93/2	0	09	30
	92/0	0	05	25
	92	0	18	15
	92/1	0	01	00
	80	Ü	13	05
	193	0	07	95

[सं० 12016/7/78-प्रो**०-I]**

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS & FERTILIZER

(Department of Petroleum)

New Delhi the 28th February, 1979

S.O. 960.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 2613 dated 11th August, 1978 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. JHB TI GGS Sababd-12.

State : Gujarat	District : 1	Mehsana	Taluka	: Kadi-
Village	Block No.	Hectare	Are	Centi- are
Borisana .	. 555/2/1		03	00
	555/2B	0	03	30
	555/2/1	0	04	80
	554/1	0	05	10
	554/2	0	04	05
	553/2	0	22	6 5
	553/4	0	01	65
	551/4	0	04	75
	550	0	07	21
	SURVEY NO.			
Adraj .	. 1826	0	02	89
	1825/1	0	10	20
	1832	0	06	53
	1833	0	17	10
	1835	0	10	35
	1802	0	05	70
	Cart track	0	01	84
	1813	0	07	65
	1809/1	0	26	40
Morda .	167	0	21	60
	99	0	11	65
	98	0	05	40
	97	0	12	30
	93/2	0	09	30
	92/9	0	05	25
	92	0	18	15
	92/1	0	01	00
	80	0	13	05
	193	0	07	95

[No. F. 12016/7/78, Prod.-I]

का० आ० 961. — यतः पेट्रोलियम घौर खनिज पाइपलाइम (धूमि के उपयोग के धिकार घर्जम) घिष्टिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के घधीन भारत सरकार के पेट्रो-लियम घौर रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की घिधसुचना का० सं० 3600 तारीख 25-11-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार में उस घषि-सुचना से संलग्न घनुसूची में विनिद्दिष्ट भूमियों के घिषकार को पाइपलाइमों को बिछाने के प्रयोजन के लिए घणित करने का घपना घाष्य चौषित कर दियाया:

गौर यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की जप्रश्चारा (1) के ग्रधीन सरकार की रिपोर्ट वे वी है;

और मागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों मे उपयोग का अधिकार अणित करने का विनिष्णय किया है; भव, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रवक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती हैं कि इस अधिसूजना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्दारा अजित किया जाता है;

श्रीर श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैस श्रायोग में सभी बाधाओं से मुक्त कप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप नं० जे० एस० एम (झालोरा-20) से जी० जी० एस झालोरा तक पाइप लाइन बिछामे के लिए।

राज्य : गुजरात	तालुकाः कड़ी	जिलाः मे हसाम		मे हसामा
गोब	सर्वें भै०	हे <mark>क्ट</mark> ेयर	एमारई ह	भटीयर
माहज	1812	0	03	50
	1813	0	03	00
		(सं॰ 1201	6/7/78—x	îto II]

S.O. 961.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 3600 dated 25th November, 1978 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. JLM (Zalora-20) to GGS Zalora

State : Gujarat	Taluka : Kadi	Dist	rict :	Mehsana
Village	Survey No.	Hectare	Are	Centi- are
Adraj	1812	0	03	50
•	1813	0	03	00
		INO 12014	5/7/70_T	Prod III

[No. 12016/7/78-Prod.-II]

काः अ।० १६२ -- यनः पेटोलियम प्रौर खनिज (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का खर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्री-लियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिमूचना का० भा० सं० 3322 नारीख 30-10-78 ब्राप्त केन्द्रीय सरकार ने उस मधि-सूचना से संलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए प्रजित करने का धपना श्राशय भोषित कर दिया था।

भौर यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

ग्रीर ग्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस ग्रधिसूचना से संलग्न ग्रन्सुची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार ग्रजित करने का विनियनम किया है।

भव, भतः उक्त भिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा अवत शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदहारा घोषित करती है कि इस प्रक्षिसूचना में संलग्न प्रमुखी में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उप-योग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा प्रजित किया जाता है।

भीर भागे उस धारा की उपधारा (4) जारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केस्त्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस भागोग में, सभी बाधायों से मुक्त रूप में, भोवणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

प्रनुस्षी

शी० एस०-शी० एफ० एफ० से जी० जी० एस-I तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिलाः खेडा		तालुका	: मातर	
गवि	सर्वे नं•		एभारई सेन्टीयर		
भवा गाम	110	0	14	78	
	109	0	06	70	
	108	0	04	05	
	107	0	02	55	
	105	0	05	88	
	104	0	15	50	
	कार्ट ट्रेक	0	16	05	
	660	0	05	70	
	657	0	14	55	
	655	0	04	95	
	653	0	10	20	
	651	0	03	30	
	650	0	08	70	
	671/2	0	06	00	
	671/1	0	03	37	
	693	0	03	45	
	कार्ट ट्रेक	0	03	45	
	688	0	06	45	
	689/1	U	06	75	
	690	0	05	85	
	692/1	0	09	90	
	कार्ट ट्रेक	0	02	00	
	740/1	0	02	00	

[सं॰ 12016/8/78-श्रो॰]

S.O. 962.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 3322 dated 30th October, 1978 under Sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Ac', submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE Pipeline from D. S. BFF to GSS-1

State: Gujrat	te: Gujrat Distt.: Kaira	Talı	Matar	
Village	Survey No.	Hectare A	re	Centi- are
Nawagam .	. 110	0	14	78
~	109	0	06	70
	108	0	04	05
	107	0	02	55
	105	0	05	88
	104	0	15	50
	Cart-track	0	16	55
	660	0	05	70
	657	0	14	55
	655	0	04	95
	653	0	10	20
	651	0	03	30
	650	0	08	70
	671/2	0	06	00
	671/1	0	03	37
	693	0	03	45
	Cart-track	0	03	45
	688	0	06	45
	689/1	0	06	75
	690	0	05	85
	692/1	0	09	90
	Cart-track	0	02	00
	740/1	0	02	00
		No. 1201	16/8/78	Prod. II

[No. 12016/8/78-Prod. I]

का० बा० 963.—यतः पेट्रोलियम बौर खनिज (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजैन) प्रधितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की जपकारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायम ग्रौर उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की ग्रध-सुचना का० था० सं० 3063 तारीख 21-10-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस मधिसूचना से सैलग्न सनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइमों की विछाने के प्रयोजन के लिए अजित करने का प्रपत्ना प्राणय घोषित कर विया था।

भौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे वी है।

भीर भागे, यतः केलीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर थिचार करने के पश्चात् इस ग्रधिसूचना सें संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार ग्राजित करने का निनिश्चय किया है।

श्रव, श्रतः उक्त श्रिधित्यम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा श्रवस शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रिधमूचना से मंलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिक्षार पाइपलाइन विष्ठाने के श्रयोजन के लिए एतद्द्वारा श्रक्ति किया जाता है।

श्रीर, श्रागे उस धारा की उपधारा (4) **डारा प्रदेस गक्ति**यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रिधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बनाय इंडियन श्रायल कारपोरेशन लि॰ में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

	प्रनुसू ची			
तहसील : मावू रोड़	जिला : सिरोही		राज्य:	राजस्यान
ग्राम	स्थमरा नम्बर		क्षेत्रफल	
		हेक्टर	बार ई	वर्गमीटर वर्गमीटर
किवरली	833	0	02	53
		[सं० 1202	0/9/78-	-प्रो॰ II]

S.O. 963.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum) S.O. 3063 date 21-10-78 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962) the Central Government declares its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the sald report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification,

Now therefore in exercise of the power confered by Subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines.

And further in exercise of the power conferred by Subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil: Abu Road	District : Sir	ohi ;	State: R	kajasth _{an}
Village	Khasra No.		Area	
		Н.	Α.	Sq.
Klwarli	833	0	02	53
		[No. 120]	20/9/78-F	rodII]

का० आ० 964.— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का ग्रर्जन) ग्राधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन श्रीर उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की ग्रधिस्चना का० ग्रा० सं० 3062 तारीख 21-10-78 ग्रारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्राधिस्चना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्धिष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइपलाइनों को विद्यान के प्रयोजन के लिए ग्राजित करने का श्रीमा ग्राशय घोषिन कर दिया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट वे वी है।

ष्ट्रीर द्यागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस ग्रिधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार ग्राजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की आरा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतवृद्वारा अजित किया जाता है।

भीर, भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का भ्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय इंडियन भ्रायस कारपोरेशन लि॰ में सभी बाबामों से मुक्त कप में, इस भोवणा के प्रकारन की इस तारीब की निहित होगा।

धनुसूची

तहसील : भावू रोड़	जिला : सिरो ही		राज्य:	राजस्यान	
ग्राम	खसश नम्बर	भेक्ष फल			
		हेक्टर	ए भार ई	वर्गमीटर	
मोर	284	0	01	26	
	224	0	02	53	
	214	0	12	65	
	215	0	15	· 18	
	210	0	03	80	
	216	0	02	53	
	197	0	24	03	
	196	0	15	18	
	195	0	06	33	
	194	0	0.5	06	
	193	0	02	53	
	191	0	07	59	
0	187	0	01	26	
	186	0	13	91	
	26	0	07	59	
	28	0	02	53	
ोरण ला	56	0	24	03	
	51	0	11	38	
	46	0	03	80	
	4 5	0	05	06	

[सं० 12020/9/78-प्रो०-I]

S.O. 964.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum) S.O. 3062 dated 21-10-1978 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its itention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore in exercise of the power confered by Subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines.

And further in exercise of the power conferred by Subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tchsil - Abu Road	- Abu Road District: Sirohi			than
Village	Khasra No.	A	гоа	
	-	H.	Α.	Sq. M.
OR	284	0	01	20
	224	0	02	53
	214	0	12	65
	215	0	15	1
	210	0	03	8
	216	0	02	5.
	197	0	24	0
	196	0	15	1
	195	0	06	3
	194	0	05	0
	193	0	02	5
	191	0	07	5
	187	0	01	2
	186	0	13	9
	26	0	07	5
	28	0	02	5
Morthala	56	0	24	0
	51	0	11	3
	46	0	03	8
	45	0	05	0

[No. 12020/9/78-Prod-I]

कां० झा० 965.—यतः पेट्रोलियम झीर खनिज पाइपलाइक (भूमि के उपयोग के झिकार का झर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की झारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की झिस्यूचना का० झा० सं० 2934 तारीख झगस्त, 78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस झिस्यूचना से संलग्न झनुसूची में विनिविच्ट भूमियों के उपयोग के झिकार की पाइप साइनों को विद्यान के प्रयोजन के लिए झिंजत करने का अपना झाशय नौयित कर विया था।

भौर यतः सक्तम प्राधिकारी के उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रश्रीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

भीर आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के परचात् इस ग्राधिसूचना से संलग्न शनुसूची में विनिर्धिष्ट मृमियों में उपयोग का ग्राधिकार ग्राजित करने का विनिण्चय किया है।

भ्रम, मतः मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त शिक्षा का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा घोषित करती है कि इस भ्रिधसूचना में संलग्न धनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतवृद्धारा मजित किया जाता है।

मीर भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश वैती है कि उक्त भूमियों में उप-योग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल धौर प्राकृतिक गैस मायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, बोवणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

मन्यभी

ह्मालोरा जी० जी० एस० से जी० जी० एस० कम जी० सी० एस-एस० भ्राहि० पी० तक पाहप लाहम बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिलाः मेहसाना		तालुका	: कड़ी
गांव	सर्व नं	हेक्टेयर एक	 गर ६ सेन्टी	मीटर
1	2	3	4	5
मेरबा	211	0	0 4	8(
	210	0	15	00
	205	0	06	8
	208	0	00	5
	206	0	15	0
	207	0	06	3
	198	0	03	0
	197	0	04	6
मादरज	860	0	09	3
	861/2	0	00	1
	कार्ट ट्रेक	0	00	9
	1074	0	09	0
	1073/2	0	02	Č
	1075/1	0	04	ε
	1075/2	0	01	ŧ
	1077/1	0	02	1
	10 7 9/पी	0	12	4
	10 7 9/पी	0	02	4
	1081/2	0	09	6
	1083	0	00	2
	10 82/पी	0	11	2
	1087	0	01	6
	1082/पी	0	04	3
	1088	0	08	4
	1099/1	U	11	8
	1098	0	04	9
	1103/2	0	13	0
	1103/1	0	19	2
	1096/2	0	01	5
	कार्ट द्रेय	0	00	٤
	1184	0	08	7
	1182	0	04	1

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
आवरज	1185/1	0	00	40		280	0	07	65
	1181	0	15	15		288	0	11	40
	1180/1	0	02	50		281	O	0.5	85
	1175	0	11	70		282	0	00	50
	1176/3	0	00	55		283	0	14	10
	1176/4	0	16	0.5		224	0	01	50
	1176/1	0	04	95		223	0	19	65
	1169/1	0	20	40		222	0	15	00
	1168/2	0	00	20		209/1	0	23	25
	कार्ट ट्रेक	0	03	75		211	0	04	80
	1269	0	11	25		202	0	03	30
	1270	0	18	75	वडाकी	653	0	09	00
	1279/6	0	03	60	49(4)	6 52	0	06	00
	1279/5	0	02	40		651	0	15	00
	1280	0	22	50		657	0	09	00
	1286/2	0	00	10-		650	0	24	00
	1288	0	06	80		648/1	0	30	00
	1287	0	03	30		669	0	28	0 5
	1289	0	02	85		669/1/ए	0	16	0 5
	कार्ट ट्रेक	0	01	80		कार्ट ट्रेक	0	00	50
	1356/2	0	02	85		तालुकाः कलोल			
	1356/1	0	06	45	स्विपुर	615	0	13	50
	1357	0	00	0.5	614137	615/2 व ी	0	06	45
	1355/2	0	04	35		615/2प	0	06	90
	1354	0	10	26		615/4V	0	10	65
	1364	0	01	26		61 <i>5</i> /4/सी	0	13	50
	1366	0	05	85		615/4/बी	0	11	25
	1367/1	0	06	00		० 1 <i>जा जा</i> या कार्ट द्रेक	0	03	75
	1367/2	0	06 06	00		1063	0	00	50
	1370 1371	0 0	08	45 70		1064	0	41	10
	1372	0	07	80		1066	0	26	40
						1067	0	10	00
मामली मारा	कार्ट ट्रेक	0	00	50		1088	0	09	65
	382	0	14	40		1068	o	21	75
	321	0	02	25		1086	0	00	60
	322	0	10	65		1087	0	24	90
	324	0	07	90		1105	0	23	25
	326	0	01	40		1115	0	14	20
	325 317	0	06 07	15 65		1114	0	21	60
	316	0	14	65 70		1108	0	20	70
	299					1109	0	15	15
		0	01	60		1107	0	60	00
	302	0	05	76		बस्राक नं ०			
	301 300	0	07	50	भीसासन	कार्ट ट्रेक	0	00	60
	298/1	0	07 00	20 75	-tt-tt-tt-t	12	0	11	25
	298/1 304	0 0	04	75 50		कार्ट ट्रेक	0	00	90
	उ०४ कार्ट ट्रेक	0	00	75		11	0	30	00
	274/2	0	09	90		43	o	28	35
	274/1	0	01	80		10	o	05	.25
	274/1 272	0	02	10		9	0	17	55
	273	0	07	50		1	0	00	75
	273 278	0	08	25		59	o	09	45
	279	0	08	25		61	0	10	0.5

()

1185/1

1180/1

1176/3

1176/4

1176/1

1169/1

1168/2

1279/6

1279/5

1286/2

1356/2

1356/1

1355/2

Cart track

Cart track

1	2	3	4	5	1	2	3
		·				1079/P	0
	कार्ट ट्रेक	0	00	90		1079/P	0
	124	0	0.9	90		1081/2	0
	123	0	09	00		1083	0
	122	0	02	00		1082/P	0
						1087	0
	118	0	28	20		1082/P	0
	116	0	15	00		1088	0
	109	0	23	70		1099/1	0
	111	0	09	00		1098	0
	110	0	17	40		1103/2	0
				50		1103/1	0
	105	0	01			1096/2	0
	कार्ट ट्रेक	0	03	15		Cart track	0
			20 4 0/ 4/4			1184	0
		[स॰ 12	20 16/4/	/ A-XI0]		1182	0

S.O. 965.—Whereas by anotification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 2934 dated August 78 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pielines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline. purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE Pipeline from Jhalora GGS to GGS cum GCS at SIP

Pipeline from	Jhalora GGS to GG	6 cum GC	S at S	IP .		1366	0	05	85
State: Gujarat	District: Mehsana	Taluka:	Kadi.			1367/1	0	06	00
Villages	Curre NT-	**				1367 <i>/</i> 2	0	06	00
Alliages	Survey No.	Hec-	Aro	Cen-		1 37 0	0	06	45
		tare		tiare		1371	0	08	70
Merda .	211	0	04	80		1372	0	07	80
	210	0	15	00	Amaliara	. Cart track	0	00	50
	205	0	06	80		382	0	14	40
	208	0	00	50		321	0	02	25
	206	0	15	00		322	0	10	65
	207	0	06	30		324	0	07	90
	198	ō	03	00		326	0	01	40
	197	0	04	65		325	0	06	15
	-21	v	•	05		317	0	07	65
Adraj .	860	0	09	30		316	0	14	70
	861/2	0	00	15		299	0	01	60
•	Cart track	0	00	90		302	0	05	76
	1074	0	09	00		301	0	07	50
	1073/2	0	02	55		300	0	07	20
	1075/1	0	04	80		298/1	0	00	75
	1075/2	0	01	50		304	0	04	50
	1077/1	0	02	10		Cart track	0	00	75

1	2	3	4	5	1	2		3 4	5
	274/2	0	09	90		118		0 28	
	274/1	0	01	80		116		0 15	
	272	0	02	10		109		0 23	
	273	0	07	50		111		0 09	
	278	0	08	25		110 105		0 17 0 01	
	277	0	08	25 65		Cart track		$\begin{array}{cc} 0 & 01 \\ 0 & 03 \end{array}$	
	280 288	0 0	07 11	40		Carr track		-	15
	281	0	05	85			DT - 10	01614170	o nu a di
	282	ŏ	00	50			[No. 12	010/4/78	s-Prod.j
	283	Ö	14	10					
	224	Ó	01	50			.	٠> .	- 1 -
	223	0	19	65		-यतः केन्द्रीय सरकार			
	222	0	15	00	लोकहित में यह आवश्य				
	209/1	0	23	25	मोटबान-1 तक पैद्रोलि			लाइन ते	लि तथा
	211	0	04	80	प्राकृतिक गैस भायोग ३	द्वारा विछाई जानी चा	हिये।		
	202	0	03	30					
Vadavi .	, 653	0	09	00		तिहोता है कि ऐसी ल			
	652	0	06	00	के लिये एतद्उपावद		मि में उपय	ीग का	प्रधिकार
	651	0	15	00	भ्रजित करना भ्रावश्यक	ह है ।			
	657	0	09	00	4.50	• •			
	650	0	24	00		म् भौर खनिज पाइप			
	648/1	0	30	00	ग्रधिकार का श्र र्ज न)ः				
	669	0	28	05	की उपधारा (1) द्वारा	प्रवक्त शक्तियों का प्रय	गोग करते हु	ए केन्द्रीय	सरकार
	669/1/A	0	16	05	ने उसमें उपयोग का ।	प्रधिकार प्रजित करने	का अपना	भागय प	एतवृक्षारा
	Cart track	0	00	50	घोषित किया है।				•
	Taluka: Kalol		,						
Hajipur	615	0	13	50	बशर्ते कि उक्त १	मूमि में हितबद्ध कोई	व्यक्ति, उ	स भूमि	के मीचे
	615/2B	0	06	45	पाइप लाइन बिछाने के	लिये भाक्षेप सक्षम	प्र <mark>धिकारी,</mark> ते	ल तथा	प्राकृतिक
	615/2A	0	06	90	गैस ग्रायोग, निर्माण ग्रौ				
	615/4A	0	10	65	की इस मधिसूचना की				
	615/4/C	0	13	50	का दस आस्त्रीकार का	(1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1)	TO STATE OF	7. (17.11	•
	615/4/B	0	11	25	ग्रीर ऐसा श्राक्षेप	करने वाला हर व्यक्ति	त विनिर्दिष्ट	तः यह १	शी कथन
	Cart track	0	03	75	करेगा कि क्या वह य				
	1063 1064	0	00 41	50	किसी विधि व्यवसायी		3	.,,,,,,	4
	1066	0	41 26	10 40	किया स्वाल क्यानसाला	in and i			
	1067	0	10	00		म नुसूची			
	1088	ő	09	65					
	1068	0	21	75	कूप नं० वालनेरः	1 से मोभा-1 तक	पाइप लाइ	न बिछाने	के लिए
	1086	0	00	60		- 10 5			
	1087	0	24	90	• •	ाःहोसोट जिलाः भार ः			
	1105	0	23	25	गवि	सर्वे नं ०	हेक्ट्रयर	एम्रारई	संटीयर
	1115	0	14	20		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			
	1114	0	21	00	रोहिव	1 ३ ८/पी	0	03	64
	1108	0	20	70		106	0	22	10
	1109	0	15	15		107	0	11	05
	1107	0	60	00		108	0	11	70
	Block No.					114	0	08	45
Bhimasan .	. Cart track	0	00	60		113	0	04	55
211111111111111111111111111111111111111	12	ŏ	11	25					
	Cart track	0	00	90		110	0	01	30
	11	0	30	00		111	0	16	25
	43	0	28	35		47	0	02	60
	10	0	05	25		48	0	12	35
	9	0	17	55		5 5	0	09	36
	1	0	00	75		26 /ए एंड की	0	07	25
	59 61	0	09	45		557	0	08	45
	Cart track	0 0	10 00	05 90		60	0	12	38
	124	0	09	90 90		59	0	03	90
	123	0	09			58/ए एंड बी			
	122	-	09	00			0	03	90
	1 444	0	UZ	00		62	0	12	50

1	2	3	4	5	1	2	3		
	548	0	09	10		60	0	12	
		0	11	05		59	0	03	
	547					58 A&B	0	03	
	5 4 6/Q	0	05	95		62	0	12	
	546 / बी	0	09	75		548	0	09	
	544	0	09	10		547	0	11	
	530	0	08	45		546/A	0	05	
	529	0	11	31		546/B	0	09	
	528	0	10	79		544	0	09	
	516	0	13	65		530	0	08	
	520	0	14	95		529	0	11	
	521	0	13	00		528	0	10	
	497	0	10	01		516	0	13	
	496	0	11	05		520	0	14	
						521	σ	13	
	495	0	04	94		497	0	10	
	494	0	0 7	15		496	0	11	
	493	0	0.8	71		495	0	04	
		[संं○ 1201	6 0/79	-utol		494	0	07	
		[40 1201	0 0/18	-411		493	0	08	

[No. 12016/10/79-Prod.]

S.O. 966.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Walner-1 to Molwan-1 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Acquisition of R.O.U. for well No. Walner-1 to Mohbha-1
State: Gujarat Taluka: Hansot Distt. Bharuch

Village	Survey No.	Hect.	Are	Cen- tiare
1	2	3	4	5
Rohld	, 138/P	0	03	64
	106	0	22	10
	107	0	11	05
	108	0	11	70
	114	0	08	45
	113	0	04	55
	110	0	01	30
	111	0	16	25
	47	0	02	60
	48	0	12	35
	55	0	09	36
	26/A&B	0	07	25
	557	0	08	45

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1979

का० आ० 967 ---यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहिन में यह धावश्यक है कि ग्रोलकी कुप न० 38 में गेलकी जी० जी० एस० नं० 1 के भीच पैट्रोलियम उत्पादों के परिबद्दन के लिए पाइप लाइन तेल एवं प्राकृतिक गैंस धायोग द्वारा बिछाई जार्ना चाहिये।

श्रीर यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध असुसूची में विभिन्न भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

धतः ध्रवः, पैट्रोलियम भौर खितिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रिकार का ध्रजन) ध्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्सयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार ध्रिकार ध्रिकार करने का अपना आणय एतद्वारा घोषित किया है;

उक्त भूमि में हितबढ़ कोई उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए अक्षेप अवर प्रमण्डल पदाधिकारी शिवसागर, असम के कार्यालय में इस अधिनुचना की तारीख से 21 दिमों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा ग्रक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत्।

अनुसूची गेलकी कूप नं० 38 से गेलकी जी० जी० एस० 1 तक की पाइप लाइन

राज्य: भ्रसम	् जिलाः शिवसाय	लुकः ग्राठखेल		
ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक	टर ऐबर _़ से	 न्दीयर
1	2	3	4	5
जु तीया गांव	330ख		2	94
	3 4 3 ख		3	75
	344 ख		0	27
	350 ख		0	80

1	2	3	4	5
	351 ख		1	74
	352 ख		1	47
	340 ♥		3	21
	341 ♥		1	07
	1003 আ		2	68
	31 5 ख		1	61
	354 ₩		3	21

[सं॰ 12018/9/78-प्रो॰i]

New Delhi, the 1st March, 1979

S.O. 967.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Geleki Well No. 38 to Geliki GGS. No. 1 in Sibsagar District, Assam, pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority viz., the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Petroleum Pipeline from Geleki well No. 38 to Geleki GGS
No. 1.

State: Assam	Distt. Sibsagar	Taluk: Athl	: Athkhel			
Village	Survey No.	Hect. Are	Cen	Centiare		
1	2	3	4	5		
Chutia Gaon	. 330 Kha	0	2	94		
	343 Kha	0	3	75		
	344 Kha	0	0	27		
	350 Kha	0	0	80		
	351 Kha	0	1	74		
	352 Kha	0	1	47		
	340 Kha	0	3	21		
	341 Kha	0	1	07		
	1003 Kha	0	2	68		
	315 Kha	0	1	61		
	354 Kha	0	3	21		

[No. 12016/9/79-Prod.]

का० प्रा० 968.—:यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि रुद्धसागर कुप नं० 30 से कुप नं० 1 तक के बीच पैट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल एवं प्राकृतिक गैस ग्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

भौर यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के मायोजन के लिए एतप्उपाबद मनुसूची में बर्जित भूमि में उपयोग का प्रधिकार मर्जित करना मावस्यक है। मतः मन पैद्रोलियम भीर खिनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के मिश्रकार का मज़न) मिश्रिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त सिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का मिश्रकार मिलत करने का भपना भाग्य एतद्धारा धौषित किया है ।

उक्त भूमि में हितबद कोई उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप भवर प्रमाईल पदाधिकारी शिवसागर ग्रसम के कार्यालय में इस प्रशिक्षचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर संकेगा।

ऐसा प्रक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत्

भनुसूची रुद्रसागर कुप नं० 30 से कुप नं० 1 तक की पाइप लाइन

राज्य: ग्रसम	जिलाः शिवसाग	र तालु	कः नगर	महल
ग्राम	सर्वे नम्बर	हेन्टर	ऐय⊹	सेन्टीयर
शिवसागर टाउन	7038₹4		3	88
	7062 ख		3	34
	7040 ख		υ	94
	70 6 0 🖥		15	79
	7098 ख		3	75

[सं० 12016/8/79-प्रो०]

8.0. 968.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Rudrasagar Well No. 30 to Well No. 1 in Sibsagar District, Assam, pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority viz., the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

State: Assam

SCHEDULE

Pipeline from RDS well No. 30 to well No. 1.

Diett: Sibeagar Toluk : Nogarmahal

Dutte. Assam	Distr. Sibagai	Tatuk : Nagarinanai					
Village	Survey No.	Hec- tor	Are	Con- tiare			
1	2	3	4	5			
Sibsagar Town	7038/Kha	0	3	88			
	7062/Kha	0	3	34			
	7040/K ha	0	0	94			
	70 60/Kha	0	15	79			
	7098/Kha	0	3	75			

[No. 12016/8/79-Prod.]

का० आ० 969.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह ग्रावण्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेंद्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाइन इण्डियन ग्रायल कार्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

भीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्उपावद्ध श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्रीजत करना श्रावक्यक है।

ग्रतः ग्रम पैंट्रोलियम और खितिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजंन) अधितियम, 1962(1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त पित्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ग्रिकार प्रजित करने का प्रपना ग्राशय एतद्द्वारा धोषित किया है।

बशतों कि उक्त भूमि में हितबज्ञ कोई व्यक्ति, उस भूमि के तीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, किंडयन भायल कारपीरेणन लिमिटेड, सलाया-मधुरा पाईप लाइन प्रोजेक्ट, वी-18, णियमार्ग, बनीपार्क, जयपुर-6 की इस प्रधिसूचना की नारीख से 21 विनों के भीनर कर सकेगा।

ग्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दर्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिणा हो या किसी विधि क्यवसायी की सार्फत्:---

	अनुसूची			
तहमीलः रायपुर	ाज्य:राजस	श्यान		
 ग्र ा म	ख्रमरा नम्बर	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	ऐयर	वर्गमीटर
बर	516	0	01	63
	550/1634	()	0.4	0.4

[मं॰ 12020/1/79-प्रो॰]

S.O. 969.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali-Mathura Pipeline Project, B-18 Shiv Marg, Bani Park Jainur-6.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SC	HБ	DI	11	F.

Tehsil: Raipur	District: Pali	State:	State: Rajasthan	
Village	Khasra No.		Are	a
		Н.	Α.	Sq.M.
Bar .	516	0	01	62
	550/1634	0	04	04

[No. 12020/1/79-Prod.]

नई विरुली, 2 मार्च, 1979

का॰ धा॰ 970.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह ग्रावण्यक है कि गुजरात राज्य में कृप न० के-127 से जी० भी० एस० 3 तक पेट्रॉलियम के परिवहन के लिये पाईप काईन तेल तथा प्राकृतिक गैंस भ्रायोग द्वारा बिछाई जामी चाहिये।

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों की बिछाने के प्रयोजन के लिये एतव्याबद्ध श्रनुभूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्राधकार श्राजित करना श्रावण्यक है।

अतः अय पेट्रोलियम भीर खानिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदन शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना धाश्रय एतद्वारा घोषित किया है।

बशतें कि उक्त भूमि में हिसबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप मक्षम प्रधिकारी, तेल तथा प्राक्षिक गैन प्रायोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 की इस प्रधिमुचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा ब्राक्षेप करने वाला हुए व्यक्ति विनिधिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह यह चाहता है कि उसकी सुनवार्ट व्यक्तिगत हो या किसी विश्वी व्यवसायी की मार्फन् :—

कूप नं० के-127 से जीं० जी० एस-3 तक पाइप लाइन विछाने के लिए

राज्य:ग्जरास	जिला: मेहसाना	तह	त ड़ी	
र्गाष	मर्वेनं ०	हे <mark>क्टे</mark> यर	 गृंधर	सेग्डीयर
ध -सांपुरा	123	0	15	75
_	124	0	17	5.5
	126	0	05	85
	127	0	10	80
	,			

[सं० 12016/12/79-प्रो०]

New Delhi, the 2nd March, 1979

S.O. 970.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from K-127 to G.G.S. III in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the scheduled annexed hereto;

State: Gujarat

Now, therefore, in exercise of the powers confrred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

District: Mehsana Taluka: Kadi

Pipeline from well no. K-127 to G.G.S. III

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
Ambavpura .	. 123	0	15	75
	124	0	17	55
	126	0	05	85
	127	0	10	80

[No. 12016/12/79-Prod.]

का० आ० 971.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहिन में यह प्रावण्यक है कि गुजरात राज्य में नवागाम में सी०टी० एक० से केलीको मील तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस श्रायोग द्वारा विछाई जानी चाहिये।

और यत:, यह प्रसीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतक्पाबद्ध प्रनुसूची में वॉणत भूमि में उपयोग का श्रधिकार ग्रिजित करना प्रावश्यक है।

ग्रत[.] श्रव पेट्रोलियम **भौ**र खनिज पाईप लाइन (भृमि में उपयोग के अधिकार का श्रर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) ब्रारा प्रदत्त शिक्षतयो का प्रयोग करते हुए केर्न्द्राय सरकार मे उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आगय एतदहारा घोषित किया है।

बगतें कि उक्त भूमि में हितबदा कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचै पाइप लाइन क्षिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस भ्रायोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपूरा रोड, बडोदरा 9 को इस ग्राधसूचना की तारीखा से 21 दिनों के भीतर कर गकेगा।

और ऐसा ब्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टन. यह भी बधन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मृतवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत्।

प्रमुची

जिला प्रहमदाबाद

राज्य : गुजरात

नवागाम सी०टी०एफ० से केलीको मील तक गेस लाइन बिछाने के लिए

तहसील : सहर

गांव	सर्वे नं ०	हेक्टेयर	एम्रारई	 सेंटीयर
I	2	3	4	5
बेहरामपुरा	पिराना रोड सर्वे नं० 138 में	0	02	77.5

1	2	3	4	5
	पिराना रोड सर्वे नं० 225 से 209 तक	0	08	89.5
	पिराना रोड फाईनल प्लाट नं० 100 से 125	0	08	20.5
	रोड नं० 125 से 151	0	10	39.5
	भौर 153 तक	O	00	24
	रोड 153 से केलीको मिल्स के बीच	0	00	24

[सं॰ 12016/11/79-प्रो॰]

S.O. 971.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Nawagam C.T.F. to Calico Mills Gas line in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Nawagam C.T.F. to Calico Mills Gas line

State: Gujarat	District: Ahmedabad	Taluka: City
Village	Survey No.	Hec- Are
		fare

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
Behrampura .	. Pirana Road in survey No. 138 Pirana Road from	0	02	77,5
	Sr. No. 225 to 209 Pirana Road final	0	08	89.5
	plot No. 100 to 125 Road from 125 to	0	08	20,5
	151 & 153	0	10	39,5
	153 Road between 153	0	00	24
	to Calico Mills.	0	00	24

[No. 12016/11/79-Prod.]

का० आर० 972.—सनः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावण्यक है कि गुजरात राज्य में कृप नं० एम० टी० बी० से मोटयान -- 1 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन नेल नथा प्राकृतिक गैस भ्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पावस भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करना ग्रावश्यक है।

ग्रतः ग्रव पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के ग्रधिकार का ग्रजैन) ग्राधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपश्रारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने जममें उपयोग का ग्रधिकार ग्रजिन करने का ग्रपना भागय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्तिन, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये श्राक्षेप सक्षम श्रधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैम श्रायोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकस्पुरा रोइ, बडोदरा-9 को इस श्रधिसूचना की नारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा श्राक्षेप करनेवाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथनं करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुरवाई व्यक्तिगत्त हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत् ।

अनुसूची अरुप नं० ऐम० टी० **बी० से मो**टबान —1

राज्यः गुजरात जिला और मालुका: अंबलेण्यर

गांच	सर्वेक्षण नं०	हेक्टर ए	रभार ईंस	र्देटीयर
मीटवान	217	0	04	5 5
	218	0	11	0.5
	219	0	30	5 5
	212	0	21	84
	211	0	44	8.5
	210	0	01	95
	207	0	01	95
	208	0	13	0.0
	37	0	10	40
	38	0	24	44
	145	0	16	9.0
	144	0	14	36
	35	0	03	90
	48	0	09	10
	49	0	0.8	4.5
	5 0/ए	0	05	20
	5 n/बी	0	07	1.5
	56	0	23	40
	113	0	11	70
	109	0	13	6.5
	116	0	0 1	8 2
	117	0	0 1	8 2
	357	0	0.9	75
	104	0	11	70
	1 0 3/ए	0	08	84
	103/मी	0	06	5 0

[सं॰ 12016/14/79-प्रो]

S.O. 972.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from MTB to Motwan-1 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. for well no. MT.B. to Motwan 1.
State: Gujarat Distt.: Ankleshwar Taluka: Ankleshwar

Village	Survey No.	Hect.	Arc	Cen- tiare
Motwan	. 217	0	04	55
	218	0	11	05
	219	0	30	55
	212	0	21	84
	211	0	44	85
	210	0	01	95
	207	0	01	95
	208	0	13	00
	37	0	10	40
	38	0	24	44
	145	0	16	90
	144	0	14	36
	35	0	03	90
	48	0	09	10
	49	0	08	45
	50/A	0	05	20
	50/B	0	07	15
	56	0	23	40
	113	0	11	70
	109	0	13	65
	116	0	01	82
	117	0	01	82
	357	0	09	75
	104	0	11	70
	103/A	0	08	84
	103/B	0	06	50

[No. 12016/14/79-Prod.]

का शां 973.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं एम टी बी के से मोटनान —1 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक ग्रेस भ्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

धौर यतः यह प्रतित होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन क्षिये एतद्पालक्ष अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः श्रव पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रविकार का अर्जन) श्रविवियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रविकार अर्जिन करने का श्रपना आशय एनद्द्वारा शोषित किया है।

बणतें कि उकत भूमि में हिसबाइ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए ब्राक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैम श्रायोग, निर्माण श्रीर वेखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, घडोवरा-9 को इस ब्रधिसूचना की तारीख से 21 विनों के भीतर कर सकेगा ।

श्रौर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

मनुस्ची

कृप नं० एम० टी० बी० से मोटवान-- । ही इर

राज्यः गुजरात	जिला: भड़ोच		तालुकाः	हांसोट
गांव	ब्लाक नं ०	हेक्टर	एभारई से	न्दीग्रस्
कालम	285	0	08	06
	286	0	02	86
	287	0	08	71
	194	0	10	92
	115	0	11	70
	114	0	13	00
	113	0	07	80
	112	0	05	98
	111	0	07	02
	110	0	07	80
	100	0	29	25
	67	0	59	15
	69	0	13	0.0
	28/ पी	0	03	90

[सं० .12016/13/79/-प्रो०] एस० एम० वाई०, नवीम, ग्रवर सचिव

S.O. 973.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from MTB to Motwan-1 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the scheduled annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. for well no. M.T.B. to Motwan-1 Header

State: Gujarat Distt.; Broach		Taluka: Ha	nsot	
Village	Block No.	Hect.	Are	Cen- tlare
Kalam .	285	0	08	06
	286	0	02	86
	287	0	08	71
	194	0	10	92
	115	0	11	70
	114	0	13	00
	113	0	07	80
	112	0	05	98
	111	0	07	02
	110	0	07	80
	100	0	29	25
	67	0	59	15
	69	0	13	00
	28/P	0	03	90

[No. 12016/13/79-Prod.] S.M.Y. NADEEM, Under Secy.

जर्जा मंत्रालय

(कौयला विभाग)

नई विल्ली, 28 फरवरी, 1979

का० आ० 974.—केश्वीय सरकार ने कोयला वाले खेत (प्रजंन और विकास) भिविष्यम, 1957(1957 का 20) की घारा 9 के श्रधीन जारी की गई, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंग्नन मंत्रालय की प्रिक्षचामां सं० का० श्रा० 231, तारीख 20 जनवरी, 1961 के धनुसरण में, ग्राम डेरा, थाना तलछड़, जिला घेनकनल (उड़ीसा) में 88.461 एकड़ (लगभग) या 35.798 हेक्टेयर माप बाली भूमि ग्रजित कर की है।

और मान केरा के काक जरण पति, सुपुत मतबर पति ने, जो शितमक क्यिक्त है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, उक्त अर्जन में से 1.65 एकड़ या 0.667 हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी को बावा किया है;

भीर क्योंकि इस प्रकार धर्जित भूमि पर दावेदार का हक उड़ी सा सरकार द्वारा स्थीकार नहीं किया जा सका है, इसलिए प्रतिकर की रकम दावेदार को संवत्त नहीं की जा सकी;

श्रतः, प्रवं, केरोप सरकार, कोयला जाले क्षेत्रः (प्रजंत धोर विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) प्रारा प्रदत्त माक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त भूमि में हितबद्ध व्यक्ति के हक का भवधारण करने के प्रयोजनार्थ एक मधिकरण गटित करती है. जिसमें जिला न्यायाधीश हेनकनल होंगे।

[सं० 19/(62)/78-सी॰एल॰(1)]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 28th February, 1979

S.O. 974.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 231 dated the 20th January, 1961 made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 88,461 acres (approx.) or 35,789 hectares in the village Dera, Thana Talcher, District Dhenkanal (Orissa):

And whereas Kanhu Charan Pati S/o Matbar Pati of village Dera, the person interested, has, under section 13 of the said Act preferred a claim to the competent authority for payment of compensation for an area of 1.65 acres or 0.667 hectares out of the said acquisition;

And whereas the title of the claimant over the land so acquired could not be cleared by the Government of Orissa the amount of compensation could not be paid to the claimant;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitute a Tribunal consisting of the District Judge, for the purpose of determining the title of the person interested to the said land.

[No. 19(62)/78-CL(1)]

का० गा० 975. — केन्द्रीय सरकार ने, कीयला वाले केंद्र (ग्रजॅन ग्रीर विकास) भिवित्यम, 1957(1957 का 20) की घारा 9 के भ्रधीम जारी की गई, भारत सरकार के भूतपूर्व खान ग्रीर ईंग्रम मंद्रालय की प्रश्चिम्तवात सं० का० था० 231, तारीख 20 जनवरी, 1961 के धनुसरण में, ग्राम डेरा, थाना तलछ जिला भ्रीतकनल (उड़ीसा) में 88.461 एकड़ (लगभग) या 35.798 हैक्टेयर माथ वाली भृमि ग्रजित कर ली है।

ग्रीर ग्राम डेरा के (1) हरि प्रधान सुपुत्त, जल बंधु प्रधान (2) राम प्रधान सुपुत्र मीरकर प्रधान (3) गक्तिकर प्रधान सुपुत्र पिटबस प्रधान (4) अगयान प्रधान सुपूछ कन्त्रया प्रधान (5) गनेश्वर प्रधाल सुपूछ गोविन्द प्रधान (6) कुत्तर्ठी प्रधान गुपुछ रूपी प्रधान (7) सागरपति सस्मल सुपुछ गिव नागयण सस्मल ने, जो हित्तक्षक ध्यक्ति हैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के प्रधीन उक्त प्रजन में से 0.77 एकड़ या 0.311 हैक्टेयर क्षेत्रफल के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए मक्षम प्राधिकारी की दावा किया है;

भीर इस प्रकार अजित भूमि पर हुक के आरे में तथा अतिकर प्राप्त करने के लिए हुकदार व्यक्तियों में प्रतिकर के प्रभाजन की बाबत भी निवाद है;

शनः, श्रवः, केन्द्रीय सरकार, कायला वाल क्षेत्र (भर्जन भीर विकास) प्रिधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) बारा प्रदन्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए, हितबद्ध व्यक्तियों के हक के प्रवधारण भीर दावें के प्रभाजन के प्रयोजनार्थ एक श्रीधकरण गठिन करती हैं, जिसमें जिला न्यायाधीय, क्षेतकाना होंगे।

[मं० 19(62)/78-सी० एल०(25)]

S.O. 975.—Whereas in pursuance of the notification of the Gvernment of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 231 dated the 20th January, 1961 made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 88-461 acres (approx.) or 37.798 hectares in the village Dera, Thana Talcher, District Dhenkanal (Orissa);

And whereas (1) Hari Pradhan S/o Braj Bandhu Pradhan (2) Rama Pradhan S/o Norakar Pradhan (3) Shaktidhar Pradhan S/o Pitabas Pradhan (4) Bhagwan Pradhan S/o Kandrapa Pradhan (5) Ganeshwar Pradhan S/o Govinda Pradhan (6) Kutarthi Pradhan S/o Rushi Pradhan (7) Sagarpati Sasmal S/ Sib Narain Sasmal of village Dera, the persons interested, have, under section 13 of the said Act, preferred this claim to the competent authority for payment of compensation for an area of 0.77 acre or 0.311 hectare out of the said acquisition;

And whereas there is a dispute as to the title over the land so acquired and also a dispute with respect to apportionment of the compensation amongst the persons entitled to receive compensation;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), for the purpose of determing the title and apportionment of the claim in the interested persons.

[No. 19(62) /78-CL(2)]

का० ग्रा॰ 976.—केन्द्रीय सरकार ते, कोयला बाले क्षेत्र (ग्रार्जन ग्रीर विकास) प्रधिनियम, 1957(1957 का 20) की धारा 9 के अधीन जारी की गई, भारत सरकार के भूतपूर्व खान ग्रीर ईंधन मंझालय की ग्रिक्षिमुचना सं० का० ग्रा॰ 231, नारीख 20 जनवरी, 1961 के प्रमुसरण में, ग्राम डेरा, थाना नलछड जिला-धेनकानाल (उड़ीसा) में 88 461 एकड़ (लगभग) या 35.798 हेक्टेयर माप घाली भूमि ग्राजित कर ली है;

श्रौर ग्राम डेरा के विद्याधर प्रधान सुपुत्र कृष्णा प्रधान ने, जो हितबह व्यक्ति है, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 13 के ग्रिधीन उक्त ग्रामेंने में ने 0.13 एकड़ या 0.05 हैक्टेयर, क्षेत्रफल के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी की यह दावा किया था;

श्रीर उक्त श्रर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की रक्तम करार द्वारा इस लिए नियर नहीं की जा सकी क्योंकि प्रस्थापित प्रतिकर की रक्तम की पर्याप्तना के बारे में बियाद है और इस प्रकार पस्थापित रक्तम कितबद्ध व्यक्ति द्वारा सविरोध स्वीकार की गई है; मतः, पञ्च, केन्द्रीय सरकार, कीयला बाले क्षेत्र (धर्जन झौर विकास) ध्रिधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त मिक्समें का प्रयोग करते हुए, हित्बद्ध व्यक्ति की संदेय प्रतिकर की रकम का भवधारण करने के प्रयोजनार्थ एक घ्रधिकरण गठित करनी है, जिसमें जिला न्यायाधीण, भेनकानास होंगे।

[सं० 19(62)/78-मी० एन० (3)]

S.O. 976.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 231 dated the 20th January, 1961 made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 88.461 acres (approx) or 35.798 hectares in village Dera Thana Talcher, District Dhenkanal (Orissa);

And whereas Bidyadhar Pradhan son of Krishna Pradhan, of Village Dera the person interested have under the section 13 of the said Act, preferred this claim to the competent authority for payment of compensation for an area of 0.13 acre or 0.05 hectare out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by the person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitute a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal, (Orissa), for the purpose of determining the amount of compensation payable to the person interested.

[No. 19(62)/78-CL(3)]

का॰ भा॰ 977.—केन्द्रीय सरकार ने, कीयला वाले क्षेत्र (धर्जन श्रीर विकास) ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन जारी की, भारत सरकार के भृतपूर्व खान भीर ईंधन मंत्रालय की ग्रिधिसूचना मं॰ का॰ भा॰ 231, तारीख 20 जनवरी, 1961 के भृतुसरण में, ग्राम हेरा, थाना तलछड़, जिला घेनकानाल (उड़ीसा) में 88.461 एकड़ (लगभग) या 35.798 हेक्टेयर माप वाली भूमि श्राजित कर सी है;

और ग्राम डेरा के चिंतामणि साहू मुपुत केणब साहू (2) चेतन साहू सुपुत हमू साहू (3) जमुना बेबा धर्मपरनी बिंचिया साहू (4) पंछु साहू सुपुत्र बनवारी साहू (5) मण्डल साहू धौर (6) गुरुदेय साहू दोनों मुपुत्र मिट्ठू साहू ने, जो हिसबद्ध व्यक्ति है, उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त प्रजन में से 0.81 एकड़ या 0.33 हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए प्रसिकर के संदाय के लिए सक्षम प्रधिकारी को दावा किया है;

श्रीर उक्त धर्णन के लिए संदेय प्रतिकर की रकम करार द्वारा इसलिए नियम नहीं की जा सकी क्योंकि प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता के कारे में विवाद हैं श्रीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हिनबद्ध व्यक्ति द्वारा सविरोध स्थीकार की गई है;

श्रतः, श्रव, केन्द्रीय गरकार, कोयका बाले क्षेत्र (श्रर्जन श्रीर विकास) श्रिधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिनबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की रक्तम का श्रवधारण करने के प्रयोजनार्थ एक प्रधिकरण गरिन करनी है, जिसमें जिला न्यायधीण वेनकामाल होंगे।

[सं० 19(62)/78-सी०ए**स०** (4)]

S.O. 977.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 231 dated the 20th January. 1961 made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired

the lands measuring 88.461 acres (approx) or 35.798 hectares in village Dera Thana Talcher, District Dhenkanal (Orissa);

And whereas (1) Chintamani Sahu S/o Keshav Sahu (2) Chaitan Singh S/o Hagru Sahu (3) Jamuna Bewa W/o Bichinda Sahu (4) Panchu Sahu S/o Banwari Sahu (5) Mandal Sahu and (6) Gurudev Sahu both sons of Mithu Sahu of village Dera the persons interested have, under section 13 of the said Act, preferred the claim to the competent authority for payment of compensation for an area of 0.81 acre or 0.33 hectare out of the said acquisition;

Now whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amounts so offered have been accepted by the person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act. 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal. (Orissa), for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. 19(62)/78-CL(4)]

कार भार 978.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला वाले क्षेत्र (प्रजॅन ग्रीर विकास) ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के मधीन जारी की गई, भारत सरकार के भूतपूर्व खान ग्रीर ईंग्रन मंत्रालय की ग्राधिस्चना सं० कार ग्रार, 231, तारीख 20 जनवरी, 1961 के अनुसरण में, ग्राम डेरा थाना तलछड़ जिला भेनकरनाल (उड़ीमा) में 88.461 एकड़ (लगभग) या 35 798 हेक्टेयर माप वाली भूमि भाजत कर ली है।

भीर ग्राम केरा के (1) दण्डधारी प्रधान सुपुत्र लम्बोदर प्रधान (2) महेश चन्द्र प्रधान सुपुत्र संखली मनोहर राय (3) नारायण चन्द्र प्रधान सुपुत्र रामचन्द्र प्रधान (4) राणी बेवा धर्मपरेंगी राम चन्द्र प्रधान (5) निरुप्ता प्रधान (6) निरुप्ता प्रधान दोनों सुपुत्री राम चन्द्र प्रधान (7) ईंग्वर प्रधान (8) जीवन प्रधान (9) देव प्रधान (10) लक्ष्मीधर प्रधान सभी सुपुत्र छत्रा प्रधान (11) ब्रह्मिनी बेवा धर्मपरेंगी छट्वा प्रधान (12) काठी बेहड़ा (13) चक् बेहड़ा (14) निधी बेहड़ा सभी सुपुत्र उच्छ व बेहड़ा (15) बनियाणी बेवा धर्मपरेंगी उच्छव बेहड़ा (16) पच्छी बेवा पुत्री उच्छव बेहड़ा ते, जो हितबाद व्यक्ति है उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के ध्रधीन उक्त प्रजन में से 2.37 एकड़ या 0.959 हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए प्रनिकर के संदाय के लिए मक्षम प्राधिकारी को ध्रपने दाबे किए हैं;

भीर उक्त भर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की रक्षम करार द्वारा इसलिए नियत नहीं की जा सर्का क्योंकि प्रस्थापित प्रतिकर की रकम को पर्याप्तता के बारे में विवाद है भीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा सविरोध स्वीकार की गई है;

भतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार कीयला वाले क्षेत्र (धर्णन भीर विकास) ध्रिधिनियम 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए हितवद्ध व्यक्तियों को संवेय प्रतिकर की रक्षम का श्रवद्यारण करने के प्रयोजनायं एक भिधिकरण गठित करती है जिसमें जिला न्यायाधीण धेकनानाल होंगे।

[सं॰ 19(62)/78-सी॰एल॰ (5)]

S.O. 978.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Euel No. S.O. 231 dated the 20th January, 1961 made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 88.461 acres (approx) or 35.798 hectares in village Dera Thana Talcher. District Dhenkanal (Orissa);

And whereas (1) Dandadhari Pradhan S/o Lambodan Pradhan (2) Mahesh Chandra Pradhan S/o Sankhali Mano-

har Rai (3) Narain Chandra Pradhah S/o Ram Chandra Pradhan, (4) Rani Bewa W/o Ram Chandra Pradhan (5) Nirupma Pradhan (6) Bimala Pradhan both D/o Ram Chandra Pradhan (7) Ishwar Pradhan (8) Jiwan Pradhan (9) Deba Pradhan (10) Laxmidhar Pradhan all S/o Chatura Pradhan (11) Brahmini Bewa W/o Chatwa Pradhan (12) Kutchi Behra (13) Chakru Behra (14) Nidhi Behra all S/o Uchhab Behra (15) Beniani Bewa W/o Uchhab Behra (16) Pechhi Bewa D/o Uchhab Behra of village Dera the persons interested have, under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competent authority for payment of compensation for an area of 2.37 acres or 0.959 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amounts so offered have been accepted by the person interested under protest;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act. 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal, (Orissa), for the purpose of determining the amount of compensation payable to the person interested.

[No. 19(62)/78-CL(5)]

का॰ आ॰ 979---केन्द्रीय सरकार ते, कीयला वाले केल (धर्णन श्रीर विकास) प्रधितियस 1957(1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन आरी की गई, भारत सरकार के भूतपूर्व खान श्रीर ईधन संवालय की प्रिस्चित सं० का॰ धा॰ 231, तारीख 20 जनवरी, 1961 के प्रनुसरण में. ग्रास डेरा, थाना तलछड़, जिला धेनकानाल (उड़ीसा) में 88.461 एकड़ (लगभग) या 35 798 हेक्टेयर माप वाली भूमि प्रजित कर ली है;

श्रीर ग्राम हैरा के (1) चन्द्र गेखार सामंत सुपुत भरत चन्द्र सामंत (2) दुर्देणन मंझी भौर विफल महापान्ना ने, जो हिसबग्र व्यक्ति है उक्त ग्रिधिनियम की धारा 13 के अधीन, उक्त ग्रर्जन में से 0.16 एकड़ या 0.064 हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्तम प्राधिकारी की यह दावा किया है;

श्रीर इस प्रकार अर्जित भूमि में हक ग्रीर अन्य हिन के बारे मे यिवाद है;

अतः, ग्रव केन्द्रीय सरकार, कीयला वाले क्षेत्र (अर्जन ग्रीर विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, हितबद्ध व्यक्तियों के हक के अवधारण और दावे के प्रभाजन के प्रयोजनार्थ एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीय धेनकालाल होगे।

[सं॰ 19(62)/78-सी॰ एस॰ (6)]

S.O. 979.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 231 dated the 20th January, 1961 made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 88.461 acres (approx) or 35.798 hectares in village Dera Thana Talcher, District Ohenkanal (Orissa);

And whereas (1) Chandar Shekhar Samanta S/o Bharat Chandra Samanta (2) Sudarsan Manjhi and Bikal Mahapatra of Village Dera, the persons interested, have, under section 13 of the said Act, preferred this claim to the competent authority for payment of compensation for an area of 0.16 acres or 0.064 hectares out of the said acquisition:

And whereas there is a dispute as to the title over the land and other interested so acquired;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Area

(Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal, (Orissa), for the purpose of determining the title and apportionment of the claim in the interested persons.

INo. 19(62)/78-CL(6)]

का० गा० 980.—केन्द्रीय सरकार ने, कीयला धाले क्षेत्र (अर्जन भीर विकास) अधिनियम, 1957 (1957 की 20) की धारा 9 के प्रधीन जारी की गई, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय की प्रधिसूचना सं० का० ग्रा० 231, नारीख 20 जनवरी, 1961 के भनुनरण में, ग्राम केरा, थाना सलछड़, जिला बेनकानाल (उड़ीसा) में 88 461 एकड़ (लगभग) या 35.798 हेक्टेयर माप वाली भूमि भ्रजित कर ली है;

भीर ग्राम करा के (1) दुर्गोधन सिंह (2) रणजीत सिंह (3) लोक नाथ सिंह (4) विश्व नाथ सिंह सभी सुपुत्र जगन्नाथ सिंह ने जो हिलबद व्यक्ति हैं उक्त अधिनियम की धारा 13 के श्रधीन, उक्त अर्थन में से 0.43 एकड़ या 0.174 हैक्टेयर क्षेत्रफल के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी की दावा किया है;

भीर उक्त धर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की रकम करार धारा इसलिए नियत नहीं की जा सकी क्योंकि प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता के बारे में विवाद है;

मत: श्रव, केन्द्रीय सरकार, कीयला वाले क्षेत्र (श्रर्जन श्रीर विकास) श्रिधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिलबद व्यक्तियों को संवेय प्रतिकर की रकम का श्रवधारण करने के प्रयोजनार्थ एक श्रिधकरण गठित करनी है, जिसमें जिला स्वायाधींश धेनकानाल होंगे।

[सं ० 19 (62) | 78-सी ० एल ० (7)] एस० भार० ए० रिज्ञर्वा, निवेशक

S.O. 980.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 231, dated the 20th January, 1961 made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 88.461 acres (approx) or 35.798 hectares in village Dera Thana Talcher, District Dhenkanal (Orissa):

And whereas (1) Durjodhan Singh (2) Ranju Singh (3) Loknath Singh (4) Biswanath Singh all sons of Jagannath Singh of village Dera, the persons interested, have under section 13 of the said Act, preferred the claim to the competent authority for payment of compensation for an area of 0.43 aere or 0.174 hectare out of the said acquisition;

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation as offered;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act. 1957, the Central Government Itereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal. (Oriesa), for the purpose of determining the amount of compensation payable to the interested persons.

[No. 19(62)/78-CL(7)] S. R. A. RIZVI, Director

(परमास्य अर्जा विभाग)

म्मबर्द, 12 जनवरी, 1979

का० था० 981.—विकिरण संरक्षण नियम, 1971 के नियम 2 के खण्ड (घ) प्रारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग तथा भारत सरकार के परमाणु कजी विभाग की नारीख 13 नितम्बर, 1971 की प्रक्षिमुक्तमा सं०

का० आ० 4084 को ग्रक्षिकांत करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्द्रारा, भारत सरकार के परमाणु कर्जा विभाग के भाषा परमाणु मनुसंधान केन्द्र के विकरण-संरक्षण प्रभाग के प्रधान को, उक्त नियमों के ग्रंतगंत सक्षम प्राधिकारी को प्रदत्त पास्तियों का प्रयोग करने के लिए, सक्षम प्राधिकारी नियुक्त करती है।

[सं॰ 1/9(22)/76-मो॰ एंड॰ एम॰] एस॰ स्वामीनाथन, मबर सविष

(Department of Atomic Energy)

Bombay, the 12th Junuary, 1979

S.O. 981.—In exercise of the powers conferred by clause (d) of rule 2 of the Radiation Protection Rules, 1971, and in supersession of the notification of the Government of India in the Department of Atomic Energy No. S.O. 4084, dated the 13th September, 1971, the Central Government hereby appoints the Head, Division of Radiological Protection, Bhabha Atomic Research Centre, Department of Atomic Energy, Government of India, as the competent authority to exercise the powers conferred on the competent authority by the said Rules.

[No. 1/9(22)/76-O&M] S. SWAMINATHAN, Under Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रासच (बाव्य विसाग)

. घावेश

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1979

का० आ० 982.—अतः केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निवेशालयों, उपाप्ति निवेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा सेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्याक्षों के क्रय, भण्डारकरण, मंजालन, परिवहन, विसरण तथा विकय के क्रव्यों का पालन करना बंद कर विया है जो कि खाद्य निगम प्रक्षिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के क्रत्य हैं।

श्रीर यतः खाद्य विभाग क्षेत्रीय खाद्य निर्मालय उपाप्ति निर्वेशालयों श्रीर खाद्य विभाग के श्रेनन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे श्रीर उपार्विणत कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित श्रिश्वकारियों और कर्म- चारियों ने केन्द्रीय गरकार के तारीख 18 अर्थन, 1971 के परिपत्न के प्रत्युत्तर में उसमें विनिधिष्ट तारीख के अन्यर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने श्रामय को उक्त श्रोविनियम की श्रारा 12ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अनेक्षित सूचना नहीं वी है।

प्रतः भव, खाद्य निगम प्रिधितियम, 1964 (1964 का 37) यथा प्रदारन मंगोधित की धारा 12-ए द्वारा प्रदेल गिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा निम्निलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने वी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानास्तरित करती है :---

क्रम श्रधिकारी/ केन्द्रीय सरकार के स्थानान्तरण के भारतीय **खाध** संख्या कर्मचारी श्रधीन किस पद समय केन्द्रीय सर- निगम कोस्याना-का नाम पर स्थायी है कार के किस पद न्तरण की **तारीख** पर थे

1 2 3 4 5

- 1. श्री सोमनाथ निम्न श्रेणी लिपिक निम्न श्रेणी लिपिक 7-12-1970
- श्री चार० के० उच्च श्रेणी लिपिक उच्च श्रेणी लिपिक 23-4-1970 मानन्द

[स॰ 52/5/79-एफ॰ सी॰ 3] बरुपी राम, उप **सक्विय**

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (Department of Food) ORDER

New Delhi, the 27th February, 1979

S.O. 982-Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directors and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of Food Corporations Act. 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the Circular of the Central Government dated the 16th April. 1971 intimated within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-Section (I) of Section 12-A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

No. the Officer,	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to the FCI
1 2	3	4	5
1. Shri Som Nath	L.D.C.	L.D.C.	7-12-1970
2. Shri R.K. Anand.	U.D.C.	U.D.C.	23-4-1970

[No. 52/5/79-FC-III] BAKHSHI RAM, Dy. Secy.

महिदिल्ली, 5 मार्च, 1979

का० का० 933. - केन्द्रीय भाण्डागारण निगम, भाण्डागारण निगम षाधिनियम, 1962 (1962 का 58) की धारा 42 द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से, केन्द्रीय भाण्डागारण निगम कर्मचारी भिवष्य निधि विनियम, 1960 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:---

- 1. (1) इन विनियमों का नाम, केन्द्रीय भाण्डागारण निगम कर्मचारी भविष्य मिधि (संशोधन) विनियम, 1979 है।
 - (2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।
- 2. केन्द्रीय भाण्डागारण निगम कर्मनारी भविष्य निधि विनियम, (जिसे इसमें इसके पश्चाल् उक्त थिनियम कहा गया है) 1962 के विनियम 3 में खण्ड (ट्रा) के स्थान पर निम्मलिखित रखा जाएगा, प्रथति:---
 - "(मा) 'येतन' के ब्रन्तर्गत, अधिष्ठायी येतन, वैयक्तिक वेतन मीर कार्यकारी भत्ता, मंहगाई भत्ता (जिसके प्रन्तर्गत मंहगाई वेतन भी है) भी है, किन्त इसके अन्तर्गत स्थानीय मत्ता, सकान किराया भत्ता, स्थानान्तरण भत्ता, यात्रा भत्ता, विराम भत्ता या कोई धन्य भत्ता स्रीर पूनः नियोजित व्यक्ति के मामले में उसकी पेंशन, नही **₹**1"

- अन्त विनियमों के विनियम 12 में, उपिश्वनियम (2) के स्पष्टी करण में,---
 - (क) पैरा (ग) का लोग किया जाएगा, और
 - (का) पैरा (ध) को पैरा (ग) के रूप में पुतः सख्यांकित किया
- उक्त विनियमों के विनियम 12क के उपविनियम (3) में, "उस पर भ्याज सहित" शक्दों का कीप किया जाएगा ।
- उक्त विनियमों के विनियम 14 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, ऋषति :----

"14. ब्याज की संगणना

विनियम 11 के श्रधीन प्रोद्रभूत होने वाले व्याज की गणना, उस पूर्ववर्ती मास के घल्त तक, जिसमें संदाय किया जाता है या उस मास के पश्चात् से, जिसमें ऐसी रकम संदेय हो जाती है, छठे माम के अन्त तक, इन प्रविधयों में से जो भी कम हों, की जाएगी।

टिप्पण : छह् मास की अवधि से भ्रागे एक वर्ष की श्रवधि तक, निधि ग्रतिमेष में व्याज का संवाय, प्रबंध निदेशक द्वारा व्यक्तिगत रूप में अपना यह समाधान कर लेने के पश्चात, प्राधिकृत किया जा सकता है कि संवाय में विलम्ब उन परिस्थितियों के कारण हुआ है, जो भ्रभिदाता के नियंत्रण के परे थी धौर ऐसे प्रत्येक मामले में, होने वाले संबंधित प्रशासनिक जिलम्ब की पूर्णतः जांच की जाएगी स्रीर मिन अमेक्षित हो तो, कारवाई भी की आएगी।"

> [सं० एफ० 6-30/77-एस०जी०] ए० के० गाई, उप-सचिव

New Delhi, the 5th March, 1979

- 8.0. 983.—In exercise of the powers conferred by Section 42 of the Warehousing Corporations Act, 1962 (58 of 1962), the Central Warehousing Corporation with the previous sanction of the Cen ral Government, hereby makes the following regulations further to amend the Central Warehousing Corporation Employee's Provident Fund Regulations, 1962, namely :---
- 1. (1) These regulations may be called the Central Ware-housing Corporation Employees' Provident Fund (Amendment) Regulations, 1979.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Central Warehousing Corporation Employees' Provident Fund Regulations, 1962, (hereinafter referred to as the said regulations), in regulation 3, for clause (j), following shall be substituted, namely:---
 - "(j) Pay' includes substantive pay, personal pay and acting allowance, dearness allowance (including dearness pay); but does not include local allowance, house rent allowance, transfer allowance, travelling allowance, halting allowance or any other allowance and in the case of re-employed person his pension.
- 3. In the said regulations, in regulation 12, in Explanation to sub-regulation 2,-
 - (a) paragraph (C) shall be deleted; and
 - (b) paragraph (D) shall be renumbered as paragraph (C).
- 4. In the said regulations, in sub-regulation (3) of regulation 12A, the words "together with interest thereon" shall be
- 5. In the said regulations, for regulation 14, the following shall be substituted, namely : -

"14. Calculation of Interest

The Interest according under Regulation 11 shall be calculated up to the end of the month preceding that in which the payment is made or up to the end of the 6th month after

the month in which such amount becomes payable whichever of these periods is less.

Note:—Payment of interest in the fund balances beyond a period of six months up to a period of one year may be authorised by the Managing Director after he has personally satisfied himself that the delay in payment was occasioned by circumstances beyond the control of the subscriber and in every such care the administrative delay involved in the matter shall be fully investigated and action, if any required taken."

[No. F. 6-30/77-SG] A. K. GARDE, Dy. Secy.

पूर्ति और पूनर्वास मंत्रालय

(पुनेवास विभाग)

नई विस्ली, 19 फरवरी, 1979

का० ग्रा० 984.—निष्कांत सम्पत्ति प्रशासन ग्रिधिनियम, 1950 (1950 का 31) भी धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रवक्त गांकियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वीस विभाग (बन्दोबस्त विभा) में सहायक बंदोबस्त ग्रिधिकारी श्री बी० एन० गुक्त को उक्त श्रिधिनियम द्वारा या उसके अर्धान ग्रिभिरक्षक की साँपे गए कार्यों को निष्पादित करने के लिए सहायक ग्रिभिरक्षक निष्कात सम्पत्ति के रूप में नियुक्त करसी है।

[मं० ए०-36016(1)/79-ए०डी०/जी०जेड०/ए जी जैड/बन्धो०बिंग]

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 19th February, 1979

S.O. 984.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950) the Central Government hereby appoints Shri B. N. Shukla, Assistant Settlement Officer in the Department of Rehabilitation (Settlement Wing) as Assistant Custodian of Evacuee Property for the purpose of discharging the duties imposed on such Custodian by or under the said Act.

[No. A-36016(1)/79-Ad/GZ/AGZ/\$W]

का० मा० 985.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) प्रधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उप-धारा (1) हारा प्रवक्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वास विभाग में महायक बन्दोबस्त प्रधिकारी श्री बी० एन० शुक्ल को उक्त प्रधिनियम द्वारा या उसके प्रधीन ऐसे भ्रधिकारियों को सीपे गए कार्यों को निष्पादित करने के लिए प्रबन्ध ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त करनी है।

[सं॰ ए-36016/1/79-ए डी/जी जैड/ए जी जैड/बन्दो-विंग] दीना नाथ मसीजा, संयुक्त निदेणक

S.O. 985.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabi itation) Act 1954 (No. 44 of 1954) the Central Government hereby appoints Sh. B. N. Shukla Assistant Settlement Officer in the Department of Rehabilitation as Managing Officer for the purpose of performing the functions assigned to such Officers by or under the said Act.

INO, A-36016/1/79-Ad/GZ/AGZ/SW) DINA NATH ASIJA, Joint Director

इस्पात और खाम मंत्रालय

(काम विभाग)

नह विल्ली, 3 मार्च 1979

মৃত্রি গল

का० आ० 986.—दिनांक 6 फरवरी 1979 के भारत के प्रसाधारण राजपक्ष के भाग 2 खण्ड-3, उप-खण्ड (2) के पृष्ठ 139 और 140 पर प्रकाशित भारत सरकार, इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) के सारीख 6-2-1979 के आवेश संख्या का० था० 74 (ध) के हिन्दी पाठ में—

- (1) 18वीं लाइन में "एक्सटूजन" शब्द के स्थान पर "एक्सटूजन" पढ़ा जाए।
- (2) 60वीं लाइन में भन्त में 'प्रतिस्थापित किए जाएंगे' जोड़ें।
- (3) ७७वी लाइन में शब्द 'यथाशीर्घ' के स्थान पर 'यथाशीझ' पढ़ा जाए।
- (4) 74बी लाइन में सब्द 'एल्यूमिनियम् व विनियमन' के स्थान पर 'एल्यूमिनियम विनियमन' पढ़ा जाये।

[सं० 5(90)/78-मैट-1] एस० वरवन, संयुक्त समिन

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 3rd March, 1979

CORRIGENDUM

- S.O. 986.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) No. S.O. 74(E), dated the 6th February, 1979 published at page 140 of the Cazette of India Extraordinary Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 6th February 1979.—
 - (i) in line 5, for the heading "Notification" read "Order";
 - (ii) in line 11, for the word "Alluminium" read "Aluminium";
 - (iii) in line 15, the comma after (Control) shall be deleted.

[No. 5(90)/78-Met.-1] S. VARADAN, Jt. Secy.

नॉबहन और परिचहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नर्व विल्ली, 28 फरवरी, 1979

का० आ० 987. कलकसा डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में और संशोधन करने के लिए स्कीम का एक प्रारूप, डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) प्रधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, भारत सरकार के नौबहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० का० 2437, तारीख 7 अगस्त, 1978 के अधीन भारत के राजपन्न भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (2), तारीख 26 अगस्त, 1978 के पृष्ठ 2323-2325 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें राजपन्न में उक्त श्रिभुचना के प्रकाशन की तारीख से दो मास की अविध की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आक्रीप और पुसाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना यी;

भीर उक्त राज्यस्य, 7 सितम्बर, 1978 को जनता को उपलब्ध करा विया गया था;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप की बाबत जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुक्षाकों पर विकार कर लिया है;

भतः भव, केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त भक्तियों का प्रयोग करते हुए, कलकत्ता बॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1979 में भीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, धर्मातः

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:— (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम कलकता डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन स्कीम, 1978 है।
 - (2) यह राजपन्न में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होगी।
- 2. कलकता डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में, ---
 - (1) खण्ड 18 के उप-खण्ड (2) में, मद (ज) के श्थान पर निम्न-लिखित मद रखी जाएगी, ग्रार्थीत्:---"(ज) श्रेरिक फिटर।"
 - (2) भ्रनुसूची 1 की मद 2 की उपमध (ज) में 'सज्जक' मब्द के स्थान पर 'डेरिक फिटर' मब्ब रखे जाएंगे।
 - (3) ध्रतुसूची 6 में,
 - (1) मद 2 की उपसद 15 में, 'सज्जक' मन्द के स्थान पर 'डेरिक फिटर' शब्द रखें आएंगे;
 - (2) मद 2 की उपमद 16 में, 'सज्जको के टिन्डल' शब्दों के स्थान पर 'डेरिक फिटरों के टिन्डल' शब्द रखी जाएंगे।
 - (3) मद 3 की उपमद (7) में, 'सज्जक' शब्द के स्थान पर 'बेरिक फिटर' शब्द रखे जाएंगे;
 - (4) मद 6 की उपमद (4) में और उसके प्रधीन टिप्पण में, जिन को स्थानों पर शब्द 'सज्जक' ग्राया है, उसके स्थान पर 'शैरिक फिटर' शब्द रखें आएंगे;
 - मिम्नलिखित ग्रनुसूची १ अन्त में ग्रन्तस्थापित की जाएगी अर्थात् :~

अनुसूची 7

डेरिक फिटरों के कर्सव्य श्रीर कृत्य:

- (क) पोत के पहुंचने पर कार्य के लिए डेरिक लगाना धीर कार्य के दौरान डेरिकों की स्थिति में यथा धपेक्षिप परिवर्तन करना।
- (ख) जलयान—कार्य पूरा हो जाने पर डेरिक को असिष्जित करना ग्रीर यथा ग्रावण्यक बूम की बोर्ड में ले जाना।
- (ग) मौभरण गियरों को हुकों में ओड़ना या उनसे पृथक करना और अमिजित गियरों का यथा भावस्थक प्रयोग करना।
- (स) यद्या ग्रापेक्षित में प्रेप्रेजर वांध द्वारों भौर गहन टैंकों को खोलना श्रीर बन्द करना !
- (क) फलकों के भीतर स्थोरा को भसीटने के लिए सम् खण्डों को लगाना भीर हटाना भीर इससे सम्बन्धित भन्य कार्य करना।
- (च) उपर्युक्त कार्य के दौरान चिक्किया (विच) चलाना ।
- (छ) स्थारा, भाषान भावि को बांधना भौर खोलना जिसमें बांधने के प्रयोजनायें तार का साइजन भौर बोलल-पेधों को लगाना, सोकल लगाना भादि सम्मिलित है।
- (ज) बोलायमान बूम से कार्य करते समय गई तानमा।
- (झ) ऊपर वर्णित कार्य सम्बन्धित कोई प्रस्य कार्य।

डेरिक फिटरों के टिन्डलों के कर्लव्य और क़रय:

- (क) प्रारम्भ में घीर पारी के दौरान किए जाने वाले कार्य के लिए फोरमैंनों या पर्यवेककों से घादेश लेना ग्रीर डेरिक फिटरो के साथ उसको निष्पादित करना।
- (च) डेरिक फिटरों के कर्तांच्यों में यथा वर्णित पोत के फलक पर डेरिकों को लगाने और डेरिक फिटरों के अन्य कार्य करने का पर्यवेक्सण करना और डेरिक फिटरों के साथ कार्य करना ।
- (ग) बूमों को ऊपर उठाते या नीचे करने समय टिन्डल को चर्चों (विंच) पर होना बाहिए भीर कार्यको सावधानीपूर्वक मिष्पादित करना चाहिए।
- (भ) अपर वर्णित कार्य से सम्बन्धित कोई धन्य कार्य।"

[फा॰ सं॰ एल की सी/12 /78]

वी० शंकरलिंगम, ग्रवर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 28th February, 1979

S.O. 987.—Whereas a draft scheme further to amend the Calcutta Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970 was published as required by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948) at page 2323 to 2325 of the Gazette of India, Part II, section 3. sub-section (ii), dated the 26th August 1978 under notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 2437, dated the 7th August, 1978 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected hereby, till the expiry of a period of two months from the date of publication of the said notification in the Official Gazette:

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 7th September, 1978.

And whereas objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby makes the following scheme, further to amend the Calcutta Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970;

- 1. Short title and commencement.—(1) This Scheme may be called the Calcutta Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1979.
- (2) It shall come into force on the date of its publication in the official Gazette.
- 2. In the Calcutta Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970,—
 - (1) in sub-clause (2) of clause 18, for item (h), the following item shall be substituted, namely:—
 - "(h) Derrick Fitter.";
 - (2) in sub-item (h) of item 2 of Schedule I, for the word 'Rigger', the words 'Derrick Fitter', hall be substituted.
 - (3) in Schedule VI-
 - (i) in sub-item 15 of item 2, for the word 'Rigger' the words "Derrick Fitters" shall be substituted;
 - (ii) in sub-item 16 of item 2, for the words "Tindals of Riggers", the words "Tindals of Derrick Filters" shall be substituted;
 - (iii) in sub-item (vii) of item 3, for the word "Riggers" the words "Derrick Fitters" shall be substituted;

- (iv) in sub-item (v) of item 6 and in the Note thereunder, for the word "Riggers" in the two places where it occurs, the words "Derrick Fitters" shall be substituted;
- (4) the following Schedule VII shall be inserted at the end, namely:—

SCHEDULE VII

Duties and Functions of Derrick Fitters

- (a) Fixing of derricks for work on arrival of the ship and changing derricks position during the course of work as required.
- (b) Unrigging of derrick upon completion of vessel's work and taking boom in-board.
- (c) Joining or disjoining of stevedoring gears to or from the hooks and handling of rigging gears as necessary.
- (d) Opening and closing the Megreger hatches and deep tanks, as required.
- (c) Fixing and removing of snatch blocks for dragging of cargo inside the holds and performing other connected work in this regard.
- (f) To drive winches during the aforesaid operation.
- (g) Lashing and unlashing of cargo. container etc. including sizing of wire and running through bottle screws, shackling etc. for the purpose of lashing.
- (h) Pulling of guy while working with swinging boom.
- (i) Any other work connected with the operation mentioned above.

Duties and Functions of Tindals of Derrick Fitters

- (a) To take orders from the Foreman or Supervisor for work to be performed at the beginning and during the shift and execute the same along with the Derrick Fitters.
- (b) To supervise and work with the Derrick Fitters for fixing of derricks and performing other job of Derrick Fitters on board the ship as described in the duties of Derrick Fitters.
- (c) While heaving up or lowering of booms. Tindal should be on the winch and execute careful performance of the job.
- (d) Any other work connected with the operation mentioned above".

[File No. I.DC/12/78] V. SANKARALINGAM, Under Secv.

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

न**र्ड दिल्ली, 2 मार्च**, 1979 ^व

का०ग्रा० 988.—यनः 17 विसम्बर, 1978 को इंडियन एयरलाइंस का एक बोइंग 737 विमान वी०टी०ई०ए०एल मद्राम-हैवराबाद-दिल्ली मैक्टर पर प्रनुस्चित उड़ान धाई.सी.-539 का परिचालन करने समय हैदराबाद विमानकेत्र से उड़ान भरने के तुरुन बाद हैवराबाद विमानकेत्र पर ठवन्न हो गया, जिसके परिणामस्वरूप चार व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी (तीन व्यक्ति, जो वहां घाम काट रहे थे तथा एक यात्री विमाम में से अन्नदर बाहर निकलते समय बुरी तरह जल जाने के कारण मर गये):

ग्रौर यतः केन्द्रीय भरकार यह ग्रनुभव करती है कि उक्त दुर्घटना की परिस्थितियों की मौपचारिक जांच करना बांछनीय है;

ग्रतः, ग्रवं वाय्यान नियम, 1937 के नियम 75 द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निवेश कन्नी है कि उक्त दर्षटमा की श्रीपचारिक जोच की जाएं। केन्द्रीय सरकार उक्त जांच करने के लिए ग्रांध्र प्रदेश उच्च न्यायाक्षय के न्यायाधीण, श्री जस्टिस, ए० रचुवीर की नियुक्त करती है।

केन्द्रीय सरकार उक्त जाच करने के लिए ग्रसेंसरों के रूप में कार्य करने के लिए निम्नलिखित को भी नियक्त करती है:---

- (1) श्री ए० वी० वरतक,नागर विमानन के सेवा-निवृक्त उप महानिवेशक,
- (2) विग कमांधर बी० के० धीमान, चीफ टेस्ट पायलैंट, हिंग्युस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, कानपुर डिबीजन,
- (3) कैप्टेन डी॰ दासन, उप-परिचालन प्रवन्धक (मुख्यालय) एयन इंडिया,
- (4) एयर कामोडोर एस० के० जैन, निवेशक, एन०सी०सी० ग्रांध प्रदेण, हैवराबाद।

जांच ग्रदालत 31 मार्च, 1979 तक ग्रपमी जाच पूरी कर लेगी भौर केन्द्रीय सरकार को भ्रपनी रिपोर्ट अस्सूत कर वेगी।

जांच ग्रदालन का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

[फा॰सं॰ ए॰बी॰ 15013/28-78-ए] एस॰ एकाम्बरम, उप सचिव

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 2nd March, 1979

S.O. 988.—Whereas on 17th December, 1978 an Indian Airlines Boeing 737 aircraft VT-EAL, while operating scheduled flight IC-539, on the sector Madras-Hyderabad-Delhi, crashed at Hyderabad Airport immediately after take-off, resulting in the death of four persons (three persons who were cutting the grass and one passenger succumbed to the severe burn injuries received while escaping out of the aircraft);

And whereas it appears to the Central Government that it is expedient to hold a formal investigation into the circumstances of the said accident.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 75 of the Aircraft Rules, 1937, the Central Government hereby directs that a formal investigation of the said accident be held.

The Central Government is further pleased 13 appoint Shri Justice A. Raghuveer, Judge of the Andhra Pradesh High Court to hold the said investigation.

The Central Government is also pleased to appoint:

- (1) Shri A. V. Vartak,
 Retired Deputy Director General of Civil Aviation,
- (2) Wg. Cdr. B. K. Dhiman, Chief Test Pilot, Hindustan Aeronautics Ltd., Kanpur Division,
- Capt. D. Dasan. Deputy Operations Manager (HQ), Air-India,
- (4) Air Commodore S. K. Jain. Director N. C. C. Andhra Pradesh, Hyderabad.

to act as assessors to the said investigation.

The Court of Inquiry will complete its inquiry and make its report to the Central Government by 31st May 1979.

The headquarters of the Court of Inquiry will be at Hydera-bad.

[F. No. Av. 15013/28/78-A]S. EKAMBARAM, Dy. Secy,

रेल मंत्रालय

(रंसबे बोई)

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1979

का०आ० 989.—-राजभावा (संघ के शामकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (2) ग्रीर (4) के प्रमुपालन में रेल मंत्रालय (रेनवे वोई) उत्तर रेलवे मुद्रणालय एवं भण्डार हिपो, शकुरबस्ती को जहां के नर्मेचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक के जान प्राप्त कर लिया है, ग्रिक्षिम्चन करता है, ।

प्र० न० मोहिले, सिवव

रेलवे बोर्ड एवं भारत सरकार संयुक्त मचिव

MINISTRY OF RAILWAYS (Railway Board)

New Delhi the 26th February, 1979

S.O. 989.—In pursuance of Sub-rules (2) and (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for the Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Ministry of Railways (Railway Board) hereby notify the Northern Railway Press and Stores Depot, Shakurbasti the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. Hindi-78/OL-15/7] P. N. Mohile Secy. Railway Board & Ex--Officio Jt. Secy. to the Govt of India.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1979

का ला अरे 990. स्थायी श्रीवेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम, 434 के खंड III के पैरा (क) के श्रनुसार डाक-नार महानिदेणक ने मान्सा टेलीफीन केन्द्र में दिनांक 1-4-79 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निष्ण्य किया है।

[संख्या 5-8/79 पी० एक०बी०]

आर० सी० कटारिया, सहायक महानिदेशक (पी.एच.वी.)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS (P & T Board)

New Delhi, the 6th March, 1979

S.O. 990.—In purspance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March 1960, the Birector General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1st April, 1979 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Mansa Telephone Exchange, N. W. Telecom. Circle.

[No. 5-8/79-PHB]

R. C. KATARIA Asstt. Director General (PHB)

श्रम मंत्रालय

आवेश

नई विल्ली, श्रफरवरी, 1979

का०श्रा० 991.—इन्से उपायद्ध श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट श्रीचोगिक विवास श्री श्रीतपाल सिंह, पीठासीन श्रीवकारी, श्रीचोगिक श्रीवकरण, लुधियाना के ममक्ष नम्बित है:

भीर उक्त श्री प्रीतपाल सिंह की सेवार्ये भ्रम उपलब्ध नहीं है ;

भनः अब, भीजोगिक विवाद भिधित्यम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क भीर 33ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्ष णक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एक भीधोगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पोठासीन अधिकारी श्री एम० एन० नर्मा होगे, जिसका मुख्यालय चण्डी गढ़ होगा और उक्त श्री प्रीक्षणको कि के समक्ष लिक्त उक्त विवाद से संबंधित कार्यवादियों की वागस लेती है और उक्त कार्यवादियों की वागस लेती है और उक्त कार्यवादियों के निपटान के लिये उन्हें श्री एम० एन०

त्र मी,पोठासी-न अधिकारी, चौद्योगिक र धित'रण, चण्डी गय को एस पिनेस के याप अन्तरित संरक्षी है कि उक्त अधिकरण प्रांग कार्यसाही उसप्रकम, रो आरश्य करेगा, जिसे पर वे उसे अन्तरित की जाती है और उनका निण्टान विधि के अनुसार करेगा,

अनु सूची				
क्रम संख्या	विवाद के पक्षकार	मौद्योगिक विवाद का निर्देश सं० ग्रीर तारीख		
1 - _	2	3		
व्यास बांध परियोजना, तलवाड़ा के प्रयन्धसन्त्र घ्रोर कर्मकार।		मं० एक ०-42012 (6) / 76-डी० 2 (बी०) तारीख 5-6-1976, तारीख 14-8-1976 के भारत के राजपत्न, भाग II, खण्ड 3 के उप- खण्ड (ii) में का० झा० मं० 2916 के रूप में प्रकाशित।		

[सं० एस०-42012(6)/76-छी० 2(बी०)] हरसंस बहादर, डेस्क मधिकारी

MINISTRY OF LABOUR ORDERS

New Delhi, the 8th February, 1979

S.O. 991.—Whereas the industrial dispute specified in the schedule hereto annexed is pending before Shri Pritpal Singh, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Ludhiana;

And whereas the services of the said Shri Pritpal Singh are no longer available;

Now, therefore, In exercise of the powers conferred by Section 7A and sub-section (1) of section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M.L. Verma shall be the Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and withdraws the proceedings in relation to the said dispute pending before the said Shri Pritpal Singh and transfers the same to Shri M.L. Verma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Chandigarh for the disposal of the said proceedings with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which it is transferred to it and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

3	
<u></u>	
No. L-42012(6)/76-D. JI(B) dated 5-6-1976 (published as S.O. No. 2916 in the Gazette of India, Part II, Section 3 Sub-section (ii), dated 14-8-1976).	

[No. L-42012(6)/76-D. II(B)] HARBANS BAHADUR, Desk Officer

नई बिस्ली, 16 फरवरी, 1979

का श्या 992. केन्द्रीय सरकार की राय है कि क्रमने उपाबद्ध सनुसूधी में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में बैंक माफ बड़ौदा के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों ग्रीर उनके कर्मकारों के बीच एक भौधोगिक विवाद विद्यामान है;

भीर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को व्यायनिर्णयम के लिए निर्वेशित करना बांछनीय समझती है;

भतः यव, भौषोगिक विवाव अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 7क भीर धारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (व) द्वारा प्रव म गिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक भौषोगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन प्रधिकारी श्री भार० सी० इसरानी होगे, जिनका मुख्यालय अहमदाबाव में होगा भौर उक्त विवाव को उक्त धिकरण को स्यागनिर्णयन के लिए निर्वेशित करती है।

धनुस्ची

. क्या एजेंट, कैंक झाफ अड़ीवा साइवपुर शाखा, सूरत की, श्री बी० जी० वेसाई, लिपिक की सेवा को 14 जुलाई, 1977 से समाप्त करने की कार्रवाई न्यायोजित है? यवि महीं, शो उक्त कर्मकार किस अनुतोष को हकवार है?

[सं॰ एल-12012/98/78-की-2-ए]

New Delhi, the 16th February, 1979

S.O. 992—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bank of Barola and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it Jesírable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri R. C. Israni shall be the Presiding Officer, with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the Agent, Bank of Baroda, Sayedpura branch Surat in terminating the services of Shri B. G. Desai, Clerk with effect from 14th July, 1977 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

[No. L-12012/98-78-D-II-A]

का० ग्रा० 993, केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावद्र ग्रमुस्ची में विनिविच्ट विषय के बारे में यूनाइटेड कर्माणयल बैंक, भाद्रा, ग्रहमधाबाद के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों ग्रीर उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रीद्योगिक विवाद विद्यमान है;

भौर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्वेशित करना बाळनीय समझती है;

ग्रतः ग्रवः, ग्रौद्योगिक विवाद श्रिप्तियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क भीर धारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (थ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक श्रीद्योगिक प्रधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन ग्रधिकारी श्री भार० सी० इसरानी होंगे, जिनका मुख्यालय ग्रहमदाबाद में होगा भीर उक्त विवाद को उक्त ग्रिधकरण को स्थायनिर्णयन के लिए निर्वेषित करती है।

प्रनस्ची

"क्या यूनाइटेड कर्माणयल बैंक, भादा, ग्रहमवाबाद के प्रबन्धतंत्र द्वारा श्री एस०एम० श्राचार्य, सहायक रोकड़िया की सेनाझों को 14 फरवरी, 1978 से समाप्त किया जाना त्यायोक्ति है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस ग्रनुतोय का हकवार है?

[स॰ एल-12012/94/78-री-2-ए]

S.O. 993.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of United Commercial Bank, Bhadra, Ahmedabad and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed:

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri R. C. Israni shall be the Presiding Officer, with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the management of United Commercial Bank, Bhadra, Ahmedabad is justified in terminating the services of Shrl S. M. Acharya, Asstt. Cashier w.e.f. 14th February, 1978? If not, to what relief is the said workman entitled to?"

[No. L-12012/94/79-D-II-A]

New Delhi, the 6th March, 1979

S.O. 994.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank, Lucknow and their workman over not confirming Shri Kishan Lal, Peon, with effect from 3rd June, 1975 which was received by the Central Government on 17th February, 1979.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 93 of 1977

In re:

The General Secretary, U.P. Bank Employees Association (Central Office) 35-A, Katchary Road, Lucknow.

Versus

The General Manager, Canara Bank, 112-Jayachanarajendra Road, Bangalore-2.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-12012/198/75-D. II(A) dated the 31st March, 1976 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal in the following terms:

- "Whether the action of the Management of Canara Bank, Main Branch, Lucknow is not confirming Shri Kishan Lal, Peon, with effect from the 3rd June, 1975 is justified? If not to what relief is the said workman entitled?
- 2. After usual notices were sent to the parties in this case statement of claim was filed on behalf of the workman and a written statement also was filed by the Bank. Finally a replication was filed by the Bank. Following issues were framed upon the pleadings of the parties:
 - Whether the workman had not been confirmed validity?
 - 2. As in order of reference.
- 3. Thereafter it was stated by Shri T. C. Gupta and Shri K. B. Krishna Murthy that 'parties do not propose to lead any oral evidence. Admitted documents placed on file may be exhibited and read into evidence and opportunity be given for arguments.' Thereafter for the date fixed none appeared

for the Bank and as such arguments were heard ex-parte and formal ex-parte statement of the workman also was recorded on 4th January, 1979. I have gone through the ex-parte evidence and the documents on record and have given my considered thought to the matter before me and I have come to the following findings:

4. Issue No. 1 and 2:

I propose to take up both issues together in as much as similar question of law and fact is involved in both these issues. According to the workman he was originally appointed on daily wages peon and thereafter given temporary appointment for two months w.e.f. 2nd December, 1974 vide letter Ex. W/1. Thereafter he was put on six months probation w.e.f. 4th February 1975 vide letter Ex. W/2 which is dated 29th January, 1975. Thereafter the probationary period was extended by Ex. W-3 letter dated 31st July, 1975 served upon the workman on 6th August, 1975. The said period was once again extended vide letter dated 3rd October, 1975 Ex. W-4 received on 9th October, 1975. The workman was however confirmed w.e.f. 4th October, 1975. It is in these circumstances that the workman claims to be confirmed w.e.f. 3rd June, 1975, the date on which six months of his probation completed according to the Shastri Award read in the light of subsequent settlement between the parties. From the perusal of clause 20.8 of Settlement dated the 19th October 1966 between the Indian Banks Association and the All India Bank Employees' Association and Federation I find that it is provided therein that 'a temporary workman may also be appointed to fill a permanent vacancy provided that such temporary appointment shall not exceed a period of three months during which the Bank shall make arrangements for filling up the vacancy permanently. If such a temporary workman is eventually selected for filling up the vacancy, the period of such temporary employment will be taken into account as part of his probationary period. In the light of his clause of the agreement it would follow that in the instant case two months period served upto 4th February, 1975 by this workman would ensure for the purposes of six months period of probation would expire on the 3rd Inne, 1975 and in as much as the formal extention was done vide letter dated 1st July, 1975 it would follow that the workman had already stood confirmed on the expiry of six months. The above ment

5. In view of my discussions above. I hold that the action of Management of Canara Bank Main Branch, Lucknow in not confirming Shri Kishan Lal, peon w.e.f. 3rd June, 1975 is not justified and that being so he is deemed to have been confirmed w.e.f. 3rd June. 1975. In so far as question of interpretation of settlement is involved I would leave the parties to bear their own costs. It is accordingly awarded.

Further Awarded:

Further awarded that the requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

Dated, the 8th January, 1979.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

[No. L-12012/188/75-D.H.A.]

S.O. 995.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India (Region-VII) and their workman over suspension of Shri R. C. Ohri, Official Incharge, Gharjarot pay office on 5-4-1976, which was received by the Central Government on 17-2-1979.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

In re:

The President,

Delhi Circle State Bank of India

Staff Association.

Ranbir Hall,

Civil Lines,

Julhindur (Reg. R. C. Ohri)

... Petitioner

Versus

The Regional Manager,

Region VII State Bank of India.

11. Parliament Street.

New Delhi.

... Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government made a reference u/s 10 of the I.D. Act, 1947 vide its order No. L-12012/122/77-D. IIA dated the 5th/12th April, 1978 in the following terms to this Tribunal:

- "Whether the action of the management of State Bank of India (Region VII) in placing Shri R. C. Ohrl Official Incharge Gharjarot pay office under suspension on 5-4-1976 even before the charge sheet was served on him on 14-5-1976, and keeping him under suspension pending enquiry which has recorded no progress since it was adjourned in January, 1977 is justified? If not, what relief is the workman entitled?"
- 2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties. In spite of number of notices none has appeared for the workman while Shri S. Mishra appeared for the Bank. On the 29th of January, 1979 Shri S. Mishra has come forward with the following statement:
 - "In this case the workman has been reinstated after this reference and therefore the workman is no longer interested in this matter and therefore no dispute exists any longer. A no dispute award may be made in this reference."
- 3. From the perusal of the statement of Shri S. Mishra I find that the workman is no longer interested since he has been reinstated after this reference. Furthermore since the workman has already been reinstated in terms of the statement of Shri S. Mishra there would be no dispute existing any longer between the parties. Accordingly a no dispute award is made in this reference. Parties are left to bear their own costs.

Further Awarded:

Requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

Dated: 31st January, 1979.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

Dated: 31st January, 1979.

[No. L-12012/122/77-D.II.A.]

S. K. MUKERJEE, Under Secy.

नई विस्ली, 27 फरवरी, 1979

का० आ० 996.— खान अधिनियम 1952, (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस मिनियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री बी० एन० पी० सिन्हा की मुख्य खान निरीक्षक के अधीन खान निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[फा॰ सं॰ ए-12025/1/77-एम 1]

New Delhi, the 27th February, 1979

S.O. 996.—In exericse of the powers conferred by subsection (1) of Section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri B. N. P. Sinha as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines.

[F. No. A. 12025/1/77-MI]

नई विल्ली, 1 मार्च, 1979

कार आर 997.—धसम राज्य के विज्ञात जिले में बरगोलाई कोयला खान में 22 जनवरी, 1979 को एक दुर्घटना हो गई है जिसमे जीवन-हानि हुई हैं ;

भीर केन्द्रीय सरकार की राय है कि दुर्णटना के कारणों की भीर उन परिस्थितियों की जिनमें दुर्णटना हुई है, श्रीपचारिक जांच की जानी चाहिए।

ग्रतः श्रव, केन्द्रीय गरकार, खान श्रधिनियम 1952 (1952 का 35) की धारा 24 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार श्री टी० एस० संकरन, श्रध्यक्ष, स्टेट इण्डस्ट्रियल प्रमोशन कारपोरेशन, तमिलनाडु, मग्राम, को ऐसी जांच करने के लिए और ऐसी जांच करने में निम्नलिखित व्यक्तियों की ग्रसेसरों के रूप में कार्य करने के लिए, नियुक्त करती है, श्रथीत्:—

- (1) श्री एस० वास गुप्ता, जनरल सेकेटरी, इण्डियन नेशानल माइन वर्कर्स फैडरेशन, धनसाव
- (2) श्री एच० बी० घोष, चेत्ररमीन व मैनेजिंग डाइरेक्टर (सेवा निवृत) केलीय खान योजना घौर डिजाइन संस्थाम, रांची 13, जी/2, सांखारीपारा रोड, नीलकुटी, कलकत्ता

जांच न्यायालय का मुख्य कार्यालय नई दिल्ला में होगा।

[स॰ एन॰ 11015/3/79-खनिज 1] मीना गप्ता, ग्रवर सचिव

New Delhi, the 1st March, 1979

S.O. 997.—Whereas an accident occurred in the Bargolai Colliery in District Dibrugarh of Assam State, on the 22nd January, 1979, causing loss of lives.

And whereas the Central Government is of opinion that a formal inquiry into the causes of and circumstances attending the accident ought to be held;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 24 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri T. S. Sankaran, Chairman, State Industrial Promotion Corporation of Tamil Nadu, Madras, to hold such inquiry and also appoints the following persons as assessors in holding the inquiry, namely:—

 Shri S. Das Gupta, General Sccretary, Indian National Mine Workers' Federation, Dhanbad. (2) Shri H. B. Ghose, Retired Chairman & Managing Director, Central Mine Planning & Design Institute, Ranchi, 13 G/2, Sankharipara Road, 'Nilkuthi', Calcutta.

The Headquarters of the Court of Inquiry will be in New Delhi.

[No. N. 11015/3/79-MI] MEENA GUPTA, Under Secy.

नई विस्ली, 28 फरवरी, 1979

का० आर० 998.—गुजरात राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा प्रधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा(1) के खण्ड (घ) के अनुभरण में डा० के० पी० असनानी के स्थान पर लैफ्टिनेंट कर्मल बी० डी० मिश्र, निवेशक, चिकित्सा सेवाएं (कर्मचारी राज्य बीमा योजना) गुजरात सरकार, की चिकित्सा प्रमुविधा परिषद में उम राज्य से प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिविष्ट किया है;

धतः, श्रव केन्द्रीय सरकार कर्मघारी राज्य बीमा प्रधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की श्रिक्षसूचना संख्या काञ्या 2980, दिनांक 26 जुनाई, 1976 में निम्नलिखित मंगोधन करती है, प्रधात :---

उक्त प्रधिभूषना में "(संबंधित राज्य सरकारों द्वारा घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के प्रधीन नामिनिंदिष्ट)", शीर्ष क के नीचे मद 7 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, प्रयति :—

लैफ्टिनेन्ट कर्नल बी० डी० मिश्र, निवेशक, चिकित्सा संवाएं (कर्मचारी राज्य बीमा योजना), गुजरात सरकार अहमदाबाद-14

[सं० यू०-16012/11/76-एच० बाई०]

New Delhi, the 28th February, 1979

S.O. 998.—Whereas the State Government of Gujarat has, in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Lt. Col. B. D. Misra, Director of Medical Services (Employees' State Insurance Scheme), Government of Gujarat to represent that State on the Medical Benefit Council in place of Dr. K. P. Asnani;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2980, dated the 26th July, 1976, namely:—

In the said notification, under the head "(nominated by the State Governments concerned under clause (d) of subsection (1) of section 10)", for the entry against item 7, the following entry shall be substituted, namely:—

"Lt. Col. B. D. Misra, Director of Medical Services, (Employees' State Insurance Scheme). Government of Gujarat, Ahmedabad."

[No. U. 16012(11)/76-HI]

का० आ० 999—- असम राज्य सरकार ने कर्में जारी राज्य बीमा प्रधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खंड (घ) के धनु-सरण में श्री एस० गोस्वामी के स्थान पर श्री ए० धली, सचिव, श्रसम मरकार, श्रम विभाग जिलपुर, को कर्में जारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामभिविष्ट किया है;

भतः प्रव केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा प्रधितियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के भनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की प्रधिसूचना संख्या का०मा० 1517 विमांक 14 धप्रैल, 1976 में निम्नलिखित संशोधम करती हैं, प्रयात:----

उक्त मधिसूचना में, "(राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खंड (घ) के भ्रधीन नामनिर्विष्ट)" शीर्षक के नीचे मव 9 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नक्षिक्षित प्रविष्टि रखी जायेंगी, भ्रथांत—

"श्री ए० भ्रली, सचिव, भ्रसम सरकार, श्रम विभाग, ब्रिसपुर।"

[सं प् 16012/16/76-एच भाई]

S.O. 999.—Whereas the State Government of Assam has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri A. Ali, Secretary to the Government of Assam, Labour Department, Dispur to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri S. Goswami;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 1517, dated the 14th April, 1976, namely:—

In the said notification, under the heading "(Nominated by the State Governments under clause (d) of section 4)", for the entry against item 9, the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri A. Ali, Secretary to the Government of Assam, Labour Department, Dispur.

[No. U-16012/16/76-HI]

का॰का॰ 1000. केन्द्रीय सरकार, कर्मेचारी राज्य बीमा प्रक्रिनियम, 1948 (1948 का 34) की घारा 91क के साथ मठनीय धारा 88 द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय भौगोलिक सर्वेक्षण संस्था जयपुर की इंजीनियरिंग प्रभाग के नियमित कर्मेचारियों को पहली जनवरी, 1968 से 31 विषम्बर, 1978 तक उक्त प्रधिनियम के प्रवर्तन से 11 वर्ष को प्रविध के लिए छूट देती है।

- 2. पूर्वोक्त छूट की शर्ते निम्नलिखित हैं, अर्थात् :---
- (1) पूर्वीक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित है, एक रिजस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम धौर पदाभिधान दिखाए जायेंगे;
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त प्रधिनियम के प्रधीम ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनकी पाने के लिए वे इस श्रिधसूचना द्वारा वी गई छूट के प्रवृत होने की तारीख से पूर्व सन्वत्त प्रभिवायों के श्राधार पर हकदार हो जाते हैं;
- (3) खूट प्राप्त भविध के लिए यदि कोई भिभवाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापिस नहीं किए जायेंगे;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके वौरान उस कारखाने पर उक्त भविनयम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त भविध" कहा गया है) ऐसी विवरणियों ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित वेगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के ग्रधीन उसे उक्त भविध की बाबत वेनी थीं;
- (5) निगम द्वारा उक्त भ्रष्टिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के भ्रधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमिस्त प्राधिकृत कोई भन्य पवधारी—

- (i) धारा 44 की उपघारा (1) के ग्रधीन उक्त भविध की बाबत की गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या
- (ii) वह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रिजस्टर और भिनिनेख का, उक्त भवधि के लिए रखे गर्मे थे या नहीं; या
- (iii) यह प्रभिनिष्वित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियाजक बारा दिए गए उन फायदों को. जिसके प्रतिफलस्वरूप इस प्रिष्मचना के प्रधीन छूट दी जा रही है, नकद में भौर वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नही; या
- (iv) यह प्रभिनिश्यित करने के प्रयोजनार्थ कि उस प्रविध के वौरान, जब उक्त कारखाने के सम्बन्ध में प्रधिनियम के उपबन्ध प्रवृक्ष थे, ऐसे किन्ही उपबंधों का श्रनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :--

- (क) प्रधान या भ्रव्यवहित नियोजक से भ्रपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या भ्रन्य पवधारी भ्रावश्यक समझता है, ; या
- (ख) ऐसे प्रधान या भ्रव्यवहित नियोजक के श्रिष्ठिभोगाश्रीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या भ्रन्य परिसर में किसी भी उभित समय पर प्रवेण करना भीर उसके प्रभारी से यह भ्रपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन भीर मजदूरी के सन्वाय से संबंधित ऐसे लेखा बहियों भीर धन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या भ्रन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें भीर उनकी परीक्षा करने वें, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिससे वे आवश्यक समक्षते हैं, या
- (ग) प्रधान या अध्यविहत नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या धन्य परिसर में रखे गए किसी रिजस्टर, लेखा बही या धन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उस पदधारण लेना।

व्याख्यातमक ज्ञापन

इस मामले में छूट को पूर्वापेकी प्रभाव देना घावण्यक हो गया है, क्योंकि छूट की मूजूरी के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम की सिफा-रिश देर से प्राप्त हुई। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वा-पेक्षी प्रभाव से छूट देने से किमी के हित पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[मं॰ एस॰ 38014/4/79-एच॰माई॰]

8.0. 1000.—In exercise of the power conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of the Engineering Division of the Geological Survey of India, Jaipur from the operation of the said Act for a period of eleven years with effect from the 1st January, 1968 to the 31st December, 1978.

- 2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—
 - The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
 - (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions made prior to the date from which exemption granted by this notification operates.
 - (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
 - (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (thereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the employees' State Insurance (General) Regulation, 1950;
 - (5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory:

be empowered to -

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, esablishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the recommendation of the Employees' State Insurance Corporation for grant of exemption was received late. It is, however, certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1979

कार आर 1001.—केन्द्रीय सरकार, कोयला खान भविष्य निधि स्कीम के पैरा 9 के साथ पठित कोयला खान भविष्य निधि और प्रकीण उपश्रंध प्रधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा उक की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की प्रधिसूचनाएं सं० का० धार 2151 नारीख 10 जूलाई, 1978 में और संशोधन करती है, ध्रथात्ः—

जन्स प्रिक्षितृचना में, कम सं० 7, 12, 13, 14, 15 प्रौर 16 के सामने प्रविष्टियों के स्थान पर कमणः निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, ग्रायांत:~-

"7. उप मिवाब, भारमाधक, श्रम कस्याण, श्रम विभाग, पश्चिम वर्गाल सरकार, कलकत्ता ।

12. श्री श्राप्त एस० मूर्ति, निवेशक (कार्मिक) केन्द्रीय कील फील्ड्स लिमिटेड, दरभंगा हाउस, रांची ।

13. श्री महीप सिंह, निवेशक (कार्मिक) पूर्वी कौल फील्ड्स लिमिटेड, संटोरिया, पीस्ट श्राफिस, दिशेर गड़, जिला बुदबान (पश्चिम बंगाल)।

14. ग्रार० के० गुप्ता, निदेशक (कार्मिक) पश्चिम कोल फील्इम लिमिटेड, बसेमर हाउस, मन्दिर रोड, नागपुर।

15. श्री एस० के० चौश्ररी, महाप्रबंधक (कार्मिक) भारत कौकिंग कोल लिमिटेड, पोस्ट श्राफिस झरिया, धनबाद ।

16. श्री एस० डी० चन्द्र, मुख्य कार्मिक प्रभाग कोल इण्डिया लिमिटेड, 10, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता ।"

> [सं० बी०-21012/2/78- पी० एफ० 1] हंस राज छाबड़ा, उप-मिंब

New Delhi, the 6th March, 1979

S.O. 1001.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 3A of the Coal Mines Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1948 (46 of 1948), read with paragraph 9 of the Coal Mines Provident Fund Scheme the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2151, dated the 10th July, 1978, namely:—

In the said notification for the entries against serial numbers 7, 12, 13, 14, 15 and 16 the following entries shall respectively be substituted, namely:—

- "7. Deputy Secretary, Incharge of Labour Welfare, Labour Department, Government of West Bengal, Calcutta.
- Shri R. S. Murthy, Director (Personnel), Central Coal-fields Limited, Darbhanga House, Ranchi.
- Shri Maheep Singh, Director (Personnel), Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, Post Office Dishergarh, District Burdwan (West Bengal).
- Shri R. K. Gupta, Director (Personnel), Western Coalfields Limited, Besesar House, Temple Road, Nagpur.
- Shri S. K Choudhury, General Manager (Personnel), Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, Dhanbad.
- Shri S. D. Chandra, Chief of Personnel Division, Coal India Limited. 10, Netaji Subhash Road, Calcutta."

[No. V. 21012(2)/78-PFI] HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.

[No. S-38014/4/79-HI]

प्रावेश

नई विल्ली, 28 फरवरी, 1979

का॰ था॰ 1002.— मैसर्स ईस्टर्न कोलफीलंडस लिसिटेड की दामरा कौलियरी, डाकबर कालीपहाड़ी जिला बर्देबान के प्रबन्धतल से सम्बद्ध नियोजकों और उसके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व कौलियरी मजदूर सभा (इंटक), भासनसील करती है, एक श्रीचोगिक विवाद विद्यमान है;

श्रीर यतः उक्त नियोजकों श्रीर कर्मकारों ने श्रीशोगिक विवाद श्रीधनियम, 1947 (1947 का 14) की श्रारा 10-क की उपश्रारा (1) के उपबन्धों के श्रनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद की उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थम के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है श्रीर उक्त माध्यस्थम करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है;

धतः, भन, ग्रौधोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 को 14) की धारा 10-क की उपधारा (3) के उपबंधों के भ्रमुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम करार को, जो उसे 19 फरवरी, 1979 को मिला था एसवढ़ारा प्रकाशित करती है।

करार

(ग्रीग्रोगिक विवाद मिश्रिनियम, 1947 की धारा 10-क के ग्रधीन) पक्षकारों के नाम:

मैंसमं ई०सी० लि० के श्रीपुर क्षेत्र के प्रधीन वामरा कोलियरी डाक्यर कालीपहाड़ी, जिला बर्दवान के नियोजकों का श्रतिनिधित्व करने वाले:

 श्री एस०सी० कोर, सहायक मुख्य कार्मिक मधिकारी मैसर्स ई०सी० लि० का श्रीपुर क्षेत्र डाकघर-श्रीपुर (बदंबान)।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले

 श्री सुनील सेन, धार्गेनाइजिंग सेकेटरी, कोलियरी, मजबूर सभा (इंटक) प्रवात होटल, जी०टी० रोड, श्रासनसोल।

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित भीषोगिक विवाद को श्री बी०वी० रामाचन्द्रन, क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय), ग्रासनसोल के माध्यस्यम के लिए निर्वेशित करने का करार किया गया है।

(।) विनिर्दिष्ट विवाद ग्रम्न विषय . क्या मैसर्स ईस्टर्न कोलफील्डस लि० की

कोलियरी, डाकघर-दामरा कालीपहाड़ी, जिला-वर्दधान के प्रवन्धतन्त्र की ग्रमुलग्नक में विये गये 30 कर्मकारों को 18-12-75 से 17-1-1976 की ग्रवधि ग्रीर 4-11-1975, 10-11-1975 भौर 11-11-1975, को परि-वहन उपलब्ध न कराने, जिससे वे इस समय व्याप्त परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए ईस्टर्न कोल-फीस्डस लि० की नार्थ सीयरसौल को लियरी में इ्यूटी पर उपस्थित हो मकें, की कार्यवाही न्यायोचित हैं ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस मनुतोष के हकदार है और इन दो कोलियरियों नामतः दामरा ग्रीर नार्थं सीयरसोल में से किसके ?

- (2) विवाद के पक्ष कारों का विवरण, जिसे अन्तर्वेलित स्थापन या का नाम और पताभी सम्मिलित है।
- उप-केन्द्रीय प्रबन्धक, बुलिक उप-अप्र, ईस्टर्न कीलफील्डम लि०, डाकबर कालीपहाड़ी (क्रदेवान)
- श्रार्गेनाइजिंग सैकेटरी, कॉलियरी मजदूर सभा (इंटक) प्रवास होटल, जी०टीं० रोड, ग्रासनसोल ।
- (3) प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मेकारों की कुल संख्या

1129

(4) विवाद द्वारा प्रभावित या संभाव्यतः प्रभावित होते वाले कर्मकारो की प्राकृतिक संख्या

30

सध्यस्थ अपना पंचाट इस करार के भारत सरकार के राजपत्न में प्रकाशित होने की तारीख से 120 (एक मौ बीस) वित की कालावधि या इतने झौर समय के भीतर जी हमारे बीच पारस्परिक लिखिन करार द्वारा बढ़ाया जाये, देगा।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

ह्०/-सुनील सैन 3-2-79 ह०/-श्री एस०र्सा० कोर

3-2-79

(कर्मकारों का प्रतिनिधिस्य करने वासे) (नियोजको का प्रतिनिधित्व करने वासे) साक्षीः

1--ह०/- म्रपठनीय

2---ह०/-ग्रपठर्नाय

मं • 1 (16)/78-की • • 3 (**ई-**3)

नारीखाः आसनसोल 3 जनवरी, 1979

र्में मध्यस्थ के रूप में कार्यकरते के लिये सहमत हं:

ह० (डी० वी० रामाचन्द्रन) क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय) ग्रासनसोल

3 फरवरी, 1979 के सध्यस्थ करार का प्रनुलग्नक

ऋमांक कर्मकार का नाम	क्रमांक कर्नकार का नाम
1. श्री हुबराज बेलवार	2. श्री बाणगीत गोरे
3. ,, पैंदुकाहार	4., भगालुकहार
5. ,, कि णुन दु पाध	6 ,, श्रजोम्हलामिया
7. ,, राम फे र हरिजन	 कल्लुगम कोहरी
9. ,, भिनर हरिजन	10. ,, फौकुह्रिजन
11. ,, रामामाभज हरिजन	12. ,, गोपाल ह रिजन
13. ,, चा तु री शो	14. ,, बुद्ध राम हरिजन
15. ,, सु खा य बेलवार	16. ,, रामाधर गोवाला
17-,, मोहन लाल	18. ,, मातादी हरिजन
19. ,, प्रसाबी दुसाध	20 ,, णामलास हरिजान
21. ,, लाखन कोइरी	22- // मुखाराम राजभार
23. ,, लालगा हरिजन	24. ,, भोला ग्रहीर
25. ,, स्त्रामीनाथ ग्रहीर	26. ,, रामासरे हरिजन
27. ,, बहोरा हरिजन	28- ,, रामदास केवन
29. ,, भगर रविदास	30. ,, बादल चमार
ह०/-सुनील' सैन	ह०/-एस०सी० कोर
3-2-79	3-2-79

(कर्मंकारों का प्रतिनिधिस्व करने वाले) (नियोजको का प्रतिनिधिन्व करने वाले) नारीखः : 3 फरवरी, 1979

> [मं० एल०-19013/5/79-डी० 4 (बी०)] नन्द लाल, डेस्क प्रधिकारी

ORDER

New Delhi, the 28th February, 1978

S.O. 1002 - Whereas an industrial dispute exists between the management of Damra Colliery, P.O. Kalipahari, District Burdwin of M/s, Eastern Coalfields Limited and their workmen represented by Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), Asansol.

And, Whereas, the said employers and their workmen have by a written agreement under sub-section (1) of Section 10A of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration and have forwarded to the Central Government a copy of the said arbitration agreement;

Now, Therefore, in pursuance of sub-section (3) of Section 10A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said agreement which was received by it on the 19th February, 1979.

AGREEMENT

(Unler Section 10A of the Industrial Disputes Act 1947)

BETWEEN

NAME OF THE PARTIES:

of Damra Colliery P.O. Kalipahari Distt. Burdwan under Sripur Area of M/3. E.C. Limited.

Representing the employer Sri S.C. Koar, Asstt. Chief Personnel Officer, Sripur Area of M/s. E.C. Ltd. P.O. Sripur (Burdwan).

Representing the workmen: Sri Sunil Sen

Organising Secretary Colliery Mazdeor Sabha (AITUC) Pravat Hotel, G.T. Road, Asansol.

It is hereby agreed between the parties to refer the following dispute to the arbitration of Shri D.V. Ramachandran, Regional Labour Commissioner (Central), Asansol.

(i) Specific matters in the dispute:

"Whether the action of the management of Damra Colliery P.O. Kalipahari Distt, Burdwan of M/s. Eastern Coalfields Ltd. was justified to stop providing transport to 30 workmen detailed in the Annexure during the period 18-12-75 to 17-1-1976 and on 4-11-1975. 10-11-1975 and 11-11-1975 to enable them to attend duty at North Scarsole Colliery of Eastern Coalfields Ltd, in view of the prevailing situation? If not, to what relief the workmen are entitled to and from which of the two collieries namely Damra and North Searsole".

- (ii) Details of the parties to the dispute including the name and address of the Establishment or Undertaking involved.
 - 1. The Sub-Area Manager, Ghusick Sub-Area, Eastern Coalfields Ltd. P.O. Kalipahari (Burdwan).
 - 2. The Organising Secretary, Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), Pravat Hotel, G.T. Road, Asansol.
- (iii) No. of workmen employed in the undertaking affected: 1129.
- (iv) Estimated No. of workmen affected or likely to be affected: 30.

The Arbitrator shall make his award within a period of 120 (One hundred and twenty) days or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing, from oth date of publication of this Agreement in the Gazette of the Govt. of India.

Sd/- Sunil Sen

Sd/- S.C. Koar 3 - 2 - 79

3-2-79

(Representing the workmen) Witnesses:

(Representing the employer) 1. Sd/- Illegible

2. Sd/- Illegible

No. 1(16)/78-B3/E3 Dated: Asansol the 3rd February, 1979

I hereby give my consent to act as an Arbitrator.

Sd/- (D.V. Ramachandian) Regional Labour Commissioner (Central) Asansol

Annexure to the Arbitration Agreement Dated 3rd February, 1979

Sl. Name of the workman \$1. Name of the workman No. No. 1. Shri Hubraj Beldar 2. Sri Bashgeet Gore 3. Sri Faidu Kahar 4. Sri Bhagalu Kabar 5. Sri Kishun Dusadh 6. Sri Azimulla Mia 7. Sri Ramfer Harijan 8. Kaluram Koiri

9. Sri Mitar Harijan Feku Harijan 11. Ramasamui Harijan 12. Gopal Harijan

13. Sri Chaturi Show 14. Budharam Harijan 15. Sri Sukhai Beldar 16. Ramadhar Gowala

17. Sri Mohonlal 18. Matadin Harijan 19. Sri Prasadl Dusadh 20. Sri Shamlal Harljan

21. Sri Lakhan Kolri 22. Sri Mukharam Rajbhar 23. Sri Lalsha Harijan 24. Bhola Ahir

25. Swaminath Ahir 26. Ramashrey Harijan

28. Sri Ramdas Kewat Bahora Harijan 29. Sri Jhagroo Ravidas 30. Sri Badal Chamar Sd/- Sunil Sen Sd/-S.C. Koar

3-2-79 3-2-79

(Representing the workmen) (Representing the employer) Dated: 3rd February 1979

> [No. L-19013(5)/79-D-IV(B)] NAND LAL, Desk Officer

New Delhi, the 3rd March, 1979

S.O. 1003.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government ment Industrial Tribunal New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Shri Surender Shah, Raising Contractor of Jhir Silica Mines of Shri Triloki Das Khandelwal, Jaipur and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th February, 1979.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT, INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,

NEW DELHI

I.D. No. 140 of 1977

In re:

The General Secretary, Jaipur Silica Khan Mazdoor Union, Head Office Dausa, District: Jaipur.

... Petitioners

Versus

- Shri Surendra Shah, Raising Contractor, c/o M/s, Surendra & Surendra, Chaura Rasta, Near Shah Building, Jaipur.
- Shri Triloki Das Khandelwal, Owner Jhir Silica Mines, Johri Bazar, Jaipur.

... Respondents

AWARD

The Central Govt. as appropriate Govt. vide its notification No. L-29011/5/77-D. III-B dated the 22nd June, 197/ made a reference u/s 10 of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal in the following terms:

- 'Whether the demands of workmen of Jhir Silica Sand Mine of M/s. Jaipur Zila Silica Company, Johri Bazar, Jaipur run by Messrs. Surendra & Surendra, Raising Contractors are justified:
 - (a) for increase in minimum wages for unskilled, semi-skilled and skilled workmen;
 - (b) for linking of wages with cost of living index number as stipulated in Mathur Committee recommendations.
 - If so, what increase and from what date and to which index number the wages be linked.'
- 2. On receipt of the reference it was registered as I.D. No. 140 of 1977 and usual notice were sent to the parties to appear before the Tribunal. A statement of claim was filed on behalf of the workmen—Union and in reply thereto a written statement was filed on behalf of the Raising Contractor. Finally the Union filed a replication as well. Thereafter issues were framed. The only issue in this case framed is as referred in the order of reference and contained in the schedule to that order. Thereafter the case was fixed for evidence of the workmen at Jaipur for 28th November, 1978 but none appeared for the workmen on that date while Shri D. P. Sharma, Advocate represented the Management. In the interest of justice exparte proceedings were not ordered against the workmen—union and rather the case was adiourned for the evidence of the workmen to 28th December, 1978 at New Delhi and the workers were accordingly in-However none appeared for the workmen even formed. on the 28th December, 1978 with the result that the exparte proceedings were ordered against the workmen and the union and exparte evidence on behalf of the Management was recorded. The Management has examined Shri Surendra Kumar Shah as the only witness and has produced settlement Ex. S/1 to Ex. S/4 apart from documents Ex. M/1 to Ex. M/9. I have gone through the exparte evidence and also the statement of claim as also the reply and the replication and after giving my considered thought to the matter before me I have come to the conclusion that the workmen are not entitled to any relief in his reference
- 3. The contention of the workmen as made out in their statement of claim is that a charter of demand had been submitted before the Asstt. I abour Commissioner but no settlement was arrived at and in consequence this reference has been made; that the charter of demands raised six demands with regard to increase in the rates of wages, permanent benefits to the workmen, some increase in the salary of chowkidar, supply of liveries to the chowkidar, raising of the wages of blasters. linemen, mates, peon and the clerk and bonus for the year 1975-76. It is urged that the said demands are valid and should be allowed.
- 4. In reply it has been contended on behalf of the raising contractor that the charger of demands raised by the annlicant—union were discussed on 28th December, 1976 before the Asstt, Labour Commissioner (Central). Aimer and thereafter the Ministry of Labour, Government of India, New Belhi by a Gazette Notification No. 50626 dated the 19th February, 1977 has fixed the minimum rates of wages for Silica Mines which are similar and equivalent to the Soan Stone Mines and the wages have been raised to Rs. 5.80 per day

- for unskilled, Rs. 7.25 per day for semi-skilled and Rs. 8.00 for the skilled workmen including the basis wage, the cost of living allowance and cash value of concessional supply value and therefore this reference has now become superfluous and infructuous and there was no case for linking of wages with cost of living index. It is further contended that in fact after the fixation of wages under the Minimum Wages Act by the Govt. of India no dispute any longer would exist and the reference has become infructuous.
- 5. In order to support its contention the Raising Contractor has examined Shri Surinder Kumar Shah, as its only witness who has stated as follows:
 - I am the Proprietor of M/s. Surinder and Surinder the Raising Contractor of Jalpur Silica Co. at Jhir Silica Sand Mines. The workmen in this reference were employed by us. They were duly pald wages in accordance with the settlement Ex. S/1, Ex. S/2, Ex. S/3 at the appropriate time. There after matter was referred by the union to the Assit. Labour Commissioner vide letters Ex. M/1 and a settlement was arrived at before the Assit. Labour Commissioner vide Ex. S/4. Conciliation proceedings were held. I have brought the original pay sheet. The various workmen have been paid in accordance with it. The said pay sheets are Ex. M/2 to Ex. M/5. Now with effect from 19th February, 1977 the Central Govt. as appropriate Govt. has fixed minimum wages vide Gazette Notification copy M/6 in respect of Silica Mines workers and the workmen are being paid in accordance with the Gazette Notification, the wages fixed under the Minimum Wages Act. In these circumstances the workmen are not entitled to anything claimed. I tender copy of Balance sheet Ex. M/7 to Ex. M/9.
- 6. I have perused the settlement Ex S/1 to Ex. S/4. When I consider these documents in the light of the notification copy Ex. M/6 hereby the Minimum Wages have been fixed in respect of Silica Mines workers I find that certainly the contention of the Management deserves to be upheld and that the matter referred in fact has become infructuous the fixation of Minimum Wages in the Industry. It is established from Ex. M/2 to Ex. M/5 that various workmen have been paid in accordance with the earlier settlement while with effect from the 19th February the workers are being paid in accordance with the minimum rates of wages fixed in the Minimum Wages Act. Once the Central Govt has stepped in to fix the Minimum Wages under he Minimum Wages Act it would be well nigh impossible for this Tribunal to revise the wages within such a short period. The reference to Mathur Committee Recommendations would not be of much use and relevance for the simple reason that the Mathur Committee Recommendations are for the State Governments Engineering Industrial Employees' and they cannot Silica Mines workers. Even otherwise be extended to the there is nothing to suggest even remotely that there is any parity or identity of nature of work of the State Govt. Engineering Employees' and the Silica Mines workers. Mere fact that some recommendations have been made by Mathur Committee in respect of a particular category of employees would not warrant its extension to any other category particularly in the background of fixation of minimum wages under the Minimum Wages Act as late as in 19th February. 1977. When I consider the order of reference I find that it relates to only increase in Minimum Wages for un-skilled. semi-skilled, skilled workmen and for linking these wages with cost of index as stipulated in Mathur Committee Recommendations. I have already observed that Mothur Committee Recommendations would not be relevant for the nurproses of fixation of wages in the Silica Mines Industry. Further more the applicability of the Minimum Wages Act and the notification fixing the minimum wages under that Act in respect of Silica Mines Industry workers goes to suggest that it would be pre-mature to link the wages with cost of living index number at this stage. Now that minimum wages have been fixed by the Central Government in respect of the workers in this Industry it is hoped that in accordance with the provisions of the Minimum Wages Act these rates of minimum wages would continue to be revised off and on according to the need by the Central Government and therefore also it would be in appropriate to link the wares with the cost of living index number. When I consider the rates

of minimum wages fixed I find that in fact the relief has already been granted by the Central Government in respect of the Silica Mines workers. A perusal of explanations to the said notification Ex. S/6 would show that the minimum rates of wages fixed by this notification are all inclusive rates including the basic rate, the cost of living allowance and the cash value of concessional supply if any of essential commodities and also including the wages payable for the weekly day of rest. Further more these minimum rates of wages are applicable to the employees engaged by the Contractor also. It is also provided in the said notification that where the prevailing rates of wages based on contract or agreement or etherwise are higher than rates fixed by the notification the higher rates of wages shall be treated as Minimum wages for the purposes of this notification. In the face of all this all embracing nature of this notification it would be improper for this Tribunal to revise the wages so soon after 19th February, 1977. It appears perhaps this is the reason why the workmen are no longer appearing to prosecute this reference of theirs. Even otherwise from the perusal of Ex. M/7 to Ex. M/9, the balance sheets of the Management I find that the Management Industry has no further paying capacity. There is nothing on record to suggest that the Silica Mines Industry is in a position to pay more than the wages fixed by the notification Ex. S/6 In fact when minimum wages are fixed the paying capacity of the Industry is also kept in view. Considering all these facts I hold that the demands of the workmen of Jhi Silica mines, Johri Bazar, Jaipur run by M/s, Surendra and Surendra Raising Contractors are not justified and that they are not entitled to any relief what-so-ever in this reference. It is awarded accordingly.

Dated, the 25th January, 1979

Further Awarded:

Requisite number of copies of this Award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end

Dated, the 25th January, 1979.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

[No. L-29011/6/77-D. III. B] A. K. ROY, Under S-cy.

मई दिल्ली, 6 मार्च, 1979

कार मा॰ 1004 — इससे संलग्न उपायंध में वर्णित प्रक्षित्वनाधों में विनिर्दिष्ट नियोजनों में नियोजित कर्मचारियों के लिए, मजदूरी की न्युनतम दरे, स्यूनतम मजदूरी प्रधिनियम, 1948(1948 का 11) के खुनीन प्रक्रिया प्रक्रिया के प्रनुसार नियम या पुनरीक्षित की गई है;

और मूमि के नीचे और उस पर काम करने वाले कर्मकारों को संवेध न्यूनतम् मजदूरी की दरों के बारे में उक्त प्रधिसूचनाग्रों में कोई भेद महीं किया गया है;

भतः, भव, केन्द्रीय सरकार, ष्पूनतम मजदूरी प्रधिनियम, 1948 (1948 का 11) की घारा 4 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्रधिनियम की घारा 5 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) की प्रपेक्षानुवार, इस प्रधिस्तना के उपावंघ में धणित अधिसूचनाओं में विनिर्दिष्ट नियोजनों में भूमि के नीचे काम करने वाले कर्मकारों को संवेध मजदूरी की न्यूनतम वर्रे पुनरीक्षित करने का प्ररस्ताव करती है, जिससे कि खनन संक्रियाओं के उपयंक्त प्रवर्ग में भूमि के नीचे नियोजित कर्मकारों को 20 प्रतिशत अधिक मजबूरी दी जा सके भीर उन सभी व्यक्तियों ती जानकारी के लिए, जिनके इससे प्रभावित होने की संभावना है, यह सूचना वी जाती है कि इस प्रस्ताव पर, इस प्रधिसूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 75 विन के अववास पर या उसके प्रकाल विचार किया जाएगा।

ा जन्ते प्रस्तासं के बारे में, जपरोक्त विनिर्विष्ट श्रवधि से पूर्व जो भी भागित यर सुझाव प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

लपाइंध

कम वे नियोजन जिनके लिए सं० न्यूनतम मजदूरी नियत/ पुनरीक्षित की गई थी		
1 2	3	4
 चीनी मिट्टी, मिट्टी भौर सफेद खनिज मिट्टी में नियोजन 	1992 तारीख 18-5-76	12-6-76
 खड़िया मिट्टी भीर बाराइटीज माइन्स 	199 3 तारीख 21-5-76	12-6-76
3. पीतल की खानों में नियोजन	1997 तारी ख 25-5-76	1 2-6-76
4. क्रोमाइट खानों में नियोजन	2114 तारीख 21-5-76	19-6-76
5. बाक्साइड खामो में नियोजन	2116 तारी ख 29-5 -7 6	1 9- 6-76
6. पत्थर, काइनाइट, गैरिक, एर- बेस्टस् सेलखड़ी (जिसके प्रतर्गत सोपस्टोन ग्रोर टेल्क उत्पा- दम खानें भी है) में नियोजन	5393 ता रीख 2 0 -9-76	9-10-76
 क्वाटंजाइट, स्फटिक भ्रीर सिलिका आनों में नियोजन 	626 तारी ख 3-2-77	1 9 - 2-7 7
8. प्राफाइट खामे	3181 तारी ख 20-10 78	4-11-78
9. मैगनेसाइट खाने	740 तारीख 9-2- 7 9	2 4-2-79

[सं॰ एस॰ 32019(5)/77-डब्स्यू॰ मी॰(एम डब्स्सू)] अशोक नारायण, उप समिव

New Delhi, the 6th March, 1979

S.O. 1004.—Whereas minimum rates of wages have been fixed or revised in accordance with the procedure laid down under the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948) for employees employed in employments specified in the notifications mentioned in the Annexure hereto attached;

And whereas no distinction has been made in the said notifications about the minimum rates of wages payable to the underground workers and those working on the surface;

Now, therefore, the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 3 read with clause (iii) of sub-section (1) of section 4 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948) as required by clause (b) of sub-section (1) of section 5 of the said Act, propose to revise the minimum rates of wages payable to the underground workers in the employments specified in the notifications mentioned in the Annexure to this notification, so as to give 20 per cent higher wages to workers who are employed underground in the appropriate category in the mining operations and notice is hereby given for the information of all persons likely to be affected thereby that this proposal shall be taken into consideration on or after the expiry of 75 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection, suggestions which may be received from any person with respect to the said proposal before the period specified above will be considered by the Central Government.

St. Employments For No. and date of the Notification wages were fixed/revised 1 2 3 4 1. Employment in 1992 dated 18-5-76 12-6-76 Chinaclay, clay and white claymines 2. Employment in 1993 dated 21-5-76 12-6-76 Gypsum and Barytes mines. 3. Employment in 1997 dated 25-5-76 12-6-76 Copper mines 4. Employment in 2114 dated 21-5-76 19-6-76 chromite mines 5. Employment in 2116 dated 29-5-76 19-6-76 Rauxite mines 6. Employment in 3593 dated 20-9-76 9-10-76 stone, kyanite, ochre, asbestos, steatite (including mines producing soapstone and tale) and fire clay mines 7. Employment in 626 dated 3-2-1977 19-2-77 quartzite, quartz and silica mines 8. Employment in 3181 dated 20-10-78 4-11-78 Graphite mines 9. Employment in 740 dated 9-2-79 24-2-1979 magnesite mines	ANNEXTURE			
1. Employment in 1992 dated 18-5-76 Chinaclay, clay and white clay- mines 2. Employment in 1993 dated 21-5-76 Gypsum and Barytes mines. 3. Employment in 1997 dated 25-5-76 Copper mines 4. Employment in 2114 dated 21-5-76 chromite mines 5. Employment in 2116 dated 29-5-76 Bauxite mines 6. Employment in 3593 dated 20-9-76 stone, kyanite, ochre, asbestos, steatite (includ- ing mines produc- ing soapstone and tale) and fire clay mines 7. Employment in 626 dated 3-2-1977 quartzite, quartz and silica mines 8. Employment in 3181 dated 20-10-78 Graphite mines 9. Employment in 740 dated 9-2-79 12-6-76 12-6-76 12-6-76 12-6-76 19-6-	No. which minimum Notification Gazette in which wages were fixed/ published			
Chinaclay, clay and white claymines 2. Employment in 1993 dated 21-5-76 Gypsum and Barytes mines. 3. Employment in 1997 dated 25-5-76 Copper mines 4. Employment in 2114 dated 21-5-76 chromite mines 5. Employment in 2116 dated 29-5-76 Bauxite mines 6. Employment in 3593 dated 20-9-76 stone, kyanite, ochre, asbestos, steatite (including mines producing soapstone and tale) and fire clay mines 7. Employment in 626 dated 3-2-1977 quartzite, quartz and silica mines 8. Employment in 3181 dated 20-10-78 Graphite mines 9. Employment in 740 dated 9-2-79 24-2-1979	1 2	3	4	
Gypsum and Barytes mines. 3. Employment in 1997 dated 25-5-76 12-6-76 Copper mines 4. Employment in 2114 dated 21-5-76 19-6-76 chromite mines 5. Employment in 2116 dated 29-5-76 19-6-76 Bauxite mines 6. Employment in 3593 dated 20-9-76 9-10-76 stone, kyanite, ochre, asbestos, steatite (including mines producing soapstone and tale) and fire clay mines 7. Employment in 626 dated 3-2-1977 19-2-77 quartzite, quartz and silica mines 8. Employment in 3181 dated 20-10-78 4-11-78 Graphite mines 9. Employment in 740 dated 9-2-79 24-2-1979	Chinaclay, clay and white clay	y	12-6-76	
Copper mines 4. Employment in 2114 dated 21-5-76 19-6-76 chromite mines 5. Employment in 2116 dated 29-5-76 19-6-76 Bauxite mines 6. Employment in 3593 dated 20-9-76 9-10-76 stone, kyanite, ochre, asbestos, steatite (including mines producing soapstone and tale) and fire clay mines 7. Employment in 626 dated 3-2-1977 19-2-77 quartzite, quartz and silica mines 8. Employment in 3181 dated 20-10-78 4-11-78 Graphite mines 9. Employment in 740 dated 9-2-79 24-2-1979	Gypsum and	n 1993 dated 21-5-76	12-6-76	
chromite mines 5. Employment in 2116 dated 29-5-76 Bauxite mines 6. Employment in 3593 dated 20-9-76 stone, kyanite, ochre, asbestos, steatite (including mines producing soapstone and tale) and fire clay mines 7. Employment in 626 dated 3-2-1977 quartzite, quartz and silica mines 8. Employment in 3181 dated 20-10-78 Graphite mines 9. Employment in 740 dated 9-2-79 24-2-1979	- r ·	n 1997 dated 25-5-76	12-6-76	
Bauxite mines 6. Employment in 3593 dated 20-9-76 stone, kyanite, ochre, asbestos, steatite (including mines producing soapstone and tale) and fire clay mines 7. Employment in 626 dated 3-2-1977 quartzite, quartz and silica mines 8. Employment in 3181 dated 20-10-78 Graphite mines 9. Employment in 740 dated 9-2-79 24-2-1979			19-6-76	
stone, kyanite, ochre, asbestos, steatite (including mines producing mines producing soapstone and tale) and fire clay mines 7. Employment in 626 dated 3-2-1977 19-2-77 quartzite, quartz and silica mines 8. Employment in 3181 dated 20-10-78 4-11-78 Graphite mines 9. Employment in 740 dated 9-2-79 24-2-1979		n 2116 dated 29-5-76	19-6-76	
quartzite, quartz and silica mines 8. Employment in 3181 dated 20-10-78 Graphite mines 9. Employment in 740 dated 9-2-79 24-2-1979	stone, kyanite, ochre, asbestos, steatite (includ- ing mines produc- ing soapstone and tale) and fire			
Graphite mines 9. Employment in 740 dated 9-2-79 24-2-1979	quartzite, quart	tz	19 -2- 77	
-1			4-11-78	
			24-2-1979	

ANNEVTIOR

[No. S. 32019(5)/77-WC (MW)] ASHOK NARAYAN, Dy. Scecy.

नई बिल्लीं, 7 मार्च, 1979

का० गा० 1005.— केन्द्रीय परकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना भपेक्षित या, ध्रौधोगिक त्रिवाद ध्रधिनियम, 1947 [(1947 का 14) की धारा 2, के खण्ड (६) के उपखण्ड (६) के उपबन्धों के ध्रमुश्ररण में, भारत सरकार के घम मैंतालय की ध्रधिसूचना सैंड्या का० धां० 2899 तारीख 16 सितम्बर, 1978 द्वारा जिंक खनम उद्योग की उक्त ध्रधिनियम के प्रयोजनार्य के लिए 17 सितम्बर, 1978 से छ: मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा धोषित किया था।

भोर केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावित को छ: मास की भीर कालावित के लिए बढ़ाया जाना भपेकित है:

भतः घव, भौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपबण्ड (व) के परस्तुक द्वारा प्रवन जाक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 17 मार्च, 1979 से छः मास की धौर काला-विधि के लिए लोक उपयोगी सेवा चौषित करती है।

[सं॰ एस॰ 11017/2/1979/सी॰ I(ए)(i)]

New Delhi, the 7th March, 1979

S.O. 1005.—Whereas the Central Government being satisfied that the public interest so required had declared by a notification made in pursuance of the provise to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), being the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2899 dated the 16th September, 1978, the Zinc Mining Industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for period of six months from the 17th September, 1978;

And whereas the Central Government is of the opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period for six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from the 17th March, 1979.

[No. S. 11017/2/79/DI(A)(i)]

का० था० 1006. केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, श्रीद्योगिक विवाद अग्निनियम, 1947 (1947 को 14) की धारा 2 के खण्ड (8) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के श्रनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मेलालय की अधिभूषना संख्या का० था० 2900 तारीख 16 सितम्बर, 1978 द्वारा सीसा खनन उद्योग को उक्त श्रश्चित्यम के प्रयोजनों के लिए 25 सितम्बर, 1978 से छ: मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

त्रौर केन्द्रीय सरकार की राम है कि लोकहित में उक्त कालाबिध की छः मास की मौर कालाविधि के लिए बढ़ाया जाना श्रपेक्षित हैं;

श्रत, श्रव, श्रांचोगिक विवाद शिंधनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के अण्ड (द) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त श्रीधिनयम के प्रयोजनों के लिए 25 मार्च, 1979 से छः भास की धौर कालाविधि के लिए लीक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं॰ एस॰ 11017/2/79 डीमाई(ए) (ii)] एत॰ के॰ नारायणन, डेस्क श्रीविकारी

S.O. 1006.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required, had in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2900 dated the 16th September, 1978 the Lead Mining Industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a period of six months from the 25th September, 1978.

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the provise to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (1 4of 1947), the Central Government hereby declares the said Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 25th March, 1979.

[No. S. 11017/2/79/DI(A)(ii)]
L. K. NARAYANAN, Deak Officer